THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 321 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ 14, 2082 सोमवार, 16 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मिजोरम राज्य बना एचआईवी हॉटस्पॉट

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) संक्रमण के कारण एड्स यानी एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम का खतरा होता है। साल 2024 के आखिर तक दुनियाभर में लगभग 40.8 मिलियन (4 करोड़ से अधिक) लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। इस साल 13 लाख नए मामले भी सामने आए जबकि 6.30 लाख लोगों की इस संक्रमण से मौत भी हो गई। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि जिस तरह से इस रोग का खतरा बढ़ रहा है और अमेरिका ने एचआईवी रोकथाम और उपचार कार्यक्रमों के लिए विदेशी सहायता निधि रोकने का फैसला लिया था, इसके कारण एचआईवी का जोखिम और बढ़ सकता है।

पीएम मोदी आज करेंगे एआई एक्सपो का उद्घाटन

13 देशों के पवेलियन होंगे शामिल

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम 5 बजे नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन करेंगे। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा और इसमें एआई के व्यावहारिक उपयोग का प्रदर्शन किया जाएगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ आयोजित होने वाला यह आयोजन नवाचार, नीति और प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रभाव को दर्शाने का एक राष्ट्रीय मंच होगा, जो आम नागरिकों तक पहुंचने का प्रयास करेगा। यह एक्सपो एआई के व्यावहारिक प्रदर्शन का एक राष्ट्रीय मंच होगा। यह एक्सपो 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 एरेना में होगा और इसमें विश्वभर की प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों का समागम होगा। इस एक्सपो में 13 देशों के पवेलियन होंगे, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और अफ्रीका शामिल हैं।

इस आयोजन में 300 से अधिक प्रदर्शनी मंडप और लाइव प्रदर्शन होंगे, जो तीन मुख्य विषयों (लोग, ग्रह और प्रगति) पर आधारित होंगे। इसके अलावा 600 से अधिक स्टार्टअप्स भी शामिल होंगे, जिनमें से कई विश्व स्तर पर प्रभावशाली और व्यावहारिक समाधान विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप्स वास्तविक दुनिया में उपयोग हो रहे एआई समाधानों का प्रदर्शन करेंगे।

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित 25 लाख से अधिक आगंतुकों की भागीदारी की उम्मीद है। इस आयोजन का उद्देश्य वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र में नई साझेदारियां स्थापित करना और व्यावसायिक अवसर उत्पन्न करना है।

इसके अलावा, 500 से अधिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें 3250 से अधिक विशेषज्ञ और पैनल सदस्य शामिल होंगे। इन सत्रों में एआई के बदलावकारी प्रभावों पर चर्चा की जाएगी और भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा ताकि एआई का लाभ हर नागरिक तक पहुंचे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत के विकास सफर, गवर्नेंस को मजबूत करने और पब्लिक सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने में एक अहम भूमिका निभाता है। यह बड़े पैमाने पर समावेशी विकास को समर्थन करता है और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण से मेल खाता है।

भारत की भाषा और सांस्कृतिक विविधता इसे अलग-अलग लोगों की जरूरतों के हिसाब से कई भाषाएं और कई मॉडल वाले एआई सिस्टम को आगे बढ़ाने की खास जगह देती है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपनी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के साथ एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आ रहे हैं। वे सोमवार देर रात को भारत पहुंचेंगे और 19 फरवरी को समिट में हिस्सा लेंगे।

अमरावती में बनेगी देश की पहली एआई यूनिवर्सिटी

19 फरवरी को रखी जाएगी आधारशिला; 2029 से एडमिशन शुरू होंगे, 8वीं से मिलेगा प्रवेश

अमरावती, 15 फरवरी (एजेंसियां)। जिस तेजी से एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) हमारी जिंदगी से जुड़ रहा है, भविष्य में हमें स्कूल-कॉलेज में ऐसी पढ़ाई की जरूरत होगी, जो सिर्फ एआई का ही ज्ञान देती हो, ताकि एआई की दुनिया में इसके प्रोफेशनल्स की कमी न पड़े। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए आंध्र प्रदेश सरकार अमरावती में देश की पहली एआई यूनिवर्सिटी बनाने जा रही है।

अमरावती में 19 फरवरी को भविष्य को आकार देने वाली एआई यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखी जानी है। माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स के भी इस दौरान मौजूद रहने की संभावना है। बड़ी बात है कि दुनिया की सबसे बड़ी कंप्यूटर चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया इस काम में आंध्र सरकार की मदद कर रही है।

एनवीडिया तकनीकी सहयोग के साथ-साथ यहां सिलेबस, एआई कोर्स किट भी तैयार करवाएगी। जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) आधारित कंप्यूटिंग संसाधन भी देगी। जबकि यूनिवर्सिटी का इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी आंध्र सरकार दे रही है। फिलहाल तो 65 एकड़ जमीन पर काम शुरू हो चुका है। भविष्य में एनवीडिया जैसी ही एआई कंपनियां भी जुड़ेंगी, जो रिसर्च लैब्स डेवलप करेंगी।

ऐसी दिखेगी एआई यूनिवर्सिटी

आंध्र सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी सचिव भास्कर कटमनेनी के मुताबिक यह यूनिवर्सिटी आईआईटी, आईआईआईटी से एकदम अलग है। यहां सिर्फ ग्रेजुएशन नहीं होगा, बल्कि कक्षा 8 से ही एआई को समझने वाले बच्चों को भर्ती करेंगे।

उन्हें पीएचडी तक की पढ़ाई कराएंगे। इसके लिए स्कॉलरशिप देंगे। 2028 तक यह काम करने लगेगी। 2029 से एडमिशन होंगे।

इसी यूनिवर्सिटी में देश का पहला स्वदेशी लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) तैयार होगा, जो चैटजीपीटी और जेमिनाई से आगे भारतीय भाषाओं, संस्कृति और सामाजिक जरूरतों के अनुरूप होगा। इस यूनिवर्सिटी के जरिए देश-दुनिया के 500 एआई स्टार्टअप्स को भी मदद देंगे। रतन टाटा इनोवेशन हब के ज़रिये छात्रों को लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स मिलेंगे। इनके समाधान के लिए नए एआई टूल्स यहीं विकसित होंगे।

अमरावती को ही क्यों चुना

अमरावती बड़ा शैक्षणिक केंद्र है। यहां वीआईटी, एसआरएम, अमृता विवि, एनआईडी, बीआईटीएस और लॉ यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान मौजूद हैं। इन्हीं संस्थानों के छात्र, शिक्षक और शोध वातावरण का लाभ उठाने के लिए अमरावती को एआई विश्वविद्यालय के लिए चुना गया।

बच्चों को एआई से खुद समाधान खोजना सिखाएंगे

कटमनेनी के मुताबिक जहां आईआईटी और आईआईआईटी तकनीकी डिग्री और कोडिंग पर केंद्रित हैं, वहीं एआई यूनिवर्सिटी बहुविषयक मॉडल पर आधारित होगी। पढ़ाई पूरी तरह प्रोजेक्ट-आधारित और व्यावहारिक होगी, जिसमें डिग्री से ज्यादा कौशल को महत्व दिया जाएगा। इसी हिसाब से सिलेबस को तीन हिस्सों में शुरू करेंगे। पहला, स्कूल स्तर। इसमें छात्रों को एआई की बुनियादी पढ़ाई के साथ ही मशीन लर्निंग, कंप्यूटर विजन, नेशनल लैंग्वेज प्रोसेसिंग की समझ विकसित की जाएगी।

दूसरा- कॉलेज स्तर। इसमें पढ़ाई नाम मात्र की रहेगी, सिर्फ प्रैक्टिकल होंगे, जिसमें नए-नए तरह के एआई मॉडल बनाए जाएंगे। इंजीनियरिंग, मेडिकल, कानून, कृषि, सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों के छात्र अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े एआई मॉडल विकसित करेंगे। उदाहरण के तौर पर, कोई छात्र कृषि में फसल अनुमान के लिए एआई मॉडल बनाएगा, तो कोई कानून से जुड़ा छात्र केस एनालिसिस के लिए एआई का प्रयोग करेगा। यहां शिक्षा पूरी तरह प्रोजेक्ट-आधारित और प्रयोगात्मक होगी। तीसरा- पोस्ट ग्रेजुएशन व पीएचडी। इसमें गहन शोध पर ही फोकस होगा। भविष्य की मशीनों की समझ विकसित करना, नए एल्गोरिद्म, बड़े भाषा मॉडल बनाना। भारतीय जरूरतों के अनुरूप स्वदेशी मॉडल तैयार करना इसका फोकस एरिया रहेगा।

देश की पहली 'एआई डेटा सिटी' बनेगी विशाखापत्तनम

विशाखापत्तनम, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में देश की पहली 'एआई डेटा सिटी' बनाने की योजना है। समुद्र के किनारे बसे होने का फायदा विशाखापत्तनम को मिला है। यहां से भारत को सीधे साउथ-ईस्ट एशिया से जोड़ने वाली समुद्री इंटरनेट केबल की कनेक्टिविटी मिलती है। विशाखापत्तनम को सिंगापुर से जुड़ने वाली सबमरीन केबल के लैंडिंग पॉइंट के रूप में भी डेवलप किया जा रहा है।

दक्षिण का राज्य आंध्र प्रदेश अपने प्रमुख शहर विशाखापत्तनम में 'एआई फोकस्ड डेटा सिटी' बनाने की योजना पर काम कर रहा है। योजना के तहत शहर के 100 किलोमीटर के दायरे में एक मजबूत इंटीग्रेटेड डेटा इकोसिस्टम तैयार किया जाना है।

एएफपी की एक रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश चाहता है कि विशाखापत्तनम देश की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महात्वाकांक्षाओं का सेंटर बने। शहर की भौगोलिक स्थिति भी इसे 'एआई डेटा सिटी' बनाने के लिए एकदम सही है।

विशाखापत्तनम का चुनाव ही क्यों?

रिपोर्ट के अनुसार, विशाखापत्तनम पोर्ट सिटी है, जो समुद्र के किनारे बसी है। आंध्र सरकार यहां हाइपरस्केल डेटा सेंटर, सर्वर और कूलिंग सिस्टम के लिए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाना चाहती है और इसके लिए वह प्राइवेट कंपनियों को आकर्षित कर रही है। शहर की भौगोलिक स्थिति भी बेहतर है क्योंकि यहां से भारत को सीधे साउथ-ईस्ट एशिया से जोड़ने वाली समुद्री इंटरनेट केबल की कनेक्टिविटी मिलती है। विशाखापत्तनम को सिंगापुर से जुड़ने वाली सबमरीन केबल के लैंडिंग पॉइंट के रूप में भी डेवलप किया जा रहा है। इससे एआई कंपनियों को डेटा स्पीड की चिंता नहीं करनी होगी और वो हाईस्पीड कनेक्टिविटी के साथ अपने काम कर पाएंगी।

>14

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जाएंगे बांग्लादेश

तारिक रहमान के शपथ ग्रहण में होंगे शामिल

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से साझा की गई है। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि पीएम मोदी बीएनपी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए पड़ोसी देश का दौरा कर सकते हैं। लेकिन भारत में एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन और कई देशों के गणमान्य अतिथियों के आगमन समेत अन्य प्रस्तावित कार्यक्रम में व्यस्तता के कारण पीएम मोदी बांग्लादेश नहीं जा सकते हैं। पीएम मोदी का 17 फरवरी को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक का कार्यक्रम पहले से तय है।

विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, 17 फरवरी, 2026 को ढाका में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के चेयरमैन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई चुनी हुई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अहम कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष का शामिल होना भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच गहरी और पक्की दोस्ती को दिखाता है, और हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले डेमोक्रेटिक मूल्यों के प्रति भारत के पक्के प्रतिबद्धता को पक्का करता है। बयान में आगे कहा गया- साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान से जुड़े पड़ोसियों के तौर पर, भारत बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में चुनी हुई सरकार के आने का स्वागत करता है, जिनके विजन और मूल्यों को लोगों का भारी समर्थन मिला है।

राजनयिक सूत्रों के अनुसार, आमंत्रित देशों की सूची में भारत, चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन संसद के साउथ प्लाजा में होगा।

पड़ोसी देश में हाल ही में आयोजित हुए 13वें राष्ट्रीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इसके बाद 17 फरवरी यानी मंगलवार को तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की नई सरकार का शपथ ग्रहण। जानकारी के अनुसार, तारिक रहमान के कैबिनेट में 32 से 42 सदस्य हो सकते हैं, जिसमें अनुभवी और युवा नेताओं को जगह मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रपति मैक्रों का तीन दिवसीय भारत दौरा

पीएम मोदी से होगी मुलाकात, एआई और इनोवेशन पर होंगे कई अहम समझौते

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत आ रहे हैं। वह अपनी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के साथ तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली फ्रांस यात्रा के बाद हो रहा है। मैक्रों का यह दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों 16 फरवरी की देर रात करीब 11:30 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। उनके दौरे के आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत 17 फरवरी से होगी। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

मुंबई और दिल्ली में कई कार्यक्रम

17 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों की मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होगी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई समझौतों का आदान-प्रदान होगा और एक संयुक्त बयान भी जारी किया जाएगा। शाम को वह होटल ताज महल पैलेस में भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद रात में गेटवे ऑफ इंडिया पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। अगले दिन 18 और 19 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यहां वह एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।

सबरीमाला मंदिर

महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा फिर गरमाया

अदालत में सुनवाई से पहले विपक्ष ने सरकार से मांगा जवाब

तिरुवनंतपुरम, 15 फरवरी (एजेंसियां)। केरल में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। सुप्रीम कोर्ट में होने वाली अहम सुनवाई से ठीक पहले इस विषय ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। विपक्ष ने सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार से साफ रुख बताने की मांग की है। सवाल यह है कि सरकार अदालत में महिलाओं के प्रवेश का समर्थन करेगी या अपना पुराना हलफनामा वापस लेगी।

यह मुद्दा इसलिए फिर सामने आया है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट सोमवार को 2018 के फैसले से जुड़े रिव्यू और रिट याचिकाओं पर विचार करने वाला है। उस फैसले में हर उम्र की महिलाओं को भगवान अयप्पा के मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। विपक्षी कांग्रेस का कहना है कि सरकार को अदालत में जाने से पहले जनता को अपना रुख साफ-साफ बताना चाहिए। उनका आरोप है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर अब तक असमंजस की स्थिति में है।

नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री विजयन से पूछा कि क्या सरकार अब भी सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने पुराने हलफनामे के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार महिलाओं के प्रवेश के पक्ष में है तो उसे मजबूती से अदालत में यही बात रखनी चाहिए।

अगर नहीं है तो हलफनामा वापस लिया जाए। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी कहा कि पूरे केरल में सरकार से साफ रुख की मांग हो रही है और पीछे हटना जनता के साथ धोखा होगा।

सत्तारूढ़ दल सीपीआई(एम) ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने कहा कि सरकार अपना पक्ष अदालत में ही रखेगी और अभी इसे सार्वजनिक करना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि भक्तों की भावनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों दोनों का सम्मान किया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता ए विजयराघवन ने भी कहा कि यह मामला बेहद जटिल है और सभी पक्षों को सुनने के बाद ही कोई ठोस फैसला लिया जाना चाहिए।

इस बीच नायर सर्विस सोसाइटी ने भी सरकार से महिलाओं के प्रवेश का विरोध करने वाला नया हलफनामा दाखिल करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि सदियों पुरानी परंपराओं से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। वहीं, राज्य के कानून मंत्री पी राजीव ने कहा कि सरकार पर जल्दबाजी का दबाव बनाना गलत है।

उन्होंने साफ किया कि सरकार अपना पक्ष तभी रखेगी, जब सुप्रीम कोर्ट उससे पूछेगा। गौरतलब है कि 2018 के फैसले के बाद केरल में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे और यह मुद्दा आज भी सामाजिक और राजनीतिक रूप से संवेदनशील बना हुआ है।

रिजिजू बोले-सदन चलाने के लिए विपक्ष के नेता का मैच्योर होना जरूरी

सुषमा स्वराज का वीडियो शेयर किया
राहुल गांधी की स्पीच से संसद में हंगामा हुआ था

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर स्वर्गीय बीजेपी नेता सुषमा स्वराज का पुराना वीडियों शेयर किया। उन्होंने लिखा कि एक मैच्योर विपक्ष का नेता (एलओपी) सदन को आसानी से चलाने और पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को बेहतर बनाने में बहुत काम आता है।

रिजिजू का यह बयान बजट सत्र के पहले चरण में हुए हंगामे के बाद आया। राहुल गांधी ने चीनी टैंक की लद्दाख में घुसपैठ और पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब पर बयान देने की कोशिश की थी। उन्होंने 'एपस्टीन फाइल्स' और इंडिया-यूएस ट्रेड डील जैसे मुद्दों को संसद में उठाने का प्रयास किया था, जिन्हें बीजेपी ने बेबुनियाद बताया था। इसके बाद स्पीकर ने उन्हें रोका। जिसके बाद विपक्षी सांसदों सदन में हंगामा कर दिया था और सदन की कार्यवाही को बाधित किया था।

किरेन रिजिजू ने सुषमा स्वराज की 2014 की लोकसभा में दी गई स्पीच शेयर की, जिसमें वो कहती हैं कि- भारतीय लोकतंत्र के मूल में एक भाव है। वो भाव ये है कि हम एक दूसरे के विरोधी है मगर शत्रु नहीं, हम विरोध विचारधाराओं, नीतियों और कार्यक्रम का करते है। हम जो आलोचना करते हैं वो प्रखर आलोचना हैं। लेकिन प्रखर आलोचना भी भारतीय लोकतंत्र में एक दूसरे के व्यक्तिगत संबंधों में आड़े नहीं आती है। मुझे आडवाणी जी हमेशा निर्देश देते थे कि सदन की गरिमा के अनुरुप ही आचरण करना।

कांग्रेस ने किसानों को किया गुमराह

शाह की राहुल को चुनौती, बोले- किसी मंच पर आ जाएं

अहमदाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसका नेतृत्व हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करता रहा है. उन्होंने कहा कि संसद में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी किसानों की बात करते हैं. लेकिन, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि मनमोहन सिंह सरकार के 10 सालों के कार्यकाल में किसानों का कितना अनाज खरीदा गया? इसके साथ ही ये भी जान लेना चाहिए कि नरेंद्र मोदी सरकार के 10 वर्षों में कितना अनाज खरीदा है. अमित शाह ने दावा किया कि मौजूदा सरकार ने कांग्रेस की तुलना में 15 गुना अधिक अनाज खरीदा है. ये बात राहुल गांधी को नहीं दिखती है. वे केवल देश को गुमराह करने का ही काम कर रहे हैं.

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के समय किसानों का बजट मात्र 26 हजार करोड़ रुपये

था, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इसे बढ़ाकर 1 लाख 29 हजार करोड़ रुपये किया गया।

राहुल गांधी को अमित शाह की खुली चुनौती

अमित शाह ने राहुल गांधी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे किसी भी मंच का चुन लें, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का अध्यक्ष उनसे इस विषय पर बहस के लिए तैयार है कि किसानों का असली नुकसान किसने किया. क्योंकि मोदी सरकार ने हर समझौते में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

डेयरी सेक्टर पूरी तरह सुरक्षित

गृहमंत्री अमित शाह ने ट्रेड डील के मुद्दे पर भी उन्होंने राहुल गांधी पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है. शाह ने कहा कि इंग्लैंड, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ हुए समझौतों में किसानों के हितों की पूरी सुरक्षा की गई है. उन्होंने खास तौर पर डेयरी सेक्टर को लेकर फैलाई जा रही आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि सरकार ने डेयरी को पूरी तरह सुरक्षित रखा है. इसके साथ ही भारतीय कृषि व मछुआरों के उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के रास्ते खोले हैं.

पीएम मोदी ने अगले 10 सालों के लिए 3 रिफॉर्म प्रायोरिटी बताई

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में बजट, विकसित भारत, इंफ्रास्ट्रक्चर, आने वाले 10 साल की प्राथमिकताओं पर चर्चा कीं। उन्होंने इस दौरान प्राइवेट सेक्टर के लिए भी कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष का बजट भारत की विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बजट कोई मजबूरी में उठाया गया 'अभी या कभी नहीं' का क्षण नहीं है, बल्कि तैयारी और प्रेरणा से उपजा 'हम तैयार हैं' का क्षण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वर्षों के लिए 3 रिफॉर्म प्रायोरिटी बताईं। पीएम मोदी ने जिन 3 प्राथमिकताओं की चर्चा की उनमें स्ट्रक्चरल रिफॉर्म, ज्यादा इनोवेशन और आसान गवर्नेंस शामिल हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने इतिहास में सबसे व्यापक अवसंरचना विकास कर रहा है, जिसे भविष्य की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए बनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता और नीति की स्पष्टता से निवेशकों का भरोसा भारत में बढ़ा है। इसी कारण भारत अब मजबूत स्थिति में व्यापार समझौते कर रहा है। उन्होंने बताया कि देश ने 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सेवाओं का क्षेत्र और एमएसएमई सेक्टर ने भारत को वैश्विक व्यापार वार्ताओं में ताकत दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान बताया कि भारत के एफटीए खास तौर पर छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए बनाए गए हैं ताकि टेक्सटाइल, लेदर, केमिकल, हस्तशिल्प, जेम्स-ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों को ज्यादा विदेशी बाजार मिल सके।

सीआईडी विभाग का एएसआई दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार

अमृतसर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अमृतसर में ड्रग्स केस में व्यक्ति को धमका कर उससे 5 लाख रुपये रिश्वत वसूलने वाले पुलिस अधिकारी रिपन शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सीआईडी विभाग में बतौर अस्सिटेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) है। एएसआई रिपन शर्मा को पुलिस ने शनिवार रात दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। आरोपी विदेश भागने की फिराक में था। यह गिरफ्तारी एंटी नारकोटिक एवं टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम द्वारा की गई है। इससे पहले इस एएसआई के साथी और कपड़ा व्यापारी गौरव अरोड़ा की गिरफ्तारी हो चुकी है। दो फरवरी को एंटी नारकोटिस टास्क फोर्स की टीम द्वारा लाहौरी गेट इस्लामाबाद रोड पर कार्रवाई करते हुए भोलू ,पीयूष, गौरव और चांद को करोड़ों रुपये की हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था।

फिर से शुरू होने वाला है बारिश का दौर

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत में पड़ रही कड़ाके की ठंड में गिरावट आई है। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में अब सुबह और शाम के वक्त ही ठंड हो रही है। दिन में तेज धूप निकल आने से तापमान में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। लोगों को अभी से ही दिन के समय में गर्मी का एहसास होने लगा है। एक बार फिर मौसम पलटी मारने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोत्र एक्टिव होगा।

17 और 18 फरवरी को बारिश का अलर्ट

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि एक नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से 17 और 18 फरवरी (मंगलवार-बुधवार) को पश्चिमी हिमालयी इलाके में कुछ जगहों पर बारिश और बर्फबारी होगी।

मौसम में आएगा खासा बदलाव

आईएमडी के अनुसार, बादल गरजने और तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ेंगी। इसके चलते मौसम में खासा बदलाव आने वाला है। दिन का तापमान भी गिर जाएगा। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव (16 फरवरी) से शुरू हो जाएगा।

जानिए क्या होता है पश्चिमी विक्षोभ?

पश्चिमी विक्षोभ एक मौसमी घटना है, जो मुख्य रूप से सर्दियों में उत्तर भारत, पाकिस्तान, नेपाल और हिमालय क्षेत्र में अचानक मौसम में बदलाव लाती है। यह एक तरह का कम दबाव वाला तूफान होता है, इससे तेज हवाएं चलती हैं और कई इलाकों में बारिश होने के आसार रहते हैं।

कई इलाकों पर सुबह हो रहा कोहरा

देश के कई हिस्सों में सुबह के समय में कोहरा देखा जा रहा है। आज सुबह ही तमिलनाडु के तिरुवल्लूर शहर में कोहरे की मोटी परत छाई रही है। इसके चलते वाहन चालकों को खासा दिक्कतें हो रही थीं।

लापता अग्निवीर जवान अखनूर में मिला, सेना ने सुरक्षित खोजा

राजौरी, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजौरी जिले के मंजाकोट क्षेत्र से लापता घोषित किए गए अग्निवीर जवान को सेना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अखनूर क्षेत्र से सुरक्षित बरामद कर लिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार लगभग 11 बजे राइफलमैन अग्निवीर अरशदीप (21 वर्ष), निवासी वजीद केकाला, जिला बरनाला (पंजाब) जो मंजाकोट क्षेत्र में तैनात था। बताया गया कि निर्धारित समय पर ड्यूटी से अनुपस्थित पाए जाने के बाद यूनिट स्तर पर तत्काल खोजबीन शुरू की गई। सेना ने आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया और संबंधित एजेंसियों को भी सूचित किया गया। प्रारंभिक सूचना के आधार पर खोज का दायरा बढ़ाया गया।

सेना के अधिकारियों के अनुसार गहन प्रयासों के बाद जवान को अखनूर क्षेत्र में ट्रेस कर लिया गया। उसे सुरक्षित यूनिट के संरक्षण में ले लिया गया है। फिलहाल जवान की काउंसलिंग की जा रही है तथा घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि इस तरह की परिस्थितियों में सेना निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत आंतरिक जांच करती है। जवान की चिकित्सीय स्थिति की भी जांच कराई जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह पूरी तरह सुरक्षित है। स्थानीय स्तर पर इस घटना की सूचना मिलते ही हलचल पैदा हो गई थी, हालांकि जवान के सुरक्षित मिलने के बाद स्थिति सामान्य हो गई है।

टीपू सुल्तान-शिवाजी महाराज की तुलना पर विवाद

महाराष्ट्र में सियासी उफान; कांग्रेस ने लगाए आरोप

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज और टीपू सुल्तान की तुलना के बाद राज्य का सियासी पारा गरमाया हुआ है। इस विवाद के चलते राज्य में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। अब इस विवाद पर महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता सचिन सावंत ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने और समाज को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस तुलना को गलत बताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता को इस पर शर्म आनी चाहिए।

भाजपा पर लगाए ध्रुवीकरण के आरोप

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा अब केवल वोटों के ध्रुवीकरण के लिए टीपू सुल्तान को गलत तरीके से पेश कर रही है। हाल ही में मालेगांव नगर निगम में टीपू सुल्तान की तस्वीर को लेकर भी विवाद हुआ था।

कैसे हुई हुई थी विवाद की शुरुआत

हर्षवर्धन सपकाल ने तर्क दिया था कि जिस तरह शिवाजी महाराज ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, उसी तरह टीपू सुल्तान ने भी संघर्ष किया था। टीपू सुल्तान को लेकर इतिहास में अलग-अलग राय है, जहां कुछ लोग उन्हें बहादुर मानते हैं तो कुछ उन पर कट्टरता का आरोप लगाते हैं।

सचिन सावंत ने भाजपा के पुराने फैसलों की याद दिलाते हुए कई उदाहरण दिए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, 2012 में अकोला नगर निगम में भाजपा नेता विजय अग्रवाल ने एक हॉल का नाम टीपू सुल्तान के नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया था। 2013 में मुंबई के एम-ईस्ट वार्ड में एक सड़क का नाम टीपू सुल्तान के नाम पर रखने का भाजपा पार्षदों ने समर्थन किया था। सावंत ने यह भी कहा कि 2001 में अंधेरी वेस्ट में एक सड़क का नाम टीपू सुल्तान मार्ग रखने के प्रस्ताव में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी और भाजपा पार्षद शामिल थे। सावंत ने दावा किया कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस। येदियुरप्पा ने टीपू सुल्तान की मजार पर जाकर विजिटर्स बुक की तारीफ की थी। उन्होंने 2017 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के कर्नाटक विधानसभा में दिए भाषण का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने टीपू सुल्तान की सराहना की थी। सावंत के अनुसार, टीपू सुल्तान भगवान राम के नाम वाली अंगूठी पहनते थे।

महाशिवरात्रि पर हिमाचल के सराज में जीप दुर्घटनाग्रस्त, तीन युवकों की मौत

मंडी, 15 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर थुनाग क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई। यह हादसा एमडीआर-91 लम्बाथाच–कल्हणी सड़क पर बुनालीधार के निकट तड़के करीब सुबह 4 बजे हुआ। दुर्घटनाग्रस्त जीप में सवार चार युवक थे, जो बगस्याड़-रहीधार क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल पहुंचने के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में हृतिक ठाकुर (19 वर्ष, गांव रहीधार, डाकघर बगस्याड, तहसील थुनाग), सुनील (17 वर्ष, गांव वह, डाकघर केलोधार, तहसील चच्योट) और ईशान (18 वर्ष, गांव थरजूण, तहसील चच्योट) शामिल हैं।

राजस्थान से लाया अफीम

पंजाब में सप्लाई होना था, बठिंडा में पुलिस ने कार सवार दो तस्करों को दबोचा

बठिंडा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बठिंडा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 6.5 किलो अफीम बरामद कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस द्वारा चलाए जा रहे युद्ध नशे विरुद्ध अभियान के अंतर्गत की गई। एसपी (सिटी) नरेंद्र सिंह, डीएसपी (सिटी-1) अमृतपाल सिंह भाटी ने बताया कि 14 फरवरी को थाना कैनाल कॉलोनी के अंतर्गत चौकी वर्धमान की पुलिस पार्टी ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के लिए बादल-बठिंडा रोड पर महाराजा रंजीत सिंह तकनीकी विश्वविद्यालय के पास नाकाबंदी की हुई थी। इस दौरान बठिंडा-डबवाली रोड की ओर से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार (पीबी-29 एजी-3454) को रोका गया। कार सवार दो युवकों की तलाशी लेने पर 4 किलो अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जगसीर सिंह उर्फ सीरा निवासी घुम्मन कलां हाल आबाद वार्ड नंबर 6 भारत नगर, सिटी-2 मानसा और महिंदर सिंह निवासी गांव गिलकलां हाल आबाद जस्सी पौ वाली बठिंडा के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान जगसीर सिंह की निशानदेही पर 2.5 किलो और अफीम बरामद की गई, जिससे कुल बरामदगी 6.5 किलो हो गई।

पुलिस ने आरोपियों की कार को भी जब्त किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी यह अफीम राजस्थान से लाकर पंजाब में सप्लाई करने की फिराक में थे। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए पूछताछ जारी है और पुलिस को कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

हिमाचल विधानसभा बजट सत्र: आज से

शिमला, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बजट सत्र के लिए विधायकों की ओर से राज्य विधानसभा सचिवालय को 100 से अधिक प्रश्न मिले हैं। इन प्रश्नों को विधानसभा सचिवालय ने आगे विभागों को जवाब तैयार करने के लिए भेज दिया है। विधानसभा के बजट सत्र का पहला चरण 16 फरवरी को दो बजे शुरू होने जा रहा है। इसकी शुरुआत राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के अभिभाषण से होगी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कलदीप सिंह पठानिया ने बजट सत्र शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में स्पीकर पठानिया कांग्रेस विधायक दल और भाजपा विधायक दल से सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलने देने की अपील करेंगे।

राज्य विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी अस्थायी सूची के अनुसार 16 फरवरी को सत्र की शुरुआत होगी, जो फिलहाल 18 फरवरी तक चलेगा। इसके अनुसार 16 फरवरी को अगर कोई शोकोद्गार होगा तो उस पर भी वक्तव्य होंगे। उसके बाद शासकीय और विधायी कार्य शुरू होंगे। इसमें राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हो सकती है अथवा राजस्व घाटा अनुदान बंद के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। विधायकों की ओर से राजस्व घाटा अनुदान बंद करने, आर्थिक स्थिति, सेब पर आयात शुल्क घटाने, कानून-व्यवस्था, खनन जैसे मुद्दों पर सवाल लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा विधायकों की ओर से अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रश्न भी उठाए जा रहे हैं।

कांग्रेस-भाजपा विधायक दल की बैठकें भी आज

बजट सत्र के लिए कांग्रेस और भाजपा विधायक दलों की बैठकें 16 फरवरी की सुबह ही होंगी। इनमें दोनों दल सत्र को लेकर रणनीति बनाएंगे। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में कांग्रेस विधायक दल की बैठक सोमवार सुबह होगी। इसमें कांग्रेस विधायक दल राजस्व घाटा अनुदान के मुद्दे पर विपक्ष पर हमलावर रुख अपनाए रखने की रणनीति बनाएगा। वहीं, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में भाजपा विधायक दल की बैठक विधानसभा परिसर में 16 फरवरी को 11 बजे होगी। इसमें सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की रणनीति बनाई जाएगी।

डीएवीवी के पूर्व कुलपति डॉ भरत छापरवाल का निधन

इंदौर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के पूर्व कुलपति, वरिष्ठ शिक्षाविद् और मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व चेयरमैन डॉ। भरत छापरवाल का रविवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। डॉ छापरवाल शिक्षा के क्षेत्र से लंबे समय तक जुड़े रहे और अपने कार्यकाल में उन्होंने अकादमिक गुणवत्ता, अनुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता को विशेष प्राथमिकता दी। डॉ छापरवाल को एक सरल, सुलझे हुए और दूरदर्शी शिक्षाविद् के रूप में जाना जाता था।

उन्होंने विश्वविद्यालयीन शिक्षा को समाज से जोड़ने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण पहल कीं। उनके नेतृत्व में शैक्षणिक गतिविधियों को नई दिशा मिली और शोध, नवाचार तथा मूल्यपरक शिक्षा को बढ़ावा मिला। उनके निधन पर शिक्षा जगत से जुड़े कई वरिष्ठ शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों और पूर्व छात्रों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

असम में बनेंगे 4 नए एयरपोर्ट

चीन से निपटने को कई परियोजनाएं पाइप लाइन में, सीएम सरमा ने बताया प्लान

दिसपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में असम के मोरान में पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ईएलएफ) का उद्घाटन किया था। इसके ठीक एक दिन बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने केंद्र से असम में और अधिक इमरजेंसी लैंडिंग सुविधाएं बनाने का अनुरोध किया है। सरमा ने कहा कि ये सुविधाएं सामरिक और आपदा प्रबंधन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं।

गुवाहाटी में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम सरमा ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि असम सरकार अगले महीने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगी। इस समझौते के तहत माजुली, दीफू, उमरांगसो और मानस में चार नए हवाई अड्डे बनाने के लिए एक स्टडी की जाएगी।

असम बन रहा है 'बैकअप स्टेट'

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोरान में बनी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी का असम और पूर्वोत्तर के लिए बहुत बड़ा सामरिक महत्व है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ सीमा को देखते हुए अरुणाचल प्रदेश में कई रणनीतिक प्रोजेक्ट चल रहे हैं। वहीं, असम को युद्ध की स्थिति में एक 'बैकअप स्टेट' के तौर पर विकसित किया जा रहा है। सरमा ने आगे कहा, हमने केंद्र को पत्र लिखकर राज्य में और अधिक ईएलएफ बनाने की मांग की है। हमें बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान भी ऐसी सुविधाओं की जरूरत पड़ती है। इन हवाई पट्टियों पर सी130 जैसे बड़े परिवहन विमान राहत सामग्री के साथ आसानी से उतर सकते हैं।

कई बड़ी रणनीतिक परियोजनाएं भी मंजूर

मुख्यमंत्री ने बताया कि असम में एक ईएलएफ पहले ही खुल चुका है और चार-पांच और बनाने की संभावना है। गौरतलब है कि शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी ने डिब्रूगढ़ जिले के मोरान में सी-130जे विमान से इस हवाई पट्टी पर ऐतिहासिक लैंडिंग की थी। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने असम में कई अन्य बड़ी परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इसमें ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे एक ट्विन-ट्यूब सड़क-सह-रेल सुरंग और 'चिकन्स नेक' कॉरिडोर के नीचे एक भूमिगत राजमार्ग का निर्माण शामिल है। इन परियोजनाओं से असम की सामरिक स्थिति और मजबूत होगी।

मोगा फायरिंग कांड का पर्दाफाश, अब तक सरपंच सहित 4 गिरफ्तार

मोगा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले दिनों मोगा के जीरा रोड पर सेलर में खाना खाने के लिए जा रहे प्रवासी मजदूरों पर मोटरसाइकिल सवारों द्वारा फायरिंग की गई थी । इस दौरान दो प्रवासी मजदूर घायल हो गए थे जिनका इलाज के लिए मोगा के सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया गया था जहां से उनको फरीदकोट रेफर किया गया था। वहीं, इस फायरिंग को लेकर पुलिस ने जहां अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था वही रविवार को पुलिस ने दो लोगों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है जिनका इलाज के लिए मोगा के सिविल अस्पताल में लाया गया है। घटनास्थल पर पहुंचे एसएसपी मोगा अजय गांधी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पिछले दिनों जीरा रोड पर सेलर में काम करके खाना खाने के लिए जा रहे मजदूरों पर मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों द्वारा फायरिंग की गई थी पुलिस ने गंभीरता से जांच करते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच पड़ताल के दौरान उनको रहने के लिए जगह देने के आरोप में जिला फिरोजपुर से संबंधित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया था,

'भारत नहीं जय शाह और पाकिस्तान का मैच'

भारत-पाकिस्तान के मुकाबले पर संजय राउत ने बीजेपी को घेरा

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने हालिया बयान में कहा कि यह भारत और पाकिस्तान का नहीं बल्कि जय शाह और पाकिस्तान का मैच है। उन्होंने ये भी कहा कि पाकिस्तान से मैच खेलने का मन भारत की जनता का नहीं है। उन्होंने यह बयान मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान दिया। संजय राउत ने आरोप लगाया कि आर्थिक लाभ के कारण मैच रोका नहीं जा रहा है।। पिछले मैच से 25 हजार करोड़ रुपये मिले थे और यही पैसा पहलगाम और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों में जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर रोक सकती है लेकिन मैच नहीं- संजय राउत

राउत ने यह भी कहा कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर रोक सकती है लेकिन मैच नहीं रोक पा रही, क्योंकि इससे पैसा आता है। उनके मुताबिक यह पूरा रैकेट गुजरात और राजस्थान से संचालित होता है और इसी धन से पाकिस्तान भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देता है।

टीपू सुल्तान और बीजेपी पर निशाना

संजय राउत ने कहा कि टीपू सुल्तान पाकिस्तान में नायक माने जाते हैं, वहां उनकी मूर्तियां हैं और पाठ्यक्रम में उन्हें पढ़ाया जाता है। ऐसे में अगर भारत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेल रहा है, तो भाजपा और देवेंद्र फडणवीस को इसकी निंदा करनी चाहिए। दिए एक बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ऐसा नहीं करेगी क्योंकि वह पाखंड कर रही है। राउत ने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने से करोड़ों का पैसा आता है और सबसे ज्यादा सट्टेबाजी इसी मैच पर होती है, जिससे पाकिस्तान को हजारों करोड़ रुपये मिलते हैं।

कांग्रेस का बयान और मूल सवाल

मामला तब और गरमा गया जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने टीपू सुल्तान को छत्रपति शिवाजी महाराज के बराबर योद्धा बताया। इस बयान पर बीजेपी आक्रामक हो गई। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने कहा कि टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना नहीं की जा सकती। राउत ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस के बयान पर अलग से चर्चा होगी, लेकिन असली मुद्दा यह है कि क्या भारत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या बीजेपी नेताओं में इतनी देशभक्ति है कि वे पाकिस्तान के साथ क्रिकेट न खेलने की मांग करें।

फौजी की पत्नी की घर में घुसकर हत्या

यमुनानगर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। थाना छप्पर क्षेत्र के भंभोल गांव में रात फौजी की पत्नी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। नहीं वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजन तुरंत जगाधरी के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान 34 वर्षीय मोनिका के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रात करीब साढ़े 11 बजे मोनिका अपने कमरे में सो रही थी, तभी एक व्यक्ति घर में घुस आया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी ने महिला की गर्दन पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मोनिका की चीखें सुनकर परिवार के अन्य सदस्य कमरे में पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

एससी होना क्या अभिशाप है

ओडिशा में आंगनवाड़ी सहायिका ने गांववालों पर जातिगत भेदभाव का लगाया आरोप

केंद्रपाड़ा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के राजनगर ब्लॉक में एक आंगनवाड़ी केंद्र को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। 20 साल की शर्मिष्ठा सेठी का आरोप है कि उनकी नियुक्ति के बाद गांव वाले केंद्र का बहिष्कार कर रहे हैं। शर्मिष्ठा की पोस्टिंग नवागांव के आंगनवाड़ी केंद्र में 20 नवंबर 2025 को हुई थी। शर्मिष्ठा का कहना है कि जैसे ही उनकी नियुक्ति हुई, गांव वालों ने अपने बच्चों को आंगनवाड़ी भेजना बंद कर दिया। यहां तक कि वे बच्चों के लिए मिलने वाले मुफ्त सत्तू और अंडे भी लेने नहीं आ रहे हैं।

उनका कहना है, "मेरे परिवार की हालत बहुत खराब है। बड़ी मुश्किल से मुझे यह नौकरी मिली है। मैं टीचर बनना चाहती हूँ, लेकिन मेरी बात कोई नहीं सुन रहा है।" उन्होंने आरोप लगाया कि गांव वाले सिर्फ इसलिए बच्चों को नहीं भेज रहे क्योंकि वह दलित समुदाय से आती हैं। शर्मिष्ठा कहती हैं, "समाज आगे बढ़ रहा है, लेकिन जातिगत भेदभाव अभी भी खत्म नहीं हुआ। अगर हम जाति में उलझे रहेंगे तो कभी आगे नहीं बढ़ पाएंगे।" उन्होंने बताया कि उन्होंने खुद घर-घर जाकर लोगों से अपने बच्चों को भेजने की अपील की, लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं मानी। इससे परेशान होकर उन्होंने सरकार और प्रशासन से न्याय की मांग की है। शर्मिष्ठा ने कहा, "क्या एससी/एसटी होना कोई अभिशाप है? हमारे मुख्यमंत्री भी एसटी समुदाय से हैं। मैं उनसे भी न्याय की गुहार लगाती हूँ।" मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने जांच शुरू करने की बात कही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश की जाएगी। वहीं, सामाजिक संगठन भी इसे गंभीर मामला मान रहे हैं और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

सुविचार: किसी को प्रेम देना सबसे बड़ा उपहार है और किसी का प्रेम पाना सबसे बड़ा सम्मान है!

कांग्रेस की जीत को पचा नहीं पा रहे हैं विपक्षी : रेवंत रेड्डी

संत सेवालाल महाराज की जयंती समारोह में सीएम ने कहा

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि हाल ही संपन्न नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने 90 प्रतिशत सीटों पर जीत हासिल की है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यह परिणाम गरीबों के सशक्तिकरण के लिए और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देता है। रेवंत रेड्डी ने रविवार को संत सेवालाल महाराज की जयंती समारोह में कहा कि कांग्रेस हमेशा संयम बनाए रखती है। ''हम जीतने पर उत्साहित नहीं होते और हारने पर निराश नहीं होते। हम हमेशा जनता के लिए लगातार काम करते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने नगरपालिका चुनाव के परिणाम की जिम्मेदारी स्वयं ली। विपक्षी नेता कांग्रेस की जीत को पचा नहीं पा रहे हैं और राज्य की वास्तविक राजनीति को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्होंने कभी शासक की तरह नहीं, बल्कि जनता का सेवक बनकर काम किया। उन्होंने कहा, ''मैं अगले 20 साल सक्रिय रहूंगा और जनता की सेवा करूंगा।'' नगर पालिका चुनाव के बाद उनके कथन ''नेने राजा नेने मंत्री'' पर उठी आलोचना पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने यह टिप्पणी अपने मुख्यमंत्री और एमएयूडी मंत्री पदों की जिम्मेदारी को ध्यान में रखकर की थी। उन्होंने लम्बाड़ा समाज के योगदान को याद करते हुए कहा कि यह समाज उनके 20 साल के राजनीतिक करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नल्लमला वन में संत सेवालाल महाराज की विशाल मूर्ति का निर्माण किया जाएगा और अगली जयंती भव्य तरीके से मनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''संत सेवालाल ने सभी को मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी और पूरे देश के 1.5 करोड़ लम्बाड़ाओं के लिए मार्गदर्शक बने।'' उन्होंने बताया कि लम्बाड़ाओं ने तेलंगाना आंदोलन में भी अहम भूमिका निभाई। रेवंत रेड्डी ने कहा कि आदिवासी और दलित समाज को सभी क्षेत्रों में प्राथमिकता और सम्मान दिया जाना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि आदिवासी तांडाओं में बीटी रोड, सरकारी स्कूल, ग्राम पंचायत भवन, जलाशय और सोलर पंप जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव पर दलित मुख्यमंत्री का वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के लिए राशन कार्ड जारी कर सम्मान प्रदान कर रही है। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सरकार योग्य शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और यंग इंडिया स्कूल्स 100 विधानसभा क्षेत्रों में 20,000 करोड़ रुपये से विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि एससी वर्ग राज्य की कुल जनसंख्या का 15 प्रतिशत है और उन्हें 30 प्रतिशत पद दिए गए हैं। राज्य में चार मंत्री और एक स्पीकर एससी समुदाय से हैं।

चारमीनार और शमशाबाद जोन में व्यापक तलाशी अभियान

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर पुलिस ने शनिवार को चारमीनार जोन और शमशाबाद जोन में बड़े पैमाने पर घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन) चलाया। गुंडागर्दी और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से इस अभियान में 600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया।

चारमीनार जोन में लगभग 300 कर्मियों की 30 टीमों ने 90 आपराधिक रिकॉर्ड धारकों की पहचान की और अवैध हथियारों तथा प्रतिबंधित पदार्थों की तलाश में घर-घर तलाशी ली। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शून्य सहनशीलता नीति के तहत भारी जुर्माना, बाध्यकारी कार्यवाही और अन्य सख्त कानूनी कदम आगे भी जारी रहेंगे। इसी क्रम में शमशाबाद जोन के बालापुर क्षेत्र में भी व्यापक अभियान चलाया गया, जिसमें करीब 800 घरों की जांच की गई।

अभियान के दौरान 27 दोपहिया वाहन, दो ऑटो और नौ अवैध गैस सिलेंडर जब्त किए गए। साथ ही 17 कुख्यात अपराधियों और सात संदिग्धों की पहचान की गई। अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान भविष्य में भी तेज किए जाएंगे।

अज्ञात माओवादी नेता करें समाज में वापसी : शिवधर रेड्डी

तेलंगाना पुलिस की अपील, सम्मानजनक जीवन बिताएं

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा है कि अज्ञात माओवादी नेता और उनके काडर अपने हथियार छोड़कर सामान्य जनजीवन में लौटें।

उन्होंने सभी अज्ञात माओवादी नेताओं से अपील की कि वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सम्मानजनक जीवन बिताएं। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने बताया कि पिछले दो वर्षों में पुलिस की लगातार कोशिशों के परिणामस्वरूप 588 माओवादी नेता और कार्यकर्ता, जो तेलंगाना और छत्तीसगढ़ से थे, ने हथियार छोड़कर सामान्य जीवन अपनाया है।

इन सभी को राज्य सरकार की पुनर्वास योजनाओं के तहत सभी प्रकार के लाभ प्रदान किए गए हैं और वे अपने गांवों में अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रहे हैं। डीजीपी ने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा लागू पुनर्वास योजनाओं की विश्वसनीयता देखकर अन्य राज्यों के अज्ञात माओवादी भी इस मौके का लाभ उठा रहे हैं और समाज में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से राज्य के बचे हुए 15 माओवादी नेताओं और काडरों से अपील की कि वे इस अवसर का फायदा उठाकर शांतिपूर्ण भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं। डीजीपी ने भरोसा दिलाया कि हथियार छोड़ने और समाज में शामिल होने वालों को तत्काल सहायता देने के साथ-साथ उनके आत्मसम्मान और सम्मानजनक जीवन के लिए सभी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलते समय के अनुसार समस्याओं का समाधान केवल शांतिपूर्ण रास्तों से ही संभव है और हथियारबंद रास्ता छोड़कर माओवादी राज्य विकास में भागीदार बन सकते हैं।

इस्नापुर नगरपालिका में भाजपा सांसद के नामांकन से बढ़ी सियासी हलचल

संगारेड्डी, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडक से भाजपा सांसद एम रघुनांदन राव के इस्नापुर नगरपालिका में पदेन सदस्य के रूप में नामांकन कराने से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। खास बात यह है कि भाजपा इस नगरपालिका में एक भी वार्ड नहीं जीत पाई, फिर भी सांसद यहां मतदान करेंगे। अब उन्हें कांग्रेस या बीआरएस में से किसी एक का समर्थन करना होगा। जिन्नाराम और नरसपुर नगरपालिकाओं में भाजपा को बेहतर सफलता मिली थी, इसके बावजूद सांसद ने इस्नापुर से पदेन सदस्य के रूप में पंजीकरण कराया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम किसी संभावित सियासी समझौते का संकेत हो सकता है। इस्नापुर में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने 12 वार्ड जीते हैं, जबकि कांग्रेस ने 10 वार्ड और निर्दलीय उम्मीदवारों ने चार वार्ड अपने नाम किए हैं। इसी बीच पटनचेरु विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी, जो बीआरएस का समर्थन कर रहे हैं, ने भी पदेन सदस्य के रूप में पंजीकरण कराया है। इसके साथ बीआरएस की संख्या बढ़कर 13 हो गई है, लेकिन बहुमत के लिए उसे अभी एक और सदस्य के समर्थन की जरूरत है। जहां बीआरएस निर्दलीय पार्षदों का समर्थन जुटाने में लगी है, वहीं कांग्रेस को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद जीतने के लिए चारों निर्दलीय सदस्यों का साथ चाहिए। साथ ही कांग्रेस बीआरएस के कुछ पार्षदों को अपने पक्ष में करने की कोशिश भी कर रही है। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में अब कुछ ही घंटे शेष हैं। ऐसे में इस्नापुर में अंतिम समय तक सियासी गतिविधियां तेज रहने की संभावना है।

करीमनगर महापौर पद को लेकर सियासी सरगर्मी तेज

करीमनगर, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) करीमनगर नगर निगम पर कब्जा करने के करीब पहुंच गई है, लेकिन महापौर पद को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी हुई है। विपक्षी दल भगवा पार्टी को इस पद पर काबिज होने से रोकने के प्रयास में जुटे हैं। 66 डिवीजनों में से भाजपा ने 30 सीटें जीतीं। इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) को 14, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को 9, निर्दलीय उम्मीदवारों को 10 और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) को 3 सीटें मिलीं। महापौर पद हासिल करने के लिए 34 पार्षदों का समर्थन आवश्यक है। परिणाम घोषित होने के बाद ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के एक सदस्य और एक निर्दलीय सहित दो पार्षद भाजपा में शामिल हो गए। शनिवार रात केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार की मौजूदगी में दो अन्य निर्दलीय पार्षद - मासम गणेश और वेमुला कविता - भी भाजपा में शामिल हुए।

इन घटनाक्रमों के बाद भाजपा की संख्या 34 तक पहुंच गई। करीमनगर सांसद बंदी संजय कुमार के पदेन वोट से पार्टी के लिए बहुमत का जादुई आंकड़ा पार करना संभव हुआ। हालांकि, पूर्व करीमनगर जिले के एक मंत्री की सक्रियता से नए राजनीतिक समीकरण उभरने की चर्चा है। राजनीतिक हलकों में अटकलें हैं कि कांग्रेस को बीआरएस, एमआईएम और कुछ निर्दलीयों के समर्थन से महापौर पद मिल सकता है।

वर्तमान में कांग्रेस के पास 14, एमआईएम के 3, एआईएफबी के 1 और पांच निर्दलीयों सहित कुल 23 पार्षदों का समर्थन बताया जा रहा है। यदि बीआरएस के 9 पार्षद साथ आते हैं तो संख्या 32 हो जाएगी। सत्तारूढ़ दल शेष निर्दलीयों को अपने पक्ष में करने की कोशिश में है। यह भी चर्चा है कि बीआरएस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए 11 नेता भाजपा टिकट पर पार्षद निर्वाचित हुए हैं और उनमें से कुछ को वापस अपने पाले में लाने के प्रयास चल रहे हैं। वेमुलावाड़ा में इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि भाजपा को करीमनगर में स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कुल 69 सदस्यों (66 पार्षद, एक सांसद, एक स्थानीय विधायक और मनकोंडूर विधायक) में भाजपा केवल 30 सीटें जीत पाई है। उन्होंने सवाल उठाया कि बंदी संजय कुमार किस आधार पर महापौर पद जीतने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री और मंत्री इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की राय के अनुसार ही निर्णय होगा। लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही महापौर का चुनाव करेंगे।

महाशिवरात्रि पर दर्शन के दौरान श्रद्धालु की हृदयाघात से मौत

मंचेरियल, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वार्षिक महाशिवरात्रि उत्सव के अवसर पर जयपुर मंडल के वेलाला गांव स्थित पहाड़ी पर चढ़ाई करते समय एक 45 वर्षीय श्रद्धालु की हृदयाघात से मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार नासपुर मंडल मुख्यालय निवासी बिंगी राजेंद्र को पहाड़ी पर चढ़ते समय सीने में तेज दर्द हुआ और वे बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के समय वे अपने परिवार के साथ पहाड़ी की चोटी पर स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर वेलाला में दर्शन के लिए जा रहे थे। वेलाला का श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर मंचेरियल जिले में भगवान शिव का प्रमुख तीर्थस्थल माना जाता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ पड़ोसी पेद्दापल्ली जिले और महाराष्ट्र से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

तेलंगाना सरकार के सामने 2026-27 बजट की बड़ी चुनौती

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के बाद अब तेलंगाना की कांग्रेस सरकार 2026-27 के राज्य बजट को तैयार करने में जुट गई है। कमजोर राजस्व वृद्धि, बढ़ते कर्ज और सीमित संसाधनों के बीच इस बार बजट बनाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

विधानसभा सत्र 26 फरवरी के बाद शुरू होने की संभावना है और बजट मार्च के पहले सप्ताह में पेश किया जा सकता है। वित्त विभाग को सभी विभागों से प्रस्ताव मिल चुके हैं। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क विभागवार बैठकों के जरिए प्रस्तावों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ अंतिम चर्चा कर बजट को अंतिम रूप दिया जाएगा।

पिछले वर्ष 2025-26 में राज्य ने 3.04 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया था, लेकिन दिसंबर तक अनुमानित आय का केवल 67 प्रतिशत ही प्राप्त हो सका। उधारी 65,930 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो अनुमान से अधिक रही। राज्य पर कुल बकाया कर्ज 5.04 लाख करोड़ रुपये से ऊपर हो चुका है। कर राजस्व भी लक्ष्य से कम रहा, जिससे वित्तीय दबाव बढ़ा है। हालांकि केंद्र से मिलने वाले हिस्से में कुछ बढ़ोतरी की उम्मीद है। केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा बढ़कर 33,181 करोड़ रुपये हो सकता है। वित्त आयोग से अनुदान और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत अतिरिक्त धनराशि मिलने की संभावना जताई जा रही है, जिससे लगभग 18,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता मिल सकती है।

इन हालात में 2026-27 का कुल व्यय 3.2 से 3.25 लाख करोड़ रुपये के बीच रहने का अनुमान है। सरकार पर चुनावी वादों को पूरा करने का भी दबाव है। इंदिराम्मा आवास योजना, किसानों के लिए चावल पर अतिरिक्त लाभ, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और चेयुथा योजना के तहत सामाजिक पेंशन में लगभग 500 रुपये की बढ़ोतरी जैसे वादों के लिए बजट में प्रावधान किए जाने की संभावना है।

अधिकारियों का कहना है कि बढ़ते कर्ज और ब्याज के बोझ को नियंत्रित करना प्राथमिकता होगी। सीमित राजस्व वृद्धि और केंद्र से बड़े विशेष पैकेज की अनुपस्थिति में यह बजट सरकार के लिए संतुलन की कड़ी परीक्षा साबित हो सकता है।

महाशिवरात्रि पर टीपीसीसी अध्यक्ष ने की विशेष पूजा

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने परिवार सहित श्री मचिलेश्वर वीरभद्रस्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर पुजारियों और श्रद्धालुओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष अभिषेक और अर्चना कर राज्य की जनता के कल्याण, शांति और सौहार्द के लिए प्रार्थना की। महेश कुमार गौड़ ने कामना की कि महाशिवरात्रि का पावन पर्व सभी के जीवन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करे और समाज में एकता को मजबूत बनाए। उन्होंने कहा कि भगवान शिव के आशीर्वाद से राज्य विकास के पथ पर आगे बढ़े और लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि तथा उत्तम स्वास्थ्य बना रहे। उन्होंने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं भी दीं। इस पूजा कार्यक्रम में स्थानीय कांग्रेस नेता, पार्टी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मेले में भीख मांगने को मजबूर छह बच्चे बचाए गए

कुमराम भीम आसिफाबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर के ईसगांव गांव के पास स्थित श्री शिवमल्लन्ना स्वामी देवस्थानम में आयोजित मेले के दौरान भीख मांगने के लिए मजबूर किए गए छह बच्चों को रविवार को बचा लिया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी बूरला महेश ने बताया कि महात्मा गांधी की वेशभूषा में बच्चों से भीख मंगवाई जा रही थी। चाइल्ड हेल्पलाइन, पुलिस और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों द्वारा संयुक्त निरीक्षण के दौरान इन बच्चों को मुक्त कराया गया। बच्चों और उनके अभिभावकों को परामर्श देकर शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

जगतियाल बाईपास पर युवक की हत्या

जगतियाल, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल बाईपास रोड पर रविवार को अज्ञात व्यक्तियों ने 30 वर्षीय युवक बोले विश्वनाथ की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार जगतियाल मंडल के पोरंडला गांव निवासी विश्वनाथ पर दो अज्ञात हमलावरों ने लाठियों से हमला किया। गंभीर चोटें लगने के कारण उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि कुछ समय पहले हुए निजी विवाद इस हत्या का कारण हो सकते हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

फसल नुकसान से परेशान किसान ने की आत्महत्या

आदिलाबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेला मंडल के पठान गांव में खेती में हुए नुकसान से परेशान एक 55 वर्षीय किसान ने रविवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस और परिजनों के अनुसार गांव के गद्दाम राम रेड्डी ने अपनी तीन एकड़ जमीन और स्थानीय लोगों से पट्टे पर ली गई करीब 20 एकड़ भूमि पर व्यावसायिक कपास सहित अन्य फसलों की खेती की थी। लगातार नुकसान और कर्ज के बोझ से परेशान होकर उन्होंने अपनी गौशाला में कीटनाशक का सेवन कर लिया। बताया गया है कि रेड्डी ने खेती के लिए लगभग 10 लाख रुपये का कर्ज लिया था। प्रतिकूल मौसम के कारण फसल से उन्हें कोई लाभ नहीं मिला और वह कर्ज चुकाने में असमर्थ हो गए थे। इसी तनाव में उन्होंने यह कदम उठाया।

एचपीएस रामंतापुर से सीबीएसई ने मांगा जवाब

फीस बढ़ोतरी पर अभिभावकों की शिकायत

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अभिभावकों की शिकायतों के बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने हैदराबाद पब्लिक स्कूल (एचपीएस) रामंतापुर के प्रधानाचार्य से स्पष्टीकरण मांगा है। बोर्ड ने कहा है कि यदि स्कूल 30 दिनों के भीतर जवाब नहीं देता है तो नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। सीबीएसई ने हाल ही में स्कूल को पत्र भेजकर बताया कि शिकायतों में लगाए गए आरोप गंभीर हैं। पत्र में कहा गया है कि स्कूल ने बोर्ड के संबद्धता और परीक्षा नियमों का उल्लंघन किया हो सकता है। स्कूल प्रशासन को 30 दिनों के अंदर बिंदुवार जवाब और जरूरी दस्तावेज देने को कहा गया है।

अभिभावकों ने छह पन्नों की शिकायत में आरोप लगाया है कि स्कूल प्रबंधन पिछले पांच साल से लगातार एकतरफा फीस बढ़ा रहा है। उनका कहना है कि चार साल में फीस में करीब 141 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई है। अभिभावकों का कहना है कि राज्य सरकार के नियमों के अनुसार फीस में बढ़ोतरी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर 4 से 6 प्रतिशत तक ही की जा सकती है। लेकिन स्कूल ने नए भवन और बेहतर सुविधाओं का हवाला देकर ज्यादा फीस वसूली की है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, AKULA CHANDRAMMA W/o Akula Chinna Narasimhappa. Residing at Flat 102, Laxmi Enclave, Karolbagh, Mehdipatnam, Hyderabad, 500028, Telagana hereby declare that my full and correct Name is AKULA CHANDRAMMA, only But, in my passport (N7344430), my name mentioned a AKULA CHANDRALEKHA instead of AKULA CHANDRAMMA.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अलियाबाद सीरवी क्रिकेट ग्राउंड एवं कुन्दनपल्ली ग्राउंड स्थित सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 के प्रथम दिवस रविवार 15 फरवरी क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में 12 मैच खेले गये। द्वितीय लीग मैच रविवार 22 फरवरी को खेले जाएगे। अवसर पर उपस्थित सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, मनोनित सदस्य रामलाल परिहार, शिक्षा समिति सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव रमेश चौधरी, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, पदाधिकारी, सदस्य, खिलाड़ी व समाज बन्धु।

ANDHRA PRADESH MAHESH CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.

(Multi-State Scheduled Bank)

महेश बैंक ESTD. 1978

Head Office : 8-2-680/1&2, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034

Ph. : 23437103/105/106

Website: www.apmahesh.bank.in E-mail: info@apmahesh.bank.in

PREMISE ON LEASE BASIS

Bank requires New Premises on lease basis in and around **Serilingampally Area (Preferable near the existing branch location)** with a carpet area of approx.1200 to 1500 sft on Ground/First floor for shifting its existing Serilingampally Branch, Hyderabad. Interested parties are requested to visit Bank's website-www.apmahesh.bank.in for details under the Head Tenders/Notices column and submit offer on or before 27.02.2026.

Place : Hyderabad
Date : 12.02.2026

Sd/-
DGM (HR, Admin & Ops)

कोचिंग से लौट रही छात्रा पर आवारा कुत्तों ने किया हमला

औरैया, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के गांव समायन में आवारा कुत्ते के आतंक से लोगों दशहत में हैं। कुत्तों ने कक्षा आठ की 14 वर्षीय छात्रा समेत दो लोग को अपना शिकार बनाया। कुत्तों के काटने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऐरवाकटरा में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के साथ एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया गया।

मामला जिले के एरवाकटरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक समायन गांव निवासी श्वेता पुत्री सतेंद्र कुमार कोचिंग पढ़कर घर लौट रही थी।

रास्ते में एक दुकान से घरेलू सामान लेने के बाद जैसे ही वह गांव निवासी मंशाराम के घर के सामने पहुंची। तभी अचानक एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। छात्रा के शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह कुत्ते को भगाया, लेकिन तब तक कुत्ता उसे काट चुका था। हमले में छात्रा के होंठ की खाल तक निकल गई और वह गंभीर रूप से घायल गई, जिसे ग्रामीणों ने तुरंत इलाज के लिए उसे स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

नीतीश सरकार में 20 साल में कितने लोगों को सरकारी नौकरी दी

राजद ने क्या तर्क देकर झूठा कह दिया?

पटना, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा के बजट सत्र के बीच नीतीश सरकार ने बड़े आंकड़े पेश किए हैं। यह आंकड़ें सरकारी कर्मचारियों और उनके वेतन से जुड़े हैं। सरकार लालू-राबड़ी शासनकाल से भी अपने काम की तुलना की। इसमें दावा कि पिछले 20 साल सरकारी कर्मियों की संख्या में तीन गुणा से अधिक की वृद्धि हुई है। सरकार की ओर से बताया कि बिहार में सरकारी कर्मचारियों की संख्या बढ़कर करीब नौ लाख 50 हजार हो गई है। 20 वर्ष पहले तक इनकी संख्या साढ़े 3 लाख तक ही हुआ करती थी।

इसमें तीन गुणा से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इतना ही नहीं पिछले दो वर्षों में शिक्षक, सिपाही समेत अन्य को मिलाकर दो लाख से अधिक कर्मियों की बहाली की गई है। एनडीए सरकार की ओर से कहा गया कि अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठित सरकार 10 लाख सरकारी नौकरी के साथ ही एक करोड़ से अधिक रोजगार देने के लक्ष्य से कहीं आगे की कवायद जारी है। विभिन्न स्तर की सरकारी नौकरी लगातार उपलब्ध कराने को लेकर अलग-अलग महकमों के स्तर पर भी निरंतर प्रयास जारी है। इसी का नतीजा है कि पिछले 20 वर्षों में सिर्फ वेतन मद में सरकार के बजट में 13 गुणा से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। हाल में विधानमंडल सत्र में पेश हुए आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इससे संबंधित आंकड़ा प्रस्तुत किया गया है।

राजद प्रवक्ता ने बताया 2005 से पहले क्या-क्या हुआ?

राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि जब झूठ ही बोलना है तो कुछ भी बोल सकते हैं। 2005 के पहले जो भी स्वीकृत पद थे, सब पर नियमित बहाली होती थी। शिक्षा, पुलिस, प्रोफेसर समेत सभी विभागों में नियमित बहाली होती थी। प्राथमिक विद्यालय खोले गए। बाद में इन्हें माध्यमिक विद्यालयों में उत्क्रमित की गई। एक लाख 90 हजार शिक्षा मित्रों की नियुक्ति की गई। एमबीबीएस डिग्री धारियों को लालू राज में ही नियमित नौकरी मिली। उस वक्त नियमित बहाली होती थी। 2005 के बाद नियमित नियुक्तियों में अघोषित रूप से रोक लगा दिया गया। जो नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति नीतीश कुमार के कार्यकाल में हुई, उनमें से हजारों की संख्या में फर्जी पकड़ाए हैं।

डेढ़ साल में तेजस्वी यादव ने चार लाख को नौकरी दी

राजद प्रवक्ता ने यह भी कहा कि 2012-13 में बहाल किए गए 72 हजार सांख्यिकी स्वयंसेवकों की नियुक्ति कर इन्हें हटा दिया गया। दो साल की नौकरी के बाद यह लोग आज पिछले 10 साल से बेरोजगार हैं। जब महागठबंधन की सरकार वापस आई तो तेजस्वी यादव के नेतृत्व बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित शिक्षकों की बहाली की गई। इस पर एनडीए सरकार अपना क्रेडिट लेती है। तेजस्वी यादव ने डेढ़ साल में ही करीब चार लाख लोगों को नौकरी दी। पांच लाख बहाली की प्रक्रिया कर गए थे। नीतीश सरकार को श्वेत पत्र देना चाहिए कि अब तक कब कितनी संख्या में बहाली किए थे। सरकार केवल झूठ बोल रही है। जीएडी के रिपोर्ट में सबकुछ साफ हो चुका है।

2005-06 में पेंशन पद का बजट कितना था?

नीतीश सरकार की ओर से बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्रस्तुत किए जाने वाले राज्य के बजट में वेतन मद में महज 5 हजार 152 करोड़ रुपए का प्रावधान हुआ करता था। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में वेतन मद का आकार बढ़कर 51 हजार 690 करोड़ रुपए हो गया और 2026-27 में यह 70 हजार 220 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। राज्य में अब तक का वेतन मद में यह सबसे बड़ा बजट आकर है। इसी तरह पेंशन मद की राशि में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान बजट में यह 35 हजार 170 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो वेतन मद की आधी राशि है। जबकि, वित्तीय वर्ष 2005-06 में पेंशन मद का बजट आकार महज 2 हजार 456 करोड़ रुपए हुआ करता था। वेतन मद की तरह ही इसमें भी बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

रिश्तों का कत्ल! ढाई साल की बेटी संग अश्लील हरकत कर रहा था पिता, मां ने बना लिया वीडियो

गाजियाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र में एक ऐसा मामला प्रकाश में आया है, जिसे सुनकर किसी का भी कलेजा कांप उठे। यहां एक मां ने अपने ही पति को अपनी मासूम बेटी के साथ दरिंदगी करते हुए रंगेहाथों पकड़ा। हैरत की बात ये है कि मासूम की उम्र महज ढाई साल है। बच्ची की मां को पिछले कुछ समय से अपने पति आलम की हरकतों पर शक हो रहा था। उसे अंदेशा था कि उसका पति उनकी मासूम बेटी के साथ कुछ गलत कर रहा है।

पति को बेनकाब करने के लिए मां ने एक योजना बनाई और चुपके से उस पर नजर रखने लगी। एक दिन जब आलम अपनी ढाई साल की बेटी के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था, तब मां ने बिना शोर मचाए मोबाइल से उसका वीडियो बना लिया। यह वीडियो उस हैवान पिता के खिलाफ सबसे पुख्ता सबूत बन गया। वीडियो बनाने के तुरंत बाद बहादुर मां अपनी बच्ची को लेकर थाने पहुंची और पुलिस को पूरी सच्चाई बताई। पुलिस ने बिना देरी किए आरोपी पिता आलम को हिरासत में ले लिया है। मासूम बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया है।

महाशिवरात्रि पर अखिलेश यादव ने शेयर किया केदारेश्वर मंदिर का वीडियो, भक्तों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि के पर्व पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इसको लेकर इटावा में निर्माणाधीन श्री केदारेश्वर मंदिर का वीडियो साझा किया है। जिसमें उन्होंने लिखा- "यहाँ बसता है विश्वास, बरसता है आशीर्वाद... 'सर्व मंगल-सर्व कल्याण' की कामनाओं के साथ महाशिवरात्रि की महा-शुभकामनाएं!" सुबह 10.41 बजे अखिलेश यादव द्वारा किए गए इस पोस्ट को बड़ी संख्या में लोग लाइक और पोस्ट आकर रहे हैं।

शेयर किए गए वीडियो में मंदिर के ड्रोन व्यू से लेकर भक्तों द्वारा शिवलिंग पर दूध चढ़ाने, आरती करने और भीड़ के दृश्य दिखाए रहे हैं। मंदिर परिसर में सजावट, नंदी की मूर्ति और भक्तों की आस्था की झलकियां साफ नजर आ रही हैं।

भिंड बाईपास पर चल रहा निर्माण

इटावा में बन रहा केद्रेश्वर महादेव मंदिर भिंड भैपास पर बन रहा है. यह हुबहू उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति के रूप में बन रहा है। 10 एकड़ में मंदिर फैला हुआ है। मंदिर का निर्माण समाजवादी पार्टी ट्रस्ट की देखरेख में बन रहा है। खुद अखिलेश यादव इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं. मंदिर का निर्माण तेज गति से चल रहा है और अनुमान है कि इसका उद्घाटन 2026 में हो जाए क्यूंकि 2027 में विधानसभा चुनाव है उससे पहले इसका बनना महत्वपूर्ण है। मंदिर में भगवान राम और कृष्ण की बाल रूप मूर्तियां भी स्थापित होंगी। शरू में हरिद्वार के कुछ संतों ने इसकी प्रतिकृति को लेकर आपत्ति जताई थी।

अखिलेश यादव लगातार क्षेत्र में कर रहे दौरा

यहां बता दें कि अखिलेश यादव लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। और स्थानीय लोगों से परिवार की तरह मिल रहे हैं। उनका एक वीडियो भी वायरल है जिसमें वे शादी के घर में मट्ठे के आलू की डिमांड कर रहे हैं और महिलाओं व रिश्तेदारों का हालचाल ले रहे हैं। परिवार के लोग भी उनके साथ सेल्फी ले रहे हैं।

'तेज प्रताप बहुत क्यूट हैं', अक्षरा सिंह ने खूब की तारीफ, ज्योति सिंह के सपोर्ट में क्या बोलीं?

पटना, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भोजपुरी इंडस्ट्री की अदाकारा अक्षरा सिंह ने लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव की खूब तारीफ की। मीडिया से बात करते हुए अक्षरा सिंह ने कहा, तेज प्रताप यादव बहुत प्यारे इंसान हैं। वे बहुत क्यूट हैं। वे बहुत अच्छे इंसान हैं। दरअसल, तेज प्रताप यादव ने बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मदद की थी। इस पर अक्षरा सिंह ने तेज प्रताप की तारीफ करते हुए धन्यवाद कहा।

अक्षरा सिंह ने यह भी कहा, तेज प्रताप ने अगर ये पहल की है तो बिहार के जो बाकी के लोग हैं वे भी देख रहे होंगे। वो सब भी अपने-अपने स्तर से मदद करें तो शायद राजपाल जी हमारे बीच होंगे। इस तरह से अक्षरा सिंह ने बिहार के बाकी लोगों से भी मदद की अपील की। ऐसे में जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने लिखा था कि इस कठिन समय में वे और उनकी पार्टी परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। तेज प्रताप ने मानवीय आधार पर जेजेडी परिवार की ओर से 11 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है।

ज्योति सिंह का सपोर्ट कर क्या बोलीं अक्षरा?

इसके अलावा भी मीडिया के कई सवालों का जवाब अक्षरा सिंह ने दिया। अक्षरा ने पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के तलाक के मामले में भी रिएक्शन दिया। अक्षरा सिंह ने ज्योति सिंह की तरफ से 10 करोड़ एलिमनी की मांग करने पर अपनी बात रखी। अक्षरा सिंह ने कहा, यदि आपने शादी की है। शादी करके आप किसी को लेकर आए हैं तो आपका दायित्व भी बनता है। एक महिला का अधिकार है कि वो अपनी एलिमनी ले। मुझे लगता है कि जो उन्होंने(ज्योति सिंह) झेला है, उसके बाद 100 करोड़ भी कम पड़ जाएंगे।

10 लाख में पास कराने का सौदा, केंद्र प्रबंधक समेत दो सॉल्वर गिरफ्तार

मेरठ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। एसएससी उत्तराखंड की ओर से संचालित मल्टी टास्किंग (नॉन टेक्निकल) स्टॉफ और हवलदार परीक्षा -2025 में अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर रिमोट एक्सेस साधनों के जरिए नकल कराने वाले केंद्र प्रबंधक समेत सॉल्वर गिरोह के दो सदस्यों को मेरठ एसटीएफ ने देहरादून से गिरफ्तार कर लिया।

इनके पास से परीक्षा लैब के पास यूपीएस रूम के अंडरग्राउंड चैंबर में चालू हालत दो लैपटॉप, चार मोबाइल और डिवाइस बरामद हुई है। गिरफ्तार किए गए सुरजीपुर भाटपाररानी देवरिया निवासी नीतिश कुमार और सरस्वतीपुरम देहरादून निवासी भास्कर नैथानी से कड़ी पूछताछ की जा रही है। इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी गई है।

'संसद सदस्य बनने लायक नहीं, नेता प्रतिपक्ष बने'

केशव प्रसाद मौर्य का राहुल गांधी पर हमला

लखनऊ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर तीखा बयान दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को गैर जिम्मेदार बताया हुए कहा, "देश का दुर्भाग्य है कि संसद सदस्य बनने लायक नहीं व्यक्ति आज नेता प्रतिपक्ष बना बैठा।" आरोप लगाया कि सत्ता पाने के लिए विपक्ष दुष्प्रचार कर रहा है। यही नहीं उन्होंने अखिलेश यादव पर भी प्रहार करते हुए कहा कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। केशव प्रसाद मौर्य ने यह बयान शनिवार को अम्बेडकरनगर में दिया। वे यहां विकास कार्यों की समीक्षा के साथ ही जी राम जी योजना में चौपाल को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने 2027 में एक बार फिर बीजेपी सरकार बनने का दावा किया।

आरक्षण और संविधान पूरी तरह सुरक्षित

डिप्टी सीएम ने कहा कि संविधान और आरक्षण पूरी तरह सुरक्षित है और आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा, मुंबई, दिल्ली और बिहार में भाजपा की सरकार बनने से विपक्ष बौखलाया हुआ है। केशव मौर्य ने सपा के पीडीए फॉर्मूले को फर्जी बताते हुए कहा कि यह पिछड़ों और गरीबों के हित में नहीं बल्कि परिवारवाद को बढ़ावा देने वाली नीति है। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा अवध और पूरे उत्तर प्रदेश में कमल खिलाएगी।

राहुल गांधी पर तीखा बयान

केशव प्रसाद मौर्य ने भीटी क्षेत्र के खजुरी में जी राम जी योजना चौपाल को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मंच से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। डिप्टी सीएम ने कहा, "देश का दुर्भाग्य है कि जो व्यक्ति संसद का सदस्य बनने लायक नहीं है, वह आज नेता प्रतिपक्ष बना बैठा है।" उन्होंने राहुल गांधी पर गैर जिम्मेदार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता पाने के लिए विपक्ष दुष्प्रचार कर रहा है। केशव मौर्य ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा, "बिहार चुनाव के बाद से उनका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ है।" उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान आतंकियों के मुकदमे वापस लेने की कोशिश की गई थी।

आगरा में बनेगा हाई-टेक स्पोर्ट्स कॉलेज, 80 करोड़ का बजट मंजूर

आगरा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को खेलों की दुनिया में 'नंबर वन' बनाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को एक बड़ी सौगात दी है। बजट 2026-27 में सरकार ने खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने का पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है। इसी कड़ी में आगरा समेत प्रदेश के 10 मंडलों में नए स्पोर्ट्स कॉलेज बनाए जाएंगे। इसके निर्माण के लिए सरकार ने 80 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया है।

अब ताजनगरी और आसपास के खिलाड़ियों को आधुनिक ट्रेनिंग के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। योगी सरकार की 'एक मंडल- एक स्पोर्ट्स कॉलेज' नीति के तहत आगरा में बनने वाले स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। एत्मादपुर क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। प्रशासनिक जांच पूरी होने के बाद जल्द ही इसका प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। बजट में इस कॉलेज के निर्माण के लिए शुरुआती तौर पर करीब आठ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रस्तावित स्पोर्ट्स कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल मैदान, प्रशासनिक भवन, आवासीय सुविधाएं (हॉस्टल) और शिक्षा व्यवस्था एक ही परिसर में विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ पढ़ाई की सुविधा देना है, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। यह संस्थान केवल एक कॉलेज नहीं बल्कि 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 के ओलंपिक में भारत की भागीदारी और पदक संभावनाओं को मजबूत करना है।

कन्नौज रेलवे स्टेशन के विकास पर सियासत

अखिलेश यादव ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से पूछे कई सवाल

लखनऊ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। कन्नौज रेलवे स्टेशन को बड़े स्तर पर विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। रेलवे विभाग का कहना है कि कन्नौज स्टेशन को गोरखपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन की तर्ज पर तैयार किया जाएगा, जहां यात्रियों को बेहतर और विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। इस घोषणा के बाद राजनीतिक माहौल भी गरमा गया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को टैग करते हुए कई सवाल उठाए हैं।

अयोध्या की घटना का किया जिक्र

अखिलेश यादव ने सोशल साइट एक्स पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को टैग करते हुए अयोध्या स्टेशन का जिक्र किया। उन्होंने पोस्ट कर कहा कि अयोध्या में जो रेलवे स्टेशन की दीवार गिरी थी वो किस मॉडल पर बनी थी, भाजपा के 'भ्रष्ट मॉडल' पर? उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है।

रेल मंत्री को दी ये सलाह

अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए रेल मंत्री को कुछ सलाह भी दी है। उनका कहना है कि बनते ही गिर जानेवाली पानी की टंकी थोड़ी दूर बनाइएगा। छत ऐसी बनाइएगा कि नीचे छतरी लेकर न खड़ा होना पड़े। एप्रोच रोड की परत न उखड़े, लिफ़्ट-एस्केलेटर लगे तो चले भी, कमीशनख़ोरी से बचाइएगा, वेटिंग एरिया सच में अच्छा बनाइएगा, ट्रेनो का कई घंटों तक कोई अता-पता नहीं रहता है

विकास के साथ पारदर्शिता की मांग

सरकार का दावा है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के कई स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। कन्नौज स्टेशन को भी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। वहीं अखिलेश यादव के इस बयान के बाद यह मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है। एक ओर सरकार कन्नौज स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने की बात कर रही है, वहीं विपक्ष निर्माण की गुणवत्ता और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठा रहा है।

बीच सड़क पर मां ने मासूम बेटी को पीटा, लोगों ने किया बीच-बचाव

मुजफ्फरपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तेजी से वायरल हो रहा वीडियो बाल सुरक्षा, पारिवारिक हिंसा और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मुद्दों को फिर चर्चा में ले आया है। घटना मुजफ्फरपुर शहर के व्यस्त इलाके की है,जहां राहगीरों के सामने बच्ची के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। मुजफ्फरपुर के वायरल वीडियो में एक महिला अपनी छोटी बच्ची को सड़क किनारे डांटते और पीटते नजर आ रही है। बच्ची के बैग में ईंट जैसी भारी चीजें भरी होने की बात भी सामने आ रही है वीडियो में बच्ची रोती-चिल्लाती दिखती है, जबकि महिला लगातार उसे मारती दिखाई देती है।आसपास मौजूद लोग पहले स्थिति समझने की कोशिश करते हैं, फिर कुछ लोग बीच-बचाव भी करते हैं। लेकिन महिला किसी की बात सुनने को तैयार नहीं हुई और बच्ची को अपने साथ लेकर चली गई। जब राहगीरों ने महिला को रोकने की कोशिश की, तब भी वह आक्रामक बनी रही और बच्ची पर गुस्सा निकालती रही।

बिहार में टेक्सटाइल पार्क कब बनेगा? गिरिराज सिंह बोले : अरे भाई काहे परेशान हो, होगा न

पटना, 15 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह पटना एयरपोर्ट पर मुसलमान, पाकिस्तान, वंदे मातरम विवाद और राहुल गांधी पर मीडिया को अपना बयान रिकॉर्ड करा रहे थे। तभी एक पत्रकार ने पूछा कि बिहार में टेक्सटाइल पार्क कब बनेगा? फिर गिराराज सिंह ने कहा, 'अरे भाई होगा न, काहे परेशान हैं।' दरअसल, कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में टेक्सटाइल पार्क को विकसित किया जा रहा है। मगर, बिहार के रहनेवाले और बेगूसराय से बीजेपी सांसद केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने राज्य में टेक्सटाइल पार्क विकसित करने के लिए कुछ खास प्रयास नहीं किया। इसे लेकर विपक्षी पार्टियां उनकी आलोचना करती हैं।

पत्रकार के सवाल पर अनकम्फर्टेबल हो गए गिरिराज

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। मगर, पटना एयरपोर्ट पर एक अलग नजारा देखने को मिला। मंत्री जी वहां

मौजूद पत्रकारों को पाकिस्तान, वंदे मातरम और अन्य राजनीतिक विवादों पर अपना बयान दर्ज करा रहे थे। इसी बीच जब एक पत्रकार ने बिहार की आर्थिक प्रगति से जुड़ा सीधा सवाल दाग दिया कि राज्य में टेक्सटाइल पार्क का निर्माण कब शुरू होगा, तो मंत्री गिरिराज सिंह के तेवर बदल गए। उन्होंने सवाल को गंभीरता से लेने के बजाय जल्दबाजी में टाल दिया। बिहार जैसे राज्य में, जहां रोजगार के लिए कपड़ा उद्योग एक बड़ा आधार बन सकता है, वहां केंद्रीय मंत्री की इस चुप्पी ने नए राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है।

टेक्सटाइल पार्क के सवाल पर कतराते नजर आए मंत्री

पटना एयरपोर्ट पर जब मीडिया ने बिहार में टेक्सटाइल पार्क की समय सीमा जाननी चाही, तो गिरिराज सिंह ने संक्षिप्त उत्तर देते हुए कहा, 'अरे भाई होगा न, काहे परेशान हैं।' ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या कपड़ा मंत्री के पास फिलहाल बिहार के कपड़ा उद्योग के लिए कोई ठोस कार्ययोजना तैयार नहीं है?

देश के अन्य राज्यों में विकास से बिहार अब भी पीछे

केंद्र सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में 'पीएम मित्र' योजना के तहत मेगा टेक्सटाइल पार्क विकसित कर रही है। हालांकि, बिहार के रहने वाले और खुद कपड़ा मंत्रालय का जिम्मा संभालने के बावजूद गिरिराज सिंह पर आरोप लगते रहे हैं कि उन्होंने अपने गृह राज्य में इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए पर्याप्त रुचि नहीं दिखाई है।

बंगलूरु के पास कार और बस की टक्कर में पांच युवकों की मौत

बंगलूरू, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बंगलूरू के बाहरी इलाके नेलमंगला के पास आधी रात को एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक कार और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि कार बंगलूरू की ओर जा रही थी। इस दौरान अचानक कार डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में पहुंच गई, जिससे सामने से आ रही बस ने कार को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक अन्य घायल युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई है। पुलिस को शक है कि कार की रफ्तार बहुत तेज थी और ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया था। हादसे में जान गवाने वाले सभी युवकों की उम्र 17 से 22 साल के बीच थी। ये सभी डोड्डाबल्लापुरा के रहने वाले दोस्त थे। राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी 43 यात्री सुरक्षित हैं। उन्हें दूसरी बस से आगे के सफर के लिए भेज दिया गया। मदनायकनहल्ली पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

विधायक देवयानी राणा : 'सदन में हंगामा नहीं

मुद्दों पर चर्चा जरूरी, जिम्मेदारी ने दिलाया विधानसभा का अहसास'

जम्मू, 15 फरवरी (एजेंसियां)। नगरोटा से पहली बार विधायक बनी देवयानी राणा ने विधानसभा सत्र में भाग लेते हुए कहा कि हंगामा और असंसदीय शब्दों से बचना चाहिए और किसी को भी मर्यादा लांघने का अधिकार नहीं है। बता दें कि दो फरवरी से शुरू हुए सत्र में जब पहली बार देवयानी ने चर्चा में हिस्सा लिया। अपने मुद्दे रखे तो विपक्षी नेताओं ने भी मेज थपथपाकर उनका हौसला बढ़ाया था। दिवंगत विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद खाली हुई नगरोटा सीट के लिए हुए उपचुनाव में भारी मतों से जीतने के बाद देवयानी अपनी पारी खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। विधानसभा में अपने पहले अनुभव को लेकर जब उनसे सवाल-जवाब का सिलसिला आगे बढ़ा तो उन्होंने कहा कि सदन हो या उससे बाहर, किसी को भी मर्यादा की सीमाएं लांघने का अधिकार नहीं है।

पहली बार विधायक बनकर विधानसभा में जाने का अनुभव कैसा रहा :

यह एक बड़ी जिम्मेदारी है जिसे नगरोटा के लोगों ने हमें दी है। इसका

> सदन में हंगामा और असंसदीय शब्दों से बचना चाहिए और किसी को भी मर्यादा लांघने का अधिकार नहीं है
>
> - भाजपा विधायक देवयानी राणा

अहसास और इसके मायने हमें विधानसभा सत्र में हिस्सा लेने के बाद और गहराई से महसूस हुए।

आपका फोकस किन मुद्दों पर रहेगा :

मेरी प्राथमिकता इस वक्त बजट सत्र है क्योंकि जिन मुद्दों पर यहां बात होगी। फैसला होगा और उसका असर वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिखेगा। अभी हमने जहां-जहां कमियां मिली हैं। हमने उन विभागों से जुड़े मुद्दों को उठाया है। शिक्षा, बिजली और आपदा प्रबंधन महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इसी तरह जल शक्ति विभाग, वन्य जीव विभाग से जुड़े मुद्दों पर सदन का ध्यान आकृष्ट करने की कोशिश की है।

डिजिटली साक्षर बनाकर महिलाओं को बनाएंगे सशक्त

महिलाओं के हाथ में आर्थिक संसाधन जरूरी है। वे वित्तीय रूप से मजबूत होंगी तो उनके सामाजिक व राजनीतिक हालात भी सुधरेंगे। हमने युवाओं और महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार के लिए तैयार करना शुरू किया है। अब जरूरत उनके लिए बाजार तैयार करने की है तो हम उन्हें डिजिटली साक्षर बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं।

असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल न तो सदन में होना चाहिए और न ही बाहर

एक विधायक के तौर पर जरूर हम सदन में पहली बार गए हैं पर एक जागरूक नागरिक होने के नाते हमने लोकसभा और विधानसभा की कार्यवाही को देखकर समझने की कोशिश की है। जम्मू विधानसभा में जो कुछ असंसदीय या हंगामा हुआ वह कोई नई बात नहीं है। न ही यह अंतिम बार है। विरोध स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वाभाविक प्रक्रिया है। असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल न तो सदन में होना चाहिए और न ही उसके बाहर होना चाहिए। सभी का अपना मान सम्मान है, उसको बनाए रखने के लिए हमें भाषा पर नियंत्रण रखना होगा। कई बार हड़बड़ाहट में कुछ गलतियां होना मानवीय स्वभाव है, पर बड़प्पन दिखाते हुए माफी मांग लेना चाहिए।

हंगामे को लेकर बोलीं

मेरा तो यही कहना है कि हंगामा होना ही नहीं चाहिए। यदि ऐसा हो जाता है तो हमें समस्या का जल्द से जल्द समाधान कर लेना चाहिए। खासकर यह बजट सत्र है, इसमें हमें आंकड़ों और तथ्यों पर बात करनी चाहिए। हमें विकास के लिए बात करनी चाहिए। जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उद्धव ठाकरे के बेटे तेजस की तबीयत बिगड़ी, तीन दिन से अस्पताल में है भर्ती, इलाज है जारी

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के छोटे बेटे तेजस ठाकरे को मुंबई के सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिनों से उनका इलाज जारी है। वहीं रविवार 15 फरवरी, सुबह उद्धव ठाकरे खुद अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल लिया।

बता दें कि तेजस ठाकरे की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें तीन दिन पहले अस्पताल में एडमिट किया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में लगातार उपचार चल रहा है। हालांकि अब तक बीमारी की प्रकृति को लेकर आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

तेजस को एहतियातन भर्ती किया गया है और जरूरी मेडिकल टेस्ट किए जा रहे हैं। पिछले तीन दिनों से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। परिवार की ओर से फिलहाल उनकी स्थिति को स्थिर बताया गया है, लेकिन विस्तृत बयान नहीं दिया गया है।

15 फरवरी की सुबह उद्धव ठाकरे एच।एन। रिलायंस अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से बातचीत की। उन्होंने बेटे की सेहत की जानकारी ली और कुछ समय अस्पताल में बिताया। पार्टी के अन्य नेता और करीबी भी हालचाल लेने अस्पताल पहुंच रहे हैं।

बता दें कि तेजस ठाकरे राजनीति से दूर रहते हैं और सार्वजनिक जीवन में कम ही दिखाई देते हैं। उन्होंने जय हिंद कॉलेज और बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल से पढ़ाई की है। वह पेशे से संरक्षणवादी और वाइल्डलाइफ रिसर्चर हैं और अधिकतर समय वन्यजीव संरक्षण गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं। तेजस आमतौर पर लाइमलाइट से दूर रहते हैं, लेकिन 2024 में अनंत अंबानी के संगीत समारोह में उनका डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। फिलहाल परिवार उनकी सेहत में जल्द सुधार की उम्मीद जता रहा है और समर्थक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद सपा में शामिल हुए नसीमुद्दीन सिद्दीकी, यूपी के कई अन्य बड़े नेताओं का भी नाम शामिल

लखनऊ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी अभी से तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी में आज यूपी के कई बड़े नेता शामिल हो गए हैं। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद नसीमुद्दीन सिद्दीकी सपा में शामिल हुए हैं। इसके साथ ही अनीस अहमद खा उर्फ फूलबाबू , अपना दल (सोनेलाल) के पूर्व विधायक राजकुमार पाल और कुछ और नेता शामिल हुए हैं।

24 जनवरी को कांग्रेस से दिया था इस्तीफा

नसीमुद्दीन सिद्दीकी यूपी के कद्दावर मुस्लिम नेता माने जाते हैं। नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने 24 जनवरी को कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। नसीमुद्दीन कांग्रेस में प्रांतीय अध्यक्ष थे।

इस वजह से छोड़ी कांग्रेस

पिछले दिनों रायबरेली जाने के लिए राहुल गांधी लखनऊ आए थे, एयरपोर्ट पर राहुल गांधी को रिसीव करने के लिए नसीमुद्दीन को एंट्री नही मिली थी और नसीमुद्दीन को एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा था। इसी बात से नाराज नसीमुद्दीन ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

मायावती की सरकार में 4 बार के थे मंत्री

तब अटकलें लगी थी कि नसीमुद्दीन बसपा में वापस लौट सकते हैं। नसीमुद्दीन काशीराम के जमाने से बसपा में थे और मायावती के काफी करीबी माने जाते थे। मायावती चार बार यूपी की मुख्यमंत्री रहीं और चारो बार नसीमुद्दीन सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे।

2017 में बसपा से निकाले गए थे नसीमुद्दीनी सिद्दीकी

मायावती ने 2017 में नसीमुद्दीन को पार्टी से निकाल दिया था और 2018 में नसीमुद्दीन कांग्रेस में शामिल हो गए थे। अनीस अहमद खां उर्फ फूल बाबू पीलीभीत से तीन बार विधायक रहे, मायावती सरकार में मंत्री भी रहे।

गरीबी से मजबूर पिता ने अपने जिगर के टुकड़े को 1 लाख रुपये में बेचा

भुवनेश्वर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। बालेश्वर जिले के नीलगिरि थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति पर अपने ढाई साल के मासूम बेटे को 1 लाख रुपये में बेचने का गंभीर आरोप लगा है। घटना के सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। आरोपी की पहचान राकेश बेहरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राकेश बेहरा ने एक वीडियो बयान में स्वीकार किया कि उसने अपने बेटे को पश्चिम बंगाल के एक डॉक्टर को 1 लाख रुपये में बेचा।

हालांकि सौदे के तहत उसे 50 हजार रुपये अग्रिम के रूप में मिलने की बात कही जा रही है। स्थानीय युवक द्वारा नीलगिरि पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने एक बिचौलिए के माध्यम से बच्चे को पश्चिम बंगाल भेजा था। मामला सामने आने के बाद बच्चे को पश्चिम बंगाल से एक वाहन के जरिए वापस लाया गया और नीलगिरि में छोड़ दिया गया।

22 अप्रैल से खुलेंगे बाबा केदारनाथ के कपाट

रुद्रप्रयाग, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध तीर्थ केदारनाथ मंदिर के कपाट 22 अप्रैल को वृष लग्न में खोले जाएंगे। इसकी आधिकारिक घोषणा शीतकालीन गद्दीस्थल ओम्कारेश्वर मंदिर में विधि-विधान के साथ की गई। घोषणा के बाद से ही भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। मंदिर समिति के अनुसार, बुधवार (22 अप्रैल) सुबह 8 बजे शुभ वृष लग्न में कपाट खुलेंगे। इसी के साथ 6 महीने तक चलने वाली केदारनाथ यात्रा की शुरुआत हो जाएगी।

मुख्य पुजारी की जिम्मेदारी

इस साल टी गंगाधर लिंग को बाबा केदारनाथ धाम में मुख्य पुजारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परंपरानुसार पूजा-अर्चना दक्षिण भारत के रावल पुजारियों द्वारा ही की जाती है। श्रद्धालु अब बाबा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पंजीकरण करा रहे हैं।

बदरीनाथ धाम की तिथि भी तय

केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के एक दिन बाद बद्रीनाथ मंदिर के द्वार 23 अप्रैल को ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। इस शुभ तिथि की घोषणा पहले ही वसंत पंचमी के अवसर पर कर दी गई थी। वहीं गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया, 19 अप्रैल को विधि-विधान के साथ खोले जाएंगे। हालांकि इन दोनों धामों के सटीक शुभ मुहूर्त की जानकारी मंदिर समिति द्वारा आने वाले दिनों में अलग से सार्वजनिक की जाएगी, जिसका श्रद्धालु बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

चारधाम यात्रा की तैयारियां तेज

चारधाम यात्रा को लेकर सरकार और स्थानीय प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। सड़कों की मरम्मत, सुरक्षा इंतजाम और पंजीकरण व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। होटल और धर्मशालाओं में भी एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। हर साल लाखों श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आते हैं। इस बार भी अच्छी संख्या में यात्रियों के पहुंचने की उम्मीद है। पहाड़ों में बर्फबारी कम होने और मौसम साफ रहने की प्रार्थना के साथ भक्त बेसब्री से बाबा केदारनाथ के दर्शन का इंतजार कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत आज से

भोपाल, 15 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है, क्योंकि राज्य विधानसभा का महत्वपूर्ण बजट सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। इस सत्र को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ने अपनी-अपनी रणनीतियां तेज कर दी हैं और सरकार की नीतियों एवं वित्तीय योजनाओं पर गहन चर्चा की तैयारी है। सरकार वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 18 फरवरी को चार लाख करोड़ रुपए से अधिक का बड़ा बजट पेश कर सकती है। बजट सत्र कुल 19 बैठकों का होगा और 6 मार्च तक चलेगा। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी, जिसमें सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया जाएगा।

इसके तुरंत बाद वित्त मंत्री बजट पेश करेंगे, जिसमें राजस्व अनुमान, खर्च का ब्योरा और नई नीतिगत घोषणाएं शामिल होंगी। इस बार विधानसभा में तीखी बहस और सवाल-जवाब की संभावना जताई जा रही है। विधायकों ने बड़ी संख्या में प्रश्न और प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, जो सरकार को जवाबदेह बनाने की गंभीर तैयारी को दर्शाता है। विधानसभा सचिवालय को अब तक कुल 3,478 प्रश्न प्राप्त हुए हैं। इनमें से 2,253 प्रश्न ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से दाखिल किए गए हैं, जो डिजिटल प्रक्रियाओं के बढ़ते उपयोग को दिखाता है।

वहीं 1,225 प्रश्न पारंपरिक ऑफलाइन माध्यम से जमा किए गए हैं। कुल प्रश्नों में 1,750 तारांकित प्रश्न हैं, जिनका जवाब मंत्रियों को सदन में मौखिक रूप से देना होगा, जबकि 1,728 अतारांकित प्रश्न लिखित रूप में उत्तरित किए जाएंगे। प्रश्नों के अलावा विपक्ष ने सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए कई प्रक्रियात्मक उपाय भी अपनाए हैं। विपक्ष की ओर से 192 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिए गए हैं, जिनके जरिए जनहित से जुड़े तत्काल मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

'सम्राट बाबू, मेरे पास सब सबूत हैं, वक्त आने पर पत्ते खोलूंगा' पप्पू यादव ने डिप्टी सीएम को दी चेतावनी

पटना, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पटना के बेउर जेल से रिहा होने के बाद पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव और भी सख्त तेवर में हर या रहे हैं। उन्होंने नीतीश कुमार सरकार, खासकर गृह विभाग संभाल रहे डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने सरकार को खुली चेतावनी देते हुए नीट स्टूडेंट की संदिग्ध मौत और बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर पुलिस को निकम्मा बताया। पप्पू यादव ने अपनी गिरफ्तारी को जान-बूझकर की गई राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने साफ किया कि जेल की सलाखें उनकी आवाज नहीं दबा सकतीं। पप्पू यादव ने कहा कि वह नीट छात्रा के लिए मरते दम तक लड़ेंगे और जरूरत पड़ी तो इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे।

इतनी नाकाबिल और कमजोर पुलिस नहीं देखी- पप्पू यादव

सांसद ने बिहार पुलिस की कार्यशैली की आलोचना करते हुए उन्हें 'अक्षम' बताया। उन्होंने कहा, जो पुलिस फोर्स एक बच्ची की सुरक्षा नहीं कर सकती और एक नीट की छात्रा के साथ न्याय नहीं कर पाती, वह पूरी तरह से नाकाबिल और कमजोर है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों पर नकेल कसने के बजाय पुलिस सवाल उठाने वालों को जेल भेजने की साजिश कर रही है। उन्होंने साफ कहा कि सरकार को गाली-गलौज और साजिश की गंदी राजनीति से ऊपर उठकर अपराधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

सम्राट चौधरी को दी चेतावनी

पप्पू यादव ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे बड़बोलापन छोड़कर जमीन पर काम करें। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, सम्राट बाबू, अगर आपको रतौंधी की बीमारी नहीं है, तो बिहार में रोजाना हो रही घटनाओं को देखिए। पप्पू यादव से मत डरिए, मैं आपका दोस्त हूं और आपकी भलाई के लिए काम कर रहा हूं। उन्होंने सरकार से जाति-आधारित राजनीति छोड़ने और अपराधियों को सजा देने पर ध्यान देने की अपील की, क्योंकि अपराधियों की कोई जाति नहीं होती।

वक्त आने पर पत्ते खोलूंगा - पप्पू यादव

सांसद ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि उनके पास कई महत्वपूर्ण जानकारियां और सबूत सुरक्षित हैं जिन्हें वे सही समय पर सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने सरकार से सवाल पूछा कि रूपेश और खेमका जैसे बड़े हत्याकांडों में असली अपराधी कब पकड़े जाएंगे? उन्होंने फेक एनकाउंटर के मामलों पर भी न्याय की मांग की। पप्पू यादव ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, सब कुछ मेरे पास है, वक्त आने पर पत्ते खोलूंगा। आप जितनी साजिश करनी है कर लीजिए, मैं डरने वाला नहीं हूं।

महाराष्ट्र के दो जिलों के 21 ठिकानों पर एटीएस की छापेमारी, आतंकी गतिविधियों के शक में तलाशी अभियान

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने संदिग्ध आतंकी गतिविधियों की खुफिया जानकारी के मद्देनजर दो जिलों में ताबड़तोड़ तलाशी अभियान चलाया। एटीएस ने यवतमाल और अहिल्यानगर जिलों के 21 ठिकानों पर छापेमारी करते हुए पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

दरअसल, एटीएस को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ युवाओं को आतंकी संगठनों से संपर्क करके सक्रिय करने की कोशिश की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि एटीएस ने आधी रात के आसपास शुरू किए गए छापों में दोनों जिलों में 20 से अधिक स्थानों की तलाशी ली और एक दर्जन से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

कर्नाटक में केमिकल फैक्टरी में धमाका दो मजदूरों की मौत, चार घायल

बंगलूरू, 15 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मांड्या जिले में रविवार को केरेकाटे गांव के पास स्थित एक केमिकल फैक्टरी में स्टोरेज टैंक फटने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक धमाका उस समय हुआ जब फैक्टरी को दूसरी जगह शिफ्ट करने की प्रक्रिया चल रही थी और टैंक की सफाई की जा रही थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विस्फोट इतना तेज था कि दो मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल कर्मचारियों को तुरंत मांड्या इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार फैक्ट्री पिछले कुछ समय से अपने उपकरण और रसायन केरेकाटे से नए स्थान पर ले जा रही थी।

इसी दौरान टैंक साफ करते समय अचानक धमाका हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि सुरक्षा मानकों में कहीं लापरवाही तो नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री के सुरक्षा रिकॉर्ड पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि वर्ष 2022 में भी यहां जहरीली गैस रिसाव की घटना हुई थी, जिससे आसपास की फसलों को नुकसान पहुंचा था और दो कुत्तों की मौत हो गई थी।

ग्रामीणों का आरोप है कि उस घटना के बाद से इलाके के लोगों की सेहत पर भी असर पड़ा। ग्रामीणों और किसानों के विरोध के चलते तथा स्थानीय विधायक और जिला प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद पहले ही फैक्ट्री का काम रोक दिया गया था। अब ताजा हादसे के बाद सुरक्षा इंतजामों और प्रशासनिक निगरानी को लेकर फिर से सवाल उठने लगे हैं।

नकली दवाओं की फैक्ट्री की पुलिस ने किया भंडाफोड़

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गया में फर्जी दवा फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में गिरोह के मास्टर कोऑर्डिनेटर अरुण (59) को गिरफ्तार किया गया है। अब तक इस मामले में कुल 9 कार्टेल सदस्यों की गिरफ्तारी हो चुकी है। यह कार्रवाई एफआईआर संख्या 273/25, धारा 22 एनडीपीएस एक्ट, थाना क्राइम ब्रांच के तहत की गई। डीसीपी/एएनटीएफ संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में, एसीपी सतेंद्र मोहन की निगरानी और इंस्पेक्टर नितेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने यह बड़ी सफलता हासिल की।

पिछले सप्ताह गिरफ्तार आरोपी तनीष्क से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस को पता चला कि वह गया निवासी अरुण के साथ मिलकर काम कर रहा था। एसआई विकासदीप के नेतृत्व में एएनटीएफ की टीम गया पहुंची और जांच के दौरान अरुण को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया कि वह बिना किसी वैध लाइसेंस के दवाइयों और वायल बनाने की फैक्ट्री चला रहा था। मौके पर गया ड्रग विभाग की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नकली दवाएं और मशीनरी जब्त की है:

जांच में खुलासा हुआ कि यह नेटवर्क अवैध रूप से ओपिओइड्स, साइकोट्रोपिक पदार्थ, नकली दवाइयां और सिरप तैयार कर फर्जी मेडिकल स्टोर्स और क्षेत्रीय सप्लायरों के जरिए बाजार में खपा रहा था। अरुण की फैक्ट्री में अवैध रूप से तस्करी कर लाया गया ट्रामाडोल पाउडर (5 किलो से अधिक, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 5 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई गई है) प्रोसेस कर टैबलेट बनाई जाती थीं। इन टैबलेट्स को हेरोइन के विकल्प के रूप में अवैध बाजार में ऊंची कीमत पर बेचा जाता था। कच्चे माल की खरीद से लेकर निर्माण और सप्लाई तक की पूरी प्रक्रिया गैरकानूनी तरीके से संचालित की जा रही थी। पुलिस ने बताया कि लगातार तकनीकी निगरानी, विभिन्न राज्यों में छापेमारी, हजारों किलोमीटर की यात्रा और हाई-ऑक्टेन कार चेज के बाद इस नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया। इससे पहले पटना में भी एक फर्जी फार्मास्यूटिकल यूनिट का भंडाफोड़ किया गया था।अब तक दो फर्जी फैक्ट्रियों को ध्वस्त किया जा चुका है और 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

अरुण (59), मूल निवासी गया (बिहार), कम समय में अधिक मुनाफा कमाने के लालच में बड़े पैमाने पर अवैध दवा निर्माण में जुटा हुआ था। वह गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर कच्चा माल मंगवाता और अपनी फैक्ट्री में ओपिओइड्स व नकली दवाएं तैयार कर अन्य राज्यों में सप्लाई करता था। क्राइम ब्रांच की एएनटीएफ टीम अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और जांच जारी है।

लापता भारतीय छात्र का छह दिन बाद मिला शव

कैलिफोर्निया, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में लापता हुए 22 वर्षीय भारतीय छात्र का शव मिला है। कर्नाटक के रहने वाले साकेत श्रीनिवासैया नौ फरवरी को लापता हो गए थे, जिसके बाद उनकी तेजी से तलाश की जा रही थी। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है कि पुलिस ने भारतीय छात्र का शव बरामद कर लिया है। साकेत श्रीनिवासैया अमेरिका में रहकर पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे थे और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के छात्र थे। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को छात्र का शव मिला है। शव को जल्द से जल्द भारत वापस भेजने के लिए सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया है। इसी के साथ दूतावास ने परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की।

अपने एक्स पोस्ट में भारतीय दूतावास ने लिखा, 'यह सूचित करते हुए गहरा खेद है कि स्थानीय पुलिस ने लापता भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया का शव बरामद होने की पुष्टि कर दी है। इस अत्यंत कठिन समय में हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। दूतावास परिवार को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है, जिसमें स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय और पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत वापस भेजने की व्यवस्था करना शामिल है। हमारे अधिकारी परिवार के साथ सीधे संपर्क में हैं और सभी आवश्यक औपचारिकताओं और सेवाओं में उनका सहयोग करेंगे।'

ट्रंप-खामेनेई की हो सकती है मुलाकात

वॉशिंगटन, 15 फरवरी (एजेंसियां)। नईरान के साथ बढ़ते तनाव और मध्य पूर्व में अमेरिकी नौसेना की बढ़ती मौजूदगी के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने साफ कहा है कि अमेरिका अब भी ईरान से बातचीत के जरिए मामला सुलझाना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर मौका मिला तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं।

चीन और दूसरे देशों से रिश्ते

रुबियो ने यह भी कहा कि अमेरिका के सहयोगी देशों का चीन के साथ संपर्क बढ़ाना कोई असामान्य बात नहीं है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के चीन दौरे को उन्होंने सामान्य कूटनीति बताया। उन्होंने कहा कि बड़ी ताकतों के बीच बातचीत जरूरी होती है ताकि बेवजह टकराव से बचा जा सके। रुबियो ने यह भी बताया कि ट्रंप पहले भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिल चुके हैं और आगे भी बीजिंग जा सकते हैं।

ट्रंप की सोच- दुश्मन से बात करना कमजोरी नहीं

रुबियो ने एक बातचीत में कहा कि ट्रंप का मानना है कि सीधे बात करना ही बड़े झगड़ों को सुलझाने का सही तरीका है। उनका कहना है कि किसी विरोधी नेता से मिलना कोई रियायत या झुकना नहीं होता। रुबियो ने कहा कि अगर आयतुल्लाह अली खामेनेई खुद मिलने की इच्छा जताते हैं, तो ट्रंप जरूर मिलेंगे। इसका मतलब यह नहीं होगा कि वे उनसे सहमत हैं, बल्कि इसलिए कि बातचीत से ही रास्ता निकलता है।

बातचीत के दरवाजे खुले

रुबियो का बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने इलाके में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा दी है। उनका कहना है कि यह कदम एहतियात के तौर पर उठाया गया है ताकि ईरान की तरफ से किसी संभावित हमले को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि पहले भी ईरान पर अमेरिकी हितों को निशाना बनाने के आरोप लगते रहे हैं। साथ ही उन्होंने दोहराया कि अमेरिका किसी भी हालत में ईरान को परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं देगा। दुनिया और क्षेत्र दोनों की सुरक्षा को खतरा होगा।

समझौते को प्राथमिकता

सेना की मौजूदगी बढ़ी है लेकिन रुबियो का कहना है कि ट्रंप अब भी बातचीत और समझौते के पक्ष में हैं। उन्होंने संकेत दिया कि जल्द ही वार्ता हो सकती है। इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकोफ और जारेड कुश्नर भी शामिल हो सकते हैं। रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति की पहली पसंद हमेशा समझौते से समाधान निकालना है।

रुबियो ने जेलेंस्की से की मुलाकात, कहा- रूस-यूक्रेन युद्ध का स्थायी अंत चाहते हैं ट्रंप

म्यूनिख, 15 फरवरी (एजेंसियां)। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच अहम मुलाकात हुई। इस बैठक के बाद रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप एक ऐसा समाधान तलाश रहे हैं जिससे क्षेत्र में हो रहा युद्ध पूरी तरह रुक जाए। इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रुबियो को युद्ध के मैदान के ताजा हालात की जानकारी दी। उन्होंने रुबियो के साथ यूक्रेन के बिजली और ऊर्जा सिस्टम पर रूसी हमलों के असर पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने यह भी चर्चा की कि कड़ाके की ठंड के दौरान यूक्रेन के नागरिकों की जान कैसे बचाई जाए और देश की मजबूती को कैसे बढ़ाया जाए। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने सुरक्षा गारंटी और आर्थिक सुधारों के मुद्दों पर भी बात की।

यह मुलाकात जिनेवा में होने वाली एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय बैठक से ठीक पहले हुई है। 17 और 18 फरवरी को जिनेवा में यूक्रेन, रूस और अमेरिका के प्रतिनिधि की आपस में बातचीत होने की उम्मीद है। जेलेंस्की को उम्मीद है कि यह शांति वार्ता सफल और फायदेमंद रहेगी। उन्होंने अमेरिका के सकारात्मक रवैये के लिए आभार व्यक्त किया। इससे पहले जेलेंस्की ने राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूतों स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से भी जिनेवा बैठक को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनकी टीम अगले हफ्ते यूक्रेन का पक्ष मजबूती से रखेगी।

बीएलए लड़ाकों के सामने घुटनों पर बैठकर पाक सेना ने किया सरेंडर

मुनीर-शहबाज की भारी बेइज्जती मिला 7 दिनों का अल्टीमेटम

क्वेटा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सामने असीम मुनीर की सेना ने सरेंडर कर दिया है। पाकिस्तानी सैनिकों ने बीएलए लड़ाकों के सामने घुटने के बल बैठकर सरेंडर कर दिया है। इससे मुनीर और शहबाज की अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती हो रही है। बलूचिस्तान ने 7 पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बनाने के बाद पाकिस्तान सरकार को बड़ा अल्टीमेटम जारी किया है। पाकिस्तानी सैनिकों के सरेंडर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर मुनीर और शहबाज की गीदड़भभकियों की कलई खोल रही हैं।

पाकिस्तान को 7 दिनों का अल्टीमेटम

मुनीर की सेना को घुटने टेकवाने के बाद बीएलए के लड़ाकों ने पाकिस्तान को सात दिनों का अल्टीमेटम जारी किया है, जिसमें उन्होंने सात पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को बंदी बनाए जाने का दावा किया है और इनके बदले कैदियों की अदला-बदली की मांग की है। बीएलए के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा है कि उनके लड़ाकों ने हाल ही में एक ऑपरेशन में सात पाकिस्तानी सेना के जवानों को बंधक बनाया है। बीएलए ने पाकिस्तानी सरकार और सेना को चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर बलूच राजनीतिक कैदियों, 'बलूच नेशनल कोर्ट' में ट्रायल के बाद सजा दी जा सकती है या उन्हें मार दिया जाएगा।

बलूचिस्तान मांग रहा आजादी

यह घटना बलूचिस्तान में चल रहे अलगाववादी संघर्ष का हिस्सा है, जहां बीएलए लड़ाके पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी की मांग रहे हैं। बीएलए समूह का आरोप है कि पाकिस्तानी सेना द्वारा बलूच लोगों पर अत्याचार, जबरन गायब करने और राजनीतिक दमन किया जा रहा है। बीएलए ने दावा किया है कि ये सैनिक ऑक्यूपाइंग फोर्सेज के हैं और उनकी रिहाई के बदले बलूच कैदियों को रिहा किया जाना चाहिए। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अभी तक इस दावे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है, लेकिन ऐसे मामलों में अक्सर सेना इसे खारिज कर देती है या ऑपरेशन की तैयारी करती है।

2025 में जाफर एक्सप्रेस के यात्रियों को बनाया था बंधक

इससे पहले भी बीएलए ने कई बार ऐसे अल्टीमेटम जारी किए हैं। 2025 में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक मामले में 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, जहां उन्होंने सैकड़ों यात्रियों को बंधक बनाया था और राजनीतिक कैदियों की रिहाई मांगी थी। उस घटना में पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन ग्रीन बोलन' चलाकर बंधकों को छुड़ाया था, लेकिन बीएलए ने दावा किया था कि उन्होंने कई बंधकों को मार डाला। यह अल्टीमेटम बलूचिस्तान में तनाव को और बढ़ा सकता है। बीएलए के ऐसे कदम अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने और पाकिस्तान पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा माने जाते हैं। यदि पाकिस्तान कोई जवाबी कार्रवाई करता है, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। बलूचिस्तान में यह संघर्ष दशकों पुराना है, जिसमें मानवाधिकार उल्लंघन और हिंसा की घटनाएं आम हैं।

रूस ने पाकिस्तान के लिए खोला दिल

जमीनी रास्ते से सीधे जुड़ेंगे दोनों देश

इस्लामाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और रूस ने आपसी संबंध सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दोनों देश सीधे जमीनी और हवाई संपर्क बढ़ाकर इलाके के व्यापार और आर्थिक गतिविधि बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। तुर्की के इस्तांबुल में हुई ओआईसी (इस्लामिक देशों के संगठन) ट्रांसपोर्ट मंत्रियों की कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के मिनिस्टर अब्दुल अलीम खान और रूसी मंत्री दिमित्री स्टानिस्लावोविच जेवरेव की बैठक में यह फैसला लिया गया है। बिजनेस रिकॉर्डर के मुताबिक, अब्दुल अलीम खान और दिमित्री स्टानिस्लावोविच की बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि मॉस्को-इस्लामाबाद के लिए सीधी फ्लाइट बिना देर किए शुरू की जानी चाहिए। अलीम खान ने इस दौरान कहा कि पाकिस्तान सरकार ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सहयोग बढ़ाने के लिए सड़क नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर के विकास में रूस के साथ मिलकर काम करेगी।

ट्रकों से होगी रूस-पाक में माल ढुलाई

दोनों मंत्रियों ने पाकिस्तानी मालवाहक ट्रक ड्राइवरों के सामने आने वाले वीजा और इससे जुड़े मुद्दों को हल करने का भरोसा दिलाया है। दोनों देशों के बीच बैंकिंग चैनल बढ़ाने और फाइनेंशियल रुकावटों को दूर करने पर भी बातचीत हुई है। इससे दोनों देशों के बीच ट्रकों के जरिए माल ढुलाई आसान हो जाएगी। अलीम खान ने कहा कि पाकिस्तान की चीन और दूसरे देशों के जरिए लैंड कॉरिडोर बनाने में गहरी दिलचस्पी है। इससे सेंट्रल एशियन देशों के जरिए रूस के साथ असरदार कनेक्टिविटी बन सके। दिमित्री जेवरेव ने पाकिस्तान के साथ ट्रांसपोर्ट और हाईवे कनेक्टिविटी बढ़ाने में दिलचस्पी दिखाते हुए कोऑपरेशन की संभावना पर जोर दिया।

पाकिस्तान और रूस के संबंध

पाकिस्तान और रूस के संबंध हालिया महीनों में बेहतर हुए हैं। बीते साल रूस की पाकिस्तान से कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें हुईं हैं। इसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात भी शामिल है। रूस और पाकिस्तान अपने व्यापार और आर्थिक सहयोग के विकास के लिए कई कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

गिलगित-बाल्टिस्तान के रेयर अर्थ मिनिरल्स पर पाक की बुरी नजर, ऐसे फायदा उठाने की कोशिश

इस्लामाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान में सियासी हालात संजीदा हो चले हैं। चीन के अलावा, पाकिस्तान अब अमेरिकी और सेंट्रल एशियाई कंपनियों से भी इस इलाके में संसाधनों के दोहन में शामिल होने की गुजारिश कर रहा है। एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में कजाकिस्तान और इंडोनेशिया ने गिलगित- बाल्टिस्तान के सोने और तांबे की माइन्स में निवेश करने में दिलचस्पी दिखाई है। कई स्थानीय कार्यकर्ता मानते हैं, गिलगित-बाल्टिस्तान में अस्थिरता की एक मुख्य वजह स्ट्रेटेजिक लोकेशन और रेयर अर्थ्स की मौजूदगी है।

पाकिस्तानी सेना स्थानीय लोगों को मुआवजा दिए बिना उनके संसाधनों का फायदा उठाना चाहती है। पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान में एक गैर-कानूनी और गैर-संवैधानिक लैंड रिफॉर्म एक्ट लागू किया है, जिससे प्राकृतिक संसाधन का गलत इस्तेमाल जारी है। जब स्थानीय सही हिस्सा मांगते हैं, तो पाकिस्तान रॉयल्टी देने से मना कर देता है, यह कहते हुए कि सियासी दिक्कत यह है कि जमीन विवादित जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बनी हुई है और इसलिए संवैधानिक और आर्थिक मजबूरियों के चलते इस पर मालिकाना हक नहीं जताया जा सकता। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के रहने वाले सेंगे सेरिंग ने वाशिंगटन के ग्लोबल स्ट्रैट व्यू के जरिए ये खुलासा किया है।

सेरिंग, जो अब वाशिंगटन स्थित इंस्टीट्यूट फॉर गिलगित बाल्टिस्तान स्टडीज (आईजीबीएस) के प्रमुख हैं, ने विस्तार से बताया कि यह देखते हुए कि रेयर अर्थ एलिमेंट का प्रसंस्करण और आपूर्ति कुछ ही देशों में केंद्रित है, गिलगित बाल्टिस्तान की भौगोलिक स्थिति प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के रेयर अर्थ सप्लाई चेन में विविधता लाने के प्रयासों को पूरा करती है। उन्होंने बताया कि तंगिर और गिलगित बाल्टिस्तान की आस-पास की घाटियां दुनिया भर में जानी-मानी मिनरल हॉटस्पॉट हैं, जहां मोनाजाइट, चेवकिनाइट, लैंथेनम, समैरियम, प्रेज़ोडायमियम, नियोडिमियम, सेरियम, टाइटेनियम, थोरियम और दूसरे रेयर अर्थ एलिमेंट्स बहुत अधिक हैं। चीन के इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड की कोशिशों से पाकिस्तान को (अपने कब्जे वाले इलाके को) एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप के चौराहे पर एक रेयर-अर्थ हब बनाने में मदद मिल रही है।

उन्होंने वर्तमान हालातों को ध्यान में रख एक अपील करते हुए कहा है, इन हालात में, गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों को एकजुट रहना चाहिए और कब्जा करने वाले पाकिस्तानी औपनिवेशिक मालिकों को निकालने की अपनी कोशिशें जारी रखनी चाहिए,

पुतिन के दुश्मन को दक्षिण अमेरिकी मेंढक का जहर देकर मारा

मॉस्को, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

ब्रिटेन और उसके चार यूरोपीय सहयोगियों (फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड) ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर रूस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इन देशों का दावा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे बड़े विरोधी रहे एलेक्सी नवलनी को जेल में एक घातक जहर देकर मारा गया था।

'एपिबैटिडाइन' जहर से हुई मौत, सैंपल्स में हुई पुष्टि

एएफपी और रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन पांचों देशों ने कहा है कि नवलनी के सैंपल्स की जांच में 'एपिबैटिडाइन' नाम का टॉक्सिन मिला है। यह एक बहुत ही दुर्लभ जहर है जो दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले 'पॉइजन डार्ट फ्रॉग' (एक खास किस्म के मेंढक) की त्वचा में मिलता है।

ब्रिटेन और सहयोगियों ने कहा- रूस के पास ही था मौका और मकसद

एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, यूरोपीय देशों ने साफ तौर पर कहा है कि इस जहर को देने का साधन, मकसद और मौका सिर्फ रूसी प्रशासन के पास ही था। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया से मुलाकात के बाद कहा कि रूस नवलनी को अपने लिए खतरा मानता था।

केमिकल वेपन्स कन्वेंशन के उल्लंघन का आरोप

यूरोपीय देशों ने इस मामले की शिकायत 'केमिकल वेपन्स वॉचडॉग' से कर दी है। उनका कहना है कि रूस ने केमिकल वेपन्स कन्वेंशन के नियमों को तोड़ा है। देशों ने चिंता जताई है कि रूस ने अपने पुराने रासायनिक हथियारों को शायद पूरी तरह नष्ट नहीं किया है। हालांकि, रूस इन सभी आरोपों को हमेशा से सिरे से खारिज करता आया है।

जेल की सैर के बाद अचानक हुई थी मौत

फरवरी 2024 में रूस की एक बेहद सुरक्षित आर्कटिक जेल (साइबेरिया) में नवलनी की मौत हो गई थी। रूसी अधिकारियों ने तब कहा था कि टहलने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी और 'नेचुरल कारणों' से मौत हो गई। नवलनी वहां 19 साल की सजा काट रहे थे। उनकी पत्नी यूलिया का कहना है कि अब यह 'साइंस से साबित' हो चुका है।

इमरान खान की सेहत पर पाकिस्तान में बवाल सड़कों पर उतरी पीटीआई, सरकार ने झुकाया सिर

इस्लामाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर देशभर में सियासत तेज हो गई है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के कार्यकर्ता इस्लामाबाद, कराची, स्वाबी और अटॉक में सड़कों पर उतर आए हैं । मांग की जा रही है कि इमरान खान को जेल से निकालकर तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया जाए। रात सात बजे से कार्यकर्ता अलग-अलग शहरों में धरने पर बैठे हैं और सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे हैं।

इस्लामाबाद–रावलपिंडी मार्ग पर टायर जलाकर रास्ता रोका गया। कराची में भी बड़ी संख्या में समर्थक सड़कों पर उतरे और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तथा

सेना प्रमुख आसिम मुनीर के खिलाफ नारे लगाए। अटॉक में प्रदर्शनकारियों ने इस्लामाबाद को खैबर पख्तूनख्वाह से जोड़ने वाले पुल को बंद कर दिया। इस्लामाबाद में आगा खान मार्ग पर खैबर पख्तूनख्वाह भवन के सामने पार्टी नेता और कार्यकर्ता अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

आंख की बीमारी कैसे बढ़ी

सूत्रों के अनुसार, पिछले वर्ष अक्टूबर से इमरान खान की दाहिनी आंख में धुंधलापन शुरू हुआ था। बताया जा रहा है कि जेल में उच्च रक्तचाप का सही इलाज न होने से समस्या बढ़ी। कई महीनों तक उनका रक्तचाप सामान्य से अधिक रहा, लेकिन दवाओं में जरूरी बदलाव नहीं किया गया। नवंबर में आंख से कम दिखने की शिकायत के बाद भी उन्हें बेहतर जांच के लिए अस्पताल नहीं ले जाया गया।

शुरुआत में केवल आंखों में डालने की दवा दी गई । जनवरी में जब दाहिनी आंख से लगभग दिखना बंद हो गया, तब उन्नत उपकरण जेल लाए गए । जांच में केंद्रीय रेटिना शिरा अवरोध नाम की गंभीर बीमारी सामने आई।

अस्पताल ले जाने में देरी पर सवाल

विशेषज्ञों ने सलाह दी कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जाए, लेकिन अनुमति मिलने में देरी हुई। बाद में उन्हें इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान चिकित्सा विज्ञान संस्थान ले जाया गया, जहां आंख में विशेष इंजेक्शन दिया गया और फिर वापस जेल भेज दिया गया। चिकित्सकों ने संक्रमण के खतरे की आशंका जताई थी और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी थी। इसके बावजूद उन्हें जेल की कोठरी में ही रखा गया।

युवराज पहलवी की अपील पर म्यूनिख में जुटे 2.5 लाख लोग, ईरान पर बढ़ रहा चौतरफा दबाव

म्यूनिख, 15 फरवरी (एजेंसियां)। जर्मनी के म्यूनिख शहर में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन के दौरान ईरान की सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ। पुलिस के मुताबिक, इस विरोध प्रदर्शन में करीब 2,50,000 लोग शामिल हुए। यह रैली ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी की उस अपील का नतीजा थी, जिसमें उन्होंने तेहरान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने की मांग की थी।

प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाकर किया विरोध प्रदर्शन

म्यूनिख की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने ढोल बजाकर और सरकार बदलने के नारे लगाकर विरोध किया। यह प्रदर्शन पहलवी के 'ग्लोबल डे ऑफ एक्शन' का हिस्सा था, जिसका मकसद ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाना है। ऐसी ही रैलियों की अपील लॉस एंजिल्स और टोरंटो में भी की गई थी। प्रदर्शन में लोग 1979 की क्रांति से पहले वाले ईरान के झंडे लहरा रहे थे, जिन पर शेर और सूरज के निशान बने थे।

क्या बोले रेजा पहलवी?

एक मीडिया वार्ता में रेजा पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर दुनिया के लोकतांत्रिक देश ईरान में हो रहे दमन पर चुप रहे, तो वहां और भी मौतें होंगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस खतरे के समय में दुनिया ईरान के लोगों के साथ खड़ी होगी? उन्होंने कहा कि अगर ईरानी सरकार टिकी रहती है, तो यह दुनिया के हर तानाशाह को संदेश देगा कि लोगों को मारकर सत्ता बचाई जा सकती है। इस रैली में एक खास बात यह रही कि कई प्रदर्शनकारियों ने 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' लिखी हुई लाल टोपियां पहनी थीं। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'मागा' (मागा) टोपी की तरह थी।

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने भी इस रैली को संबोधित किया और वे भी यह टोपी हाथ में लिए नजर आए।

प्रदर्शनकारियों ने पहलवी को अपना राजा बताते हुए उनके समर्थन में नारे लगाए। ईरान के हटाए गए शाह का बेटा लगभग 50 साल से देश निकाला में है, लेकिन वह ईरान के भविष्य में खुद को एक खिलाड़ी के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहा है।

भगवान शिव का नीलकण्ठ नाम कैसे पड़ा

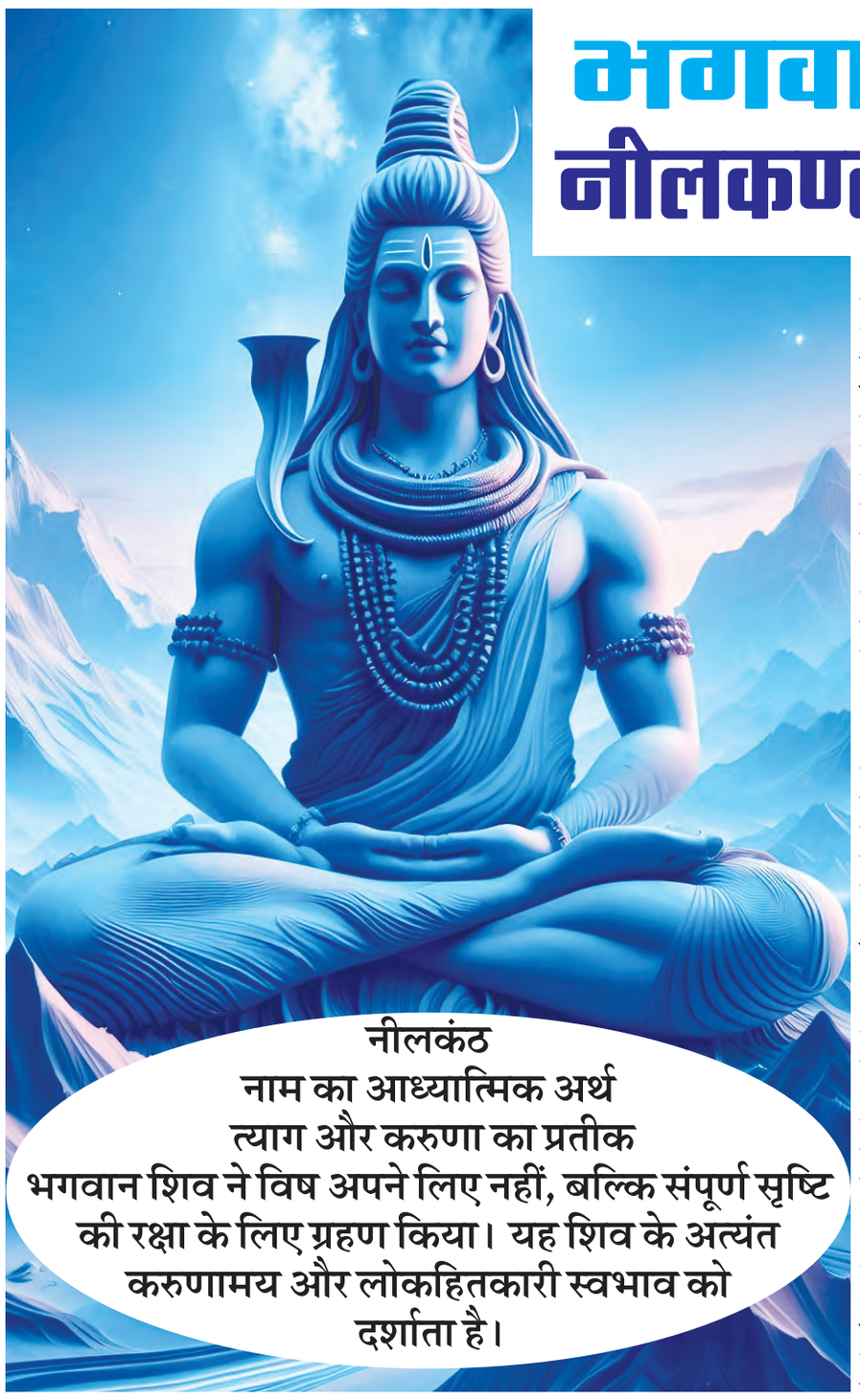

भगवान शिव को "नीलकंठ" नाम उनके गले में बसे नीले विष के कारण मिला। यह नाम शिव के त्याग, बलिदान, करुणा और समस्त लोकों के रक्षक स्वरूप का प्रतीक है। नीलकंठ बनने की कथा समुद्र मंथन से जुड़ी है, जिसका वर्णन कई पुराणों में मिलता है।

समुद्र मंथन की कथा और विष का प्रकट होना

देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्ति के लिए क्षीरसागर का मंथन किया। इस मंथन से कई रत्न, देवी-देवता और दिव्य वस्तुएं निकलीं। लेकिन इसके बीच अचानक समुद्र से एक अत्यंत भयंकर और प्रलयकारी विष निकला, जिसे हलाहल कहा गया।

यह विष इतना घातक था कि उसकी गर्मी से तीनों लोक, स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल, जलने लगे। देवता, दानव, मनुष्य, पशु-पक्षी, वनस्पतियां, सभी का अस्तित्व संकट में पड़ गया।

ऐसे समय में सभी देवता भगवान शिव की शरण में पहुंचे और उनसे प्रार्थना की कि वे इस विष को रोकें और सृष्टि की रक्षा करें।

भगवान शिव का महान त्याग

भगवान शिव ने प्राणियों की रक्षा के लिए बिना देर किए हलाहल विष को अपने हाथों में लिया और उसे ग्रहण कर लिया।

लेकिन यदि यह विष शरीर में फैल जाता तो विनाश निश्चित था। इसलिए देवी पार्वती ने अपने दिव्य प्रेम और शक्ति द्वारा शिव के कंठ को दबा दिया, ताकि विष नीचे न उतर सके।

फलस्वरूप, विष शिव के गले में ही स्थिर हो गया और गले का रंग गहरा नीला हो गया। तभी से शिव "नीलकंठ" कहलाए।

अर्थात नीले कंठ वाले भगवान।

नीलकंठ नाम का आध्यात्मिक अर्थ

1. त्याग और करुणा का प्रतीक

भगवान शिव ने विष अपने लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि की रक्षा के लिए ग्रहण किया। यह शिव के अत्यंत करुणामय और लोकहितकारी स्वभाव को दर्शाता है।

2. नकारात्मकता को रोकने की क्षमता

नीला गला इस बात का द्योतक है कि शिव नकारात्मकता को अपने भीतर समाहित तो कर लेते हैं, पर उसे बाहर फैलने नहीं देते।

यह गहरा संदेश देता है। "बुराई को अपने भीतर रोकना, लेकिन उसे किसी और तक न पहुंचने देना। "

3. संतुलन और शक्ति का रूप

हलाहल विष विनाश था, जबकि शिव विनाशक होकर भी पालनहार बने।

नीलकंठ रूप बताता है कि शक्ति का सही उपयोग सृष्टि की रक्षा के लिए होता है।

क्यों पूजते हैं नीलकंठ स्वरूप को?

नकारात्मकता, भय, रोग और मानसिक अशांति से मुक्ति मिलती है।

जीवन में संतुलन और धैर्य बढ़ता है।

छाया सोमेश्वर महादेव, 800 साल पुराना मंदिर जहां शिवलिंग पर पड़ती है अद्भुत छाया

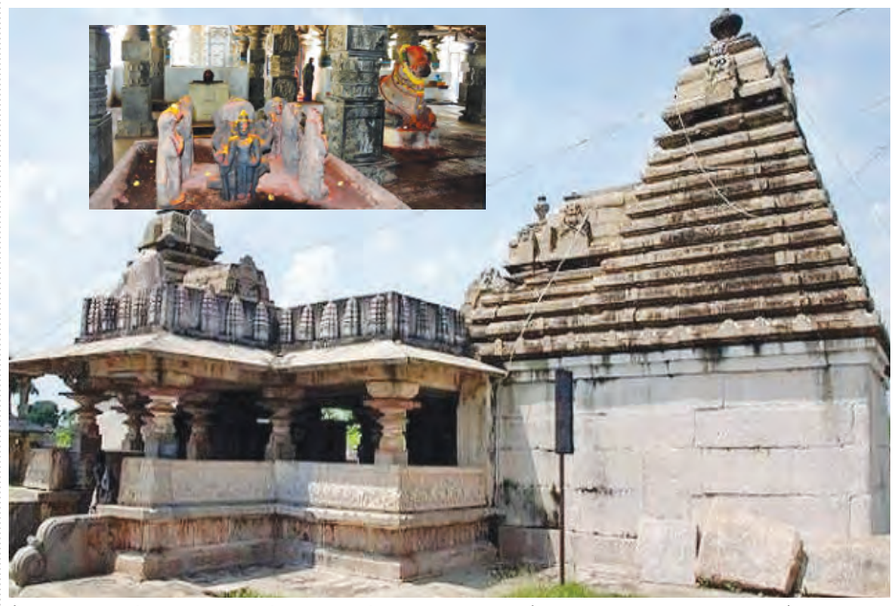

हैदराबाद शहर से मात्र 100 किलोमीटर दूर, तेलंगाना के नलगोंडा जिले में 800 वर्ष प्राचीन 'छाया सोमेश्वर महादेव' मंदिर स्थित है। यह मंदिर अपने अद्भुत और अनसुलझे रहस्य के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। पूरे दिन शिवलिंग पर एक स्तंभ की छाया मंडराती रहती है, लेकिन यह छाया आती कहां से है, यह आज तक कोई नहीं जान पाया।

यह मंदिर प्राचीन भारतीय वास्तुकला और विज्ञान के अद्वितीय ज्ञान का प्रमाण है। ऐसा माना जाता है कि दक्षिण भारत में चोल साम्राज्य जैसे शक्तिशाली राजवंशों के संरक्षण के कारण यहां के मंदिर उत्तर भारत की तरह बड़े पैमाने पर विदेशी आक्रमणों का शिकार नहीं हुए। इसलिए यहां की अद्भुत कलात्मकता और वैज्ञानिक चमत्कार आज भी अपने मूल स्वरूप में देखे जा सकते हैं।

क्या है इस मंदिर का रहस्य

मंदिर का रहस्य सरल दिखता है, लेकिन इसके पीछे गहन विज्ञान छुपा हुआ है। मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग के ठीक सामने कोई स्तंभ नहीं है, फिर भी जिस स्तंभ की छाया शिवलिंग पर पड़ती है, वह शिवलिंग और सूर्य के बीच नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि मंदिर परिसर में बाहर लगे स्तंभों की स्थिति और उनका डिज़ाइन इतना सटीक है कि सूर्य की गति के साथ इन स्तंभों की आपसी परछाइयां मिलकर एक ऐसी छाया बनाती हैं, जो सीधे शिवलिंग पर पड़ती है।

विज्ञान भी हैरान है लेकिन आस्था अडिग है

भौतिक विज्ञानी मनोहर शेषागिरी के अनुसार, इस मंदिर के निर्माण में पूर्व-पश्चिम दिशा, सूर्य की किरणों की गणना और प्रकाश के परावर्तन का गहन ज्ञान इस्तेमाल किया गया था। प्राचीन कारीगरों ने स्तंभों को इस तरह रखा कि सूर्य चाहे जहां भी हो, उसकी रोशनी से बनने वाली छाया हमेशा शिवलिंग को ही स्पर्श करे।

हालांकि 800 वर्षों में मंदिर की दीवारों पर दरारें आ गई हैं, लेकिन तेलंगाना सरकार द्वारा किए गए संरक्षण कार्यों ने इस ऐतिहासिक धरोहर को नया जीवन दिया है। आज भी यह रहस्य देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक और श्रद्धालु यहां आते हैं। नलगोंडा के पनागल बस स्टैंड से यह मंदिर मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे यह आसानी से सुलभ है। यह मंदिर सिर्फ आस्था का ही नहीं, बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतीक है, जहां विज्ञान और आध्यात्म का अद्भुत मेल देखने को मिलता है, जो आज भी विज्ञान के लिए चुनौती बना हुआ है।

क्यों खाली जेब वाला भी हो सकता है सबसे अमीर इंसान ?

एक महर्षि थे, उनका नाम था कणाद। किसान जब अपना खेत काट लेते थे तो उसके बाद जो अन्न के कण पड़े रह जाते थे, उन्हें बिन कर वह अपना जीवन चलाते थे। इसी से उनका यह नाम पड़ गया था। जब देश के राजा को उनके कष्ट का पता चला तो उसने बहुत-सा धन लेकर अपने मंत्री को उनके पास भेजा। मंत्री पहुंचा तो महर्षि ने कहा, ''मैं ठीक हूं। इस धन-दौलत को तुम उन लोगों में बांट दो, जिन्हें इसकी जरूरत है।'' इस तरह राजा ने तीन बार अपने मंत्री को भेजा और तीनों बार महर्षि ने कुछ भी लेने से मना कर दिया।

आखिर में राजा खुद उनके पास गया। वह अपने साथ बहुत-सा धन ले गया।

उसने महर्षि से इसे स्वीकार करने की प्रार्थना की किंतु वह बोले, ''उन्हें दे दो, जिनके पास कुछ नहीं है। मेरे पास तो सब कुछ है।'' राजा को आश्चर्य हुआ जिसके तन पर एक लंगोटी मात्र है, वह कह रहा है कि उसके पास सब कुछ है। उसने लौटकर पूरी कहानी अपनी रानी से कही। वह बोली, ''आपने भूल की। ऐसे साधु के पास कुछ देने के लिए नहीं, लेने के लिए जाना चाहिए।''

राजा उसी रात महर्षि के पास गए और माफी मांगी। कणाद ने कहा, ''गरीब कौन है? मुझे देखो और अपने को देखो। बाहर नहीं, भीतर। मैं कुछ भी नहीं मांगता, कुछ भी नहीं चाहता। इसलिए अचानक ही सम्राट हो गया हूं। एक धन-दौलत बाहर है और एक भीतर है। जो बाहर है वह आज या कल छिन ही जाती है। इसलिए जो जानते हैं वे उसे संपदा नहीं, विपदा मानते हैं।''

स्वर्ग से उतरा हो ऐसा है स्वर्णगिरि मंदिर

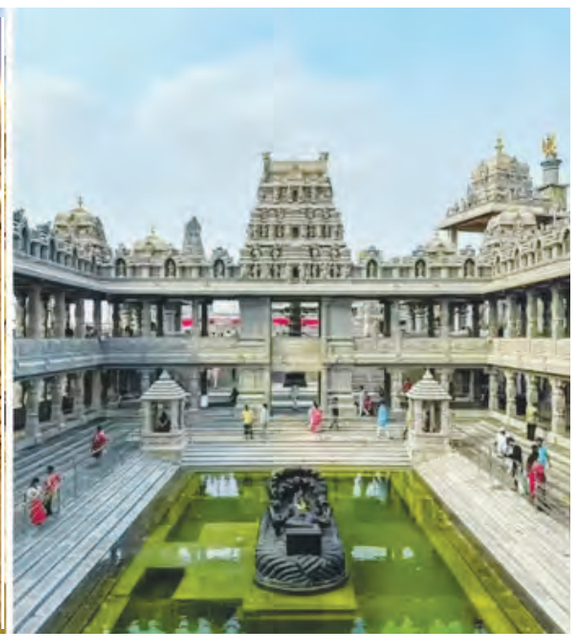

स्वर्णगिरि वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, जिसे यदाद्री तिरुमला देवस्थानम कहा जाता है, भुवनगिरी के मानेपल्ली हिल्स पर स्थित है और हैदराबाद से लगभग 47 किमी दूर है। 22 एकड़ में बने इस मंदिर की वास्तुकला पल्लव, चोल, विजयनगर और चालुक्य शैली का सुंदर मिश्रण है। गर्भगृह में 12 फुट ऊंची भगवान वेंकटेश्वर की भव्य प्रतिमा स्थापित है।

स्वर्णगिरि वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, जिसे यदाद्री तिरुमला देवस्थानम भी कहा जाता है, तेलंगाना के भुवनगिरी में मानेपल्ली हिल्स पर बना है। मंदिर हैदराबाद से लगभग 47.3 किलोमीटर दूर है। जिसे 22 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। जिस पहाड़ी पर यह नया मंदिर बनाया गया है, उसे "स्वर्णगिरि" नाम दिया है।

मंदिर की डिजाइन में प्राचीन पल्लव, विजयनगर, चोल और चालुक्य साम्राज्यों की वास्तुकला का मिश्रण देख सकते हैं। मंदिर की चारों दिशाओं में बड़े-बड़े राजगोपुरम बने हैं, बड़े मंडप बनाए गए हैं, और गर्भगृह के ऊपर 5 मंजिला विमान गोपुरम बनाया गया है। गर्भगृह में भगवान श्री वेंकटेश्वर की 12 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित है, जो तेलंगाना की सबसे ऊंची मानी गई है। मंदिर की खूबसूरती देख लोगों की आंखें चौंधिया जाती हैं। चलिए जानते हैं मंदिर के बारे में।

मंदिर बनाने के पीछे की कहानी

स्वर्णगिरि मंदिर बनाने के पीछे एक चमत्कारिक घटना जुड़ी हुई है। प्रसिद्ध उद्योगपति श्रीमन मानेपल्ली रामाराव की पत्नी श्रीमति विजयलक्ष्मी एक गंभीर दुर्घटना के बाद कोमा में चली गई थीं। डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन तिरुपति का पवित्र जल देने के बाद उनकी जान बच गई। इस चमत्कार के बाद परिवार ने भगवान के प्रति आभार जताने के लिए अपनी ही जमीन पर एक भव्य मंदिर बनाने का फैसला किया। इस मंदिर को बनाने में सात साल से ज्यादा का समय लगा।

ऐसी है मंदिर की खूबसूरती

स्वर्णगिरि वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर बेहद भव्य तरीके से बनाया गया है। मंदिर के चारों ओर चार बड़े राजगोपुरम (प्रवेश द्वार) हैं, जो अंदर बने विशाल मंडपों की ओर ले जाते हैं। गर्भगृह के ऊपर 5 मंजिला विमान गोपुरम बनाया गया है, जो दूर से ही मंदिर की सुंदरता बढ़ा देता है। गर्भगृह के अंदर भगवान श्री वेंकटेश्वर की 12 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित है, जो तेलंगाना की सबसे बड़ी मानी जाती है।

मंदिर में 120 फुट ऊंचा हनुमान मंडप भी है, जिसमें 40 फुट ऊंची एक ही पत्थर से बनी हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित है। इसके अलावा यहां भारत की दूसरी सबसे बड़ी कांसे की घंटी भी है, जिसका वजन लगभग 1.5 टन है। मंदिर का जला नारायण स्वामी सन्निधि (पानी से भरा गर्भगृह), शाम को रोशनी के बीच बेहद खूबसूरत लगता है।

मंदिर में दर्शन और आरती का समय

मंदिर खुलने का समय: सुबह 5:00 बजे

भूपाली और अभिषेक का समयः सुबह 5:00 बजे से 6:30 बजे तक

मंदिर का ब्रेक टाइमः दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक

शेजआरती (रात की अंतिम आरती): रात 9:00 बजे

आरती, नैवेद्य और महाप्रसाद वितरण: दोपहर 1:30 बजे से 2:30 बजे तक

मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय

यह जगह बेहद दिव्य और आध्यात्मिक माहौल से भरी हुई है, और आप साल भर कभी भी यहां आ सकते हैं। लेकिन घूमने का सबसे अच्छा समय बारिश के मौसम (मॉनसून) और सर्दियों का माना जाता है। मॉनसून के दौरान यहां हल्की से तेज बारिश होती रहती है, जिससे आसपास की हरियाली और भी सुंदर लगने लगती है। बारिश के बाद का खूबसूरत माहौल इस जगह को स्वर्ग जैसा बना देता है।

पांडवों की परदादी सत्यवती की रहस्यमयी और अनोखी जन्म कथा

महाभारत में अनेक ऐसे पात्र मिलते हैं, जिनकी जीवन गाथा अत्यंत रोचक और प्रेरणादायक है। इन्हीं में से एक हैं रानी सत्यवती, जो आगे चलकर हस्तिनापुर की महारानी बनीं और पांडवों की परदादी कहलाईं। उनकी जीवन यात्रा साधारण नहीं, बल्कि रहस्यमयी और चमत्कारिक घटनाओं से भरी हुई है।

माता गंगा के स्वर्ग लौट जाने के बाद एक दिन राजा शांतनु की नजर यमुना तट पर नाव चलाने वाली एक सुंदर युवती पर पड़ी। वह युवती सत्यवती थीं। राजा उनसे प्रभावित हो गए और बाद में कुछ शर्तों के साथ दोनों का विवाह हुआ। इस विवाह से चित्रांगद और विचित्रवीर्य का जन्म हुआ। आगे चलकर विचित्रवीर्य की पत्नियों से धृतराष्ट्र और पांडु उत्पन्न हुए, जो महाभारत की कथा के प्रमुख पात्र बने।

सत्यवती की जन्म कथा

महाभारत के अनुसार, प्राचीन काल में चेदि देश में उपरिचर वसु नामक प्रतापी राजा शासन करते थे। वे इंद्रदेव के प्रिय मित्र थे और देवताओं के विमान में यात्रा भी करते थे। एक बार शिकार के दौरान उन्हें अपनी पत्नी गिरिका की बहुत याद आई, जिससे वे भावनाओं में बह गए। ऐसी स्थिति में उन्होंने अपना वीर्य एक पक्षी को सौंप दिया और उसे पत्नी तक पहुंचाने को कहा। लेकिन रास्ते में उस पक्षी पर दूसरे पक्षी ने हमला कर दिया, जिससे वह वीर्य नदी में गिर गया।

उसी नदी में आद्रिका नाम की एक अप्सरा रहती थी, जिसे एक श्राप के कारण मछली का रूप धारण करना पड़ा था। अनजाने में उसने उस वीर्य को ग्रहण कर लिया और गर्भवती हो गई। मछली से जन्मे दो बच्चे हुए।

कुछ समय बाद एक मछुआरे ने जाल डालकर उस मछली को पकड़ लिया। जब उसका पेट चीरकर देखा गया, तो उसमें से एक बालक और एक बालिका निकले। यह देखकर सभी आश्चर्यचकित रह गए। मछुआरा दोनों बच्चों को राजा उपरिचर वसु के पास ले गया।

उसी समय आद्रिका को श्राप से मुक्ति मिली और वह स्वर्गलोक लौट गई। राजा ने बालक को अपना पुत्र स्वीकार किया, जिसका नाम मतस्य रखा गया। आगे चलकर वह एक धर्मनिष्ठ राजा बना।

बालिका को राजा ने मछुआरे को सौंप दिया। वह उसी के घर में पली-बढ़ी और धीरे-धीरे अत्यंत सुंदर बन गई। मछुआरों के बीच रहने के कारण उससे मछली की गंध आती थी, इसलिए उसे मत्स्यगंधा कहा जाने लगा। यही बालिका आगे चलकर सत्यवती के नाम से प्रसिद्ध हुई।

बाद में उनके जीवन में ऋषि पराशर और राजा शांतनु आए, जिनके आशीर्वाद और विवाह से उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। सत्यवती आगे चलकर हस्तिनापुर की महारानी बनीं और महाभारत के वंश की आधारशिला बनीं।

अगर हम अच्छा सोचें और अच्छी नीयत के साथ काम करें, तो प्रकृति भी मदद करती है

हमारा मन शुभ और पवित्र संकल्पों वाला होना चाहिए। किसी भी काम की सफलता के लिए संकल्प का शुद्ध, मजबूत और सकारात्मक होना जरूरी है। जब हम अच्छा सोचते हैं और अच्छी नीयत से काम करते हैं, तो सफलता की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। यदि हमारे काम से दूसरों को भी लाभ मिलता है और समाज का भला होता है, तो प्रकृति भी हमारा साथ देती है। निस्वार्थ भाव से किया गया काम अधिक फलदायी होता है। इसलिए हमेशा ऐसे संकल्प लेने चाहिए, जिनसे दूसरों का भी भला हो।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 16 फरवरी - 2026

पड़ोस में नई सत्ता, नए संकेत

दक्षिण एशिया की राजनीति में जब भी बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन होता है, उसका असर पूरे क्षेत्रीय समीकरणों को प्रभावित करता है। चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की निर्णायक जीत ने संकेत दिया है कि जनता बदलाव चाहती थी। वह भी ऐसा बदलाव जो केवल चेहरे नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा भी बदले। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश लगातार राजनीतिक तनाव से गुजरता रहा। जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन ने साफ कर दिया था कि नई पीढ़ी सिर्फ सत्ता की स्थिरता नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही भी चाहती है। छात्रों के दबाव से बनी अंतरिम व्यवस्था और सलाहकार सरकार ने देश को चुनाव तक पहुंचाया, लेकिन जनता ने अंततः वही फैसला दिया जो उसे भविष्य के लिए भरोसेमंद लगा। यही वजह है कि इस चुनाव को जनमत की नई दिशा के रूप में देखा जा रहा है। अहम पहलू यह भी रहा कि अवामी लीग इस चुनावी प्रक्रिया से बाहर रही। शेख हसीना के अभाव में मैदान अपेक्षाकृत जहां एकतरफा दिखा, वहीं इससे नई सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जनता यह देखना चाहेगी कि नई सत्ता लोकतांत्रिक संतुलन कायम रखती है या फिर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के पुराने ढर्रे पर लौटेगी। नई सरकार के सामने सबसे बड़ा सवाल शासन शैली का है। विरोध की राजनीति में आक्रामक भाषा काम कर जाती है, लेकिन सत्ता में आने के बाद जनता परिणाम मांगती है। बेरोजगारी, महंगाई, प्रशासनिक सुधार और सामाजिक संतुलन जैसे मुद्दे अब सीधे सरकार के एजेंडे पर होंगे। अगर नीतिगत स्पष्टता नहीं दिखाई गई, तो जनता का भरोसा डगमगाते देर नहीं लगेगी। इस पूरे घटनाक्रम में तारिक रहमान की भूमिका सबसे ज्यादा चर्चा में है। करीब डेढ़ दशक बाद उनकी राजनीतिक वापसी को समर्थक नई शुरुआत मान रहे हैं। उन्हें यह साबित करना होगा कि उनकी राजनीति केवल विरोध तक सीमित नहीं, बल्कि दूरदर्शी शासन की क्षमता भी रखती है। चुनाव परिणाम बताते हैं कि कट्टर और राष्ट्रवादी सोच वाली ताकतों का प्रभाव अभी कायम है। जमात-ए-इस्लामी जैसे दलों की मौजूदगी संकेत देती है कि नई सरकार को संतुलन बनाकर चलना होगा। दक्षिण एशिया का अनुभव रहा है कि राजनीतिक ध्रुवीकरण जितना बढ़ता है, आर्थिक प्रगति उतनी ही गिरती है। भारत के नजरिए से यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले वर्षों में दोनों देशों के संबंध स्थिर और सहयोगात्मक रहे हैं। सीमा सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी और ऊर्जा सहयोग जैसे क्षेत्रों में प्रगति हुई है। भारत चाहेगा कि नई सरकार भी व्यावहारिक कूटनीति अपनाए और रिश्तों को आंतरिक राजनीति का शिकार न बनने दे। बांग्लादेश के सामने अब एक ऐतिहासिक अवसर है। जहां वह राजनीतिक कटुता को पीछे छोड़कर विकास और स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। जनता की सबसे बड़ी उम्मीद यही है कि नई सरकार कानून-व्यवस्था मजबूत करेगी, कट्टरता पर लगाम लगाएगी और दक्षिण एशिया को प्रगति की ओर ले जाने का रास्ता अपनाएगी। इसके बावजूद चुनौतियां कम नहीं हैं। राजनीतिक प्रतिशोध, प्रशासनिक दबाव और वैचारिक टकराव अगर बढ़े, तो देश फिर अस्थिरता की तरफ जा सकता है। यही कारण है कि आने वाले शुरुआती छह महीने निर्णायक माने जा रहे हैं। इसी दौर में तय होगा कि यह बदलाव स्थायी साबित होगा या सिर्फ सत्ता बदलने तक सीमित रह जाएगा।

सवर्णों की नाराजगी

पुरषोत्तम भदौरिया

भाजपा की कुछ नीतियों पर पार्टी और सरकार खरी नहीं उतर रही है। इससे सबसे ज्यादा फजीहत पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं की हो रही है। सबसे पहले यूजीसी एक्ट में संशोधन कर सवर्ण छात्र-छात्राओं के लिए परेशानी पैदा की तो दूसरी ओर बजट में आरक्षित वर्गों के लिए करोड़ों रुपए का प्रावधान कर आग में घी डालने का काम किया गयाा। लेकिन गरीब सवर्ण छात्र छात्राओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई। केंद्र सरकार की इस दोहरी नीति से सवर्णों ने जिस तरह का हंगामेंदार विरोध किया उससे सरकार और पार्टी को होश आ गया कि इनके साथ किया गया भेदभाव पार्टी की सेहत के लिए ठीक नहीं होगा। इसके बाद भले ही कोर्ट द्वारा इस पर छीटा डाला गया हो लेकिन इसका श्रेय तो सरकार को ही जा रहा है। यह नाराज़गी भाजपा की सत्ता की राह कठिन करेगी, इसका गुमान सरकार को भी हो गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपने नियमों में फेर बदल करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग व मुस्लिम वर्ग का कोई छात्र सवर्ण छात्र छात्राओं की अपमान जनक व्यवहार की शिकायत करता है तो सवर्ण छात्र और छात्राओं का पक्ष जाने बिना सवर्ण छात्र छात्राओं के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई नहीं की जाएगी ।

इस मामले में सवर्ण छात्रों को अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं मिलेगा आखिर यह कौन से विधान बना दिया गया। इस नए नियम से सवर्ण छात्र छात्राओं भविष्य को लेकर भय पैदा हो गया है। आखिर वे कालेज व विश्वविद्यालय में पढ़ने गए है कि मारपीट करने। हालांकि इस नियम को शिथिल मान लिया गया है लेकिन इस नए नियम का भय अभी छात्र छात्राओं के मन से गया नहीं है।

बहरहाल, छात्र इस विपदा से उबरे भी नहीं थे कि तभी केंद्रीय बजट आ गया। इस बजट में अनुसूचित जाति और जनजाति पिछड़ा वर्ग तथा मुस्लिमों के लिए करोड़ों रुपए का प्रावधान किया गया है लेकिन सवर्ण छात्रों के पढ़ाई कोचिंग सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। लेकिन सवर्ण छात्राओं को कोचिंग में पढ़ने की छूट दी गई है। सरकार की इस महीन चालबाजी भरे फैसले ने आग में घी का काम किया है। सवर्णों को समझ में आ गया है कि हर हर मोदी घर घर मोदी का नारा लगाने वाली भाजपा सवर्णों के साथ कैसे और कितना सौतेला व्यवहार कर रही है।

सरकार के इस निर्णय के कारण हिंदी भाषी राज्यों के सवर्णों में भारी उबाल है। सूत्र बताते हैं 2027 में होने वाले यूपी के विधानसभा चुनाव में भाजपा को इसकी भारी कीमत चुकानी पड सकती है। सवर्णों के आक्रोश को देखते हुए भाजपा ने सर्वे कराया है सर्वे का जो परिणाम निकला है वह भी काफी निराशाजनक बताया जा रहा है। गौर तलब है भाजपा के रवैए से नाराज़ ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य सहित अन्य सवर्ण जातियां बसपा की ओर उन्मुख होने लगी है

हालांकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सवर्ण विरोधी विरोधी निर्णय से होने वाले निर्णय से होने वाले नुक़सान को रोकने के लिए की निर्णय उठा रहे हैं लेकिन वह कितनी क्षति रोक पाएंगे वह तो समय के गर्भ में है।

यहां बता दें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एजेंडे को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार यूजीसी संशोधन बिल लाई है जो अब केंद्र सरकार के लिए ही गले की फांस बन गया है।

हालांकि यूजीसी बिल के कारण हिंदुओं में फैले आक्रोश को देखते हुए संघ तहसील और ब्लाक स्तर पर हिंदू सम्मेलन आयोजित कर रही है लेकिन इन सम्मेलनों में सवर्णों की उपस्थिति न के बराबर हो रही है इससे भाजपा और संघ भी चिंतित हैं इन आयोजनों से कितना डैमेज कंट्रोल होगा इसका आकलन समय करेगा।

विश्वविख्यात बौद्ध धर्मस्थल

सारनाथ की खोज को लेकर उठे सवाल

निरंकार सिंह

दुनिया भर के बौद्धों की श्रद्धा के साथ-साथ पर्यटकों के आकर्षण का भी आज वाराणसी नगर के पास स्थित सारनाथ सबसे बड़ा केन्द्र है। पर 1787 तक इतिहास में इसका कोई नामोनिशान नहीं था। सामान्यतः इसकी खोज का श्रेय अलेक्जेंडर कनिंघम को दिया जाता है। यह पूरा सच नहीं है। दरअसल इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। इस बौद्ध स्थल की खोज का इतिहास उल्लेखनीय और आकर्षक है। यह शानदार और अकल्पनीय रूप से विश्व के सामने आया। 1787 के आसपास एक विशिष्ट घटना घटी जिसके पश्चात इस स्थान ने विद्वानों, भिक्षुओं और पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित करना आरम्भ किया।

लगभग 1787 में स्थानीय राजपरिवार के सदस्य और सारनाथ के जमींदार बाबू जगत सिंह को इस क्षेत्र में उपलब्ध ईटों और पत्थरों के अम्बार का पता चला। उन्होंने अपने नाम पर नगर में एक बाजार निर्मित करवाने की योजना को सफल बनाने के लिए इस निर्जन क्षेत्र को खोदकर यहाँ से आवश्यक निर्माण सामग्री प्राप्त करने का मन बनाया तथा मजदूरों को इस काम में लगा दिया गया। यह बाजार आज भी नगर में है और उन्हीं के नाम पर जगतगंज नाम से विख्यात है। धमेख स्तूप से पश्चिम में लगभग 520 फीट (158.5 मीटर) की दूरी पर ईटों और पत्थरों के ढेर को खोद निकाला गया। स्तूप के टीले से निर्माण सामग्री की खोदाई करते समय एक गोलक-रूप बलुआ पत्थर के बक्से के भीतर एक बेलनाकार हरे रंग की संगमरमर की मंजूषा मिली। बलुआ पत्थर का बक्सा और संगमरमरी मंजूषा सतह से अट्ठारह हाथ की गहराई पर पाये गये थे। संगमरकर के बक्से में मानव हड्डियां, क्षरित मोती, सोने की पत्तियाँ और अन्य मूल्यवान रत्न भी मिले थे। कालावधि में अस्थियों को गंगा नदी में बिसर्जित कर दिया गया और दोनों बक्सों को कलकत्ता (कोलकाता) स्थित एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया।

बक्सों और वस्तुओं के अतिरिक्त उसी स्थान पर भूमिगत बुद्ध की एक मूर्ति भी पायी गयी थी, जिस मूर्ति के नीचे पाल राजा महिपाल का एक शिलालेख था। यह विक्रम संवत 1083 (ईस्वी सन 1026) का दिनांकित शिलालेख है। हालाँकि 1835 में प्रकाशित कनिंघम की उत्खनन रिपोर्ट के साथ डंकन के आलेख को विश्लेषित करने पर एक अलग ही तस्वीर उभरती है। कनिंघम के अनुसार चुनार के बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अन्दर 1835 में पाया गया था। उन्होंने इसे पास के गाँव के एक व्यक्ति (संगकर या शंकर) द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर खोजा था जो 1787 में स्तूप की खोदाई करने वाली टीम के मजदूरों में से एक था। उन्होंने बताया है कि बाबू जगत सिंह ने बलुआ पत्थर के बक्से को उसकी मूल स्थिति में ही छोड़ दिया था और मंजूषा के अन्दर पायी गयी हड्डियों को गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया गया था। उन्हें समुद्र में नहीं फेंका गया था जैसा कि इतिहास में उल्लिखित किया जाता रहा है। गंगा नदी में अस्थि-विसर्जन हिन्दू परम्पराओं में दाह-संस्कार के बाद का महत्त्वपूर्ण संस्कार है। कनिंघम के अनुसार उन्हें एक मोटी गोलाकार दीवार अछूती मिली। पाया गया अवशेष एक ईंट के अर्धगोलाकार स्तूप के अन्दर रखा गया था, जिसका व्यास 49 फीट था, जो एक आवरण ईंट की दीवार से ढका हुआ था। बाबू जगत सिंह के मजदूरों ने केवल आंशिक रूप से संरचना के आधे हिस्से में पत्थर के बक्से से लगभग 6 फीट की ऊँचाई तक ईंटों की ही खोदाई की थी और बक्से को अछूता छोड़ दिया गया था। इस स्तूप का पूर्ण उत्खनन अठारह वर्ष बाद मेजर किट्टो द्वारा करवाया गया।

इस प्रकार सारनाथ में स्तूप की खोदाई के सम्बन्ध में कुछ बातें स्पष्ट हैं: पहला, यह अनजाने में हुई थी, और कोई नहीं जानता था कि यह स्थान पुरातात्विक महत्व का एक प्राचीन बौद्ध स्थल था। जैसे ही बाबू जगत सिंह को इसके महत्व के बारे में पता चला, उन्होंने हर सम्भव कोशिश की थी कि इस स्थान की क्षति और न हो। दूसरे, बाबू जगत सिंह के मजदूर को 1787 में खोदाई के दौरान जो दो बक्से मिले, उन्हें एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया था जहाँ से वे कालान्तर में गायब हो गये। बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अन्दर अपने मूल स्थान पर छोड़ दिया गया और अन्ततः कनिंघम द्वारा बाहर निकाला गया। बाबू जगत सिंह ने कभी भी स्तूप को पूर्णतः नष्ट नहीं किया। स्तूप के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व को समझने के बाद उन्होंने इस स्थल की सुरक्षा की। मोटी आवरण वाली दीवार के अन्दर मूल स्तूप का एक बड़ा हिस्सा वैसे ही छोड़ दिया गया था। समय के साथ आवरण दीवार के अन्दर मूल स्तूप की खोदाई कनिंघम और बाद में अन्य ब्रिटिश पुरातत्त्वविदों द्वारा की गयी थी। धार्मिक और पुरातात्विक महत्त्व के इस प्राचीन पवित्र बौद्ध स्थल की खोज करने का श्रेय बाबू जगत सिंह को दिया जाना चाहिए जो आज भी असंख्य पर्यटकों-तीर्थ यात्रियों, विद्वानों और दर्शनार्थियों को आकर्षित करता है।

आज सारनाथ संग्रहालय में प्रदर्शित अधिकांश मूर्तियों कनिंघम द्वारा किये गये उत्खनन में पायी गयी थीं। इन्हें एक ग्रामीण मजदूर द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर खोजा जा सका था। यदि बाबू जगत सिंह का यह मजदूर 1787 में उस स्थान की खोदाई करने न गया होता तो इस पुरातात्विक स्थल की खोज इतनी जल्दी कभी नहीं हो पाती। इतिहास के पन्नों में अंग्रेजों ने इस स्थल की खोज का श्रेय स्वयं लेने का प्रयास किया और जानबूझ कर बाबू जगत सिंह को पूरी संरचना को नष्ट करने का कसूरवार बनाया, और साथ ही इसकी गलत तारीख भी दर्ज की गयी। लेकिन देर से ही भारतीय पुरातत्व विभाग इस पर विचार कर रहा है। उसने धर्मराजिका स्तूप की पट्टिकाओं को भी सुधार दिया है। दूसरे मामलों पर भी विचार हो रहा है।

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि पुराने टीले को पहले 'जगत सिंह स्तूप' कहा जाता था। इस तथ्य को पुण्यस्थल पर पत्थर की पट्टिका में उल्लेखित किया गया है। इसे समय के साथ धर्मराजिका स्तूप नाम दे दिया गया था। संभवतः यह बदलाव 1912 में सारनाथ में संग्रहालय खुलने पर पहली बार आया होगा स्तूप के विध्वंस की इस पूरी घटना और उसके बाद सारनाथ में प्राचीन अवशेषों की खोज से जुड़े प्रसंगों की गहरी परख तथा पड़ताल होनी चाहिए। बाबू जगत सिंह द्वारा खोजे गये अवशेषों में सदैव विडम्बना विद्यमान रही है। डंकन के अनुसार उन्होंने दोनों बक्से एशियाटिक सोसाइटी को सौंपे दिये थे। साथ ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तत्कालिक महानिदेशक कनिंघम की रिपोर्ट में उल्लिखित है कि बाबू जगत सिंह द्वारा गोल पत्थर के बक्से को उसके मूल स्थान पर छोड़ दिया गया था और स्थानीय निवासी संगकर (शंकर) की सहायता से 1835 में किये गये उत्खनन में इसे फिर से खोजा गया था।

ट्रेड डील बडे अवसर में बदल सकती है

रघु ठाकुर

भारत के प्रधानमंत्री ने 5 फरवरी को संसद में रारुट्रपति के अभिभाषण और विपक्ष के आरोपों का उत्तर देते हुए कहा कि हम देश को बोफोर्स डील से ट्रेड डील तक लेकर आये हैं। इस कथन के माध्यम से जहां उन्होंने विपक्ष के ऊपर हमला बोला तथा बोफोर्स सौदे में हुए घोटाले की याद दिलाई वहीं अपने हाल के व्यापारिक समझौते का बचाव भी किया। हमारे देश में अकसर ऐसा होता है कि मीडिया के माध्यम से कारपोरेट वॉर के हथियार के रूप में आरोप उछाले जाते हैं, सरकारें बदल जाती हैं और आरोप जस के तस बने रहते हैं। 1989 में बोफोर्स तोपों की खरीदी में भ्ररुटाचार के नाम पर सरकार बदली और प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह बने, परंतु जो आरोप उन्होंने लगाये थे उनके दोरुियों को दंड मिले इसके लिए उन्होंने कुछ नहीं किया और बाद में तो यहां तक हुआ कि जब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और कारगिल में घुसपैठ हुई थी तो उन घुसपैठियों के मुकाबले के लिए बोफोर्स तोपों का इस्तेमाल किया गया और बोफोर्स तोपों की श्रेरुठता सिद्ध हुई।

अब जो नया अमेरिका के साथ समझौता हुआ है उस पर चर्चा जारी है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री जी ने यूरोपियन यूनियन के साथ ट्रेड डील की थी और उसे मीडिया ने श्मदर ऑफ डील्य की संज्ञा दी थी। यह स्वाभाविक है कि सरकारें कोई निर्णय करती हैं तो मीडिया का बड़ा हिस्सा उसका प्रचारक बन जाता है। क्योंकि मीडिया घरानों और सरकार के बीच प्रत्यक्ष तौर पर विज्ञापनों की डील होती है और अप्रत्यक्ष तौर पर कारखानों के लाइसेंस, बैंक की कर्ज माफी, आर्थिक नीतियों के बदलाव आदि की डील होती है जो मीडिया के प्रचार के मुख्य आधार होते हैं। ईयू की डील के समय कहा गया कि अब भारत 20 लाख करोड़ डॉलर के मार्केट का हिस्सेदार बन गया है, हालाँकि यह डील अभी अपरिपक्व अवस्था में है। नियम यह है कि यूरोपियन यूनियन के अधिकारियों के साथ बातचीत में एक समझ बनी है, अब वे जाकर 6 माह के भीतर ईयू के देशों के साथ संपर्क कर निर्णय करेंगे और अगर इस डील के समर्थन में निर्णय होता है तो उसके क्रियान्वयन की शुरुआत में भी औसतन 4-5 वरुा लग जाते हैं, परंतु प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को इनकी सरकार के लिए ऐसे काम करने का अभ्यास है। जब वे 2026 के बजट में 2047 की चर्चा कर सकते हैं तो 5 वरुा का समय तो कम ही है। कम से कम मतदाताओं के लिए और देश के लिए झुनझुना तो पच्चीस साल का उन्होंने पकड़ा दिया है। अभी तक यूरोपियन यूनियन के साथ डील के जो समाचार आये हैं अगर वे क्रियान्वित भी हो तब भी उनसे असली भारत की जनता को क्या लाभ होगा? ईयू चाहता है कि भारत के द्वारा कार खरीदी के मामले में उसे सहभागिता मिले, अगर यह फैसला हो भी जाए तो इससे भारत के संपन्न और श्रेरुठीय वर्ग के अलावा आम लोगों को क्या मिलेगा? आम लोगों को तो केवल धुआं और दुर्घटनाओं की मौत तथा भ्ररुटाचार की बढ़ोत्तरी मिलेगी। भारत के पहले भी ईयू ने इंडोनेशिया, सिंगापुर, जापान और यूके आदि के साथ ट्रेड डील की है, यूरोपीयन यूनियन की भी यह सफलता है। प्रचार तो यहां तक किया गया कि इस तथाकथित श्मदर ऑफ डील्स्य से जियो पॉलिटिक्स बदलेगी और लोकतांत्रिक आर्थिक शक्तियों के बीच एक रणनीतिक विश्वास उभरेगा। यानि ये डील अमेरिका और चीन के दो धुरवों के बीच में एक तीसरा धुरव बनेगी। हालांकि इतना अतिविश्वास यूरोपियन यूनियन को भी नहीं है।

यूरोपियन यूनियन को यूक्रेन के बचाव के लिए रूस से लड़ना पड़ रहा है और वह अभी तक उसमें सफल नहीं रहा है। यूरोपियन यूनियन के बारे में रूस ने यह कहा कि कुछ दिनों बाद ये सब अमेरिका के सामने घुटने के बल बैठे नजर आयेंगे और अमेरिका ने भी ईयू और भारत के डील के लिए कोई विशेरुा तरजीह नहीं दी। अमेरिका यह जानता है कि यूनियन के देश उससे अलग होकर बहुत दिनों तक अपनी अर्थव्यवस्था को नहीं बचा सकेंगे। अगर यह श्मदर ऑफ डील्य इतनी बड़ी उपलब्धि थी तो भारत को अमेरिका के साथ ट्रेड डील की क्या आवशकता थी? ईयू की डील ही पर्याप्त हो जाती। दरअसल ईयू की डील केवल प्रचारात्मक है क्योकि ईयू के देशों के पास भारत के समानों को बहुत अधिक खरीदने की ना तो जरूरत है और ना क्षमता है। अमेरिका का बाजार अभी तक भारत के लिए मुफीद था, क्योंकि भारत अभी तक अमेरिका से 9 लाख करोड़ का सामान निर्यात करता था और 4.5 लाख करोड़ का सामान आयात करता था। अंतररारुट्रीय व्यापार में भारत के होने वाले घाटे के एक हिस्से की पूर्ति इस तरीके से होती थी। दूसरे पिछले कुछ महीनों की घटनाओं से फिलहाल अमेरिका को एक विश्व शक्ति के रूप में देखना शुरू किया है और अपने सारे मनमानीपन, विदूरुाक तरीकों के बावजूद भी ट्रम्प अमेरिका की शक्ति का एहसास करा रहे हैं। वे एक साथ घर पर व बाहर दोनों मोर्चों पर बगैर अपने विचार को छिपाये खुलेआम लड़ रहे हैं, यह उनका अवगुण भी है और गुण भी है। अब भारत और अमेरिका के बीच जो ट्रेड डील हुई है, इससे भारत का रोता हुआ बाजार निफ्टी और सेंसेक्स जो पिछले कुछ दिनों से दहाड़ मार कर रो रहे थे, अब कह कहा कर हंस रहें हैं। याने वे जानते हैं कि, बाजार और कारपोरेट शक्तियों का लाभ अंततरू अमेरिका के साथ समझौते में है। अमेरिका ने रूस के तेल खरीदी के नाम पर लगाये गए 25 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे भारत के निर्यात को जो पिछले माह से कमजोर अवस्था में था, अब फिर मौका मिला है।

दरअसल एक पक्ष यह भी है कि अमेरिका जिन सामानों को भारत से खरीदता है वे कोई बुनियादी जरूरतों की चीजें नहीं हैं। जेवर, जेम्स, छोटो मोटी मशीन, दवा का रसायन आदि ऐसे ही सामान हैं जिनके बगैर अमेरिका का काम चल सकता है। अमेरिका इन सामानों को अन्य देशों से भी आयात कर सकता है।

गुजरात के व्यापारियों का बड़ा हिस्सा और उनके परिवारजन अमेरिका में रहते हैं और उनका भी श्री मोदी पर दबाब था कि जैसे भी हो अमेरिका के साथ रिश्ते बहाल किए जाएं। इससे मोदी सरकार को फिलहाल अपनी सरकार बचाने में भी फायदा हुआ, और आगामी गुजरात चुनाव में भी इसका फायदा मिलेगा। हालाँकि व्यापार के क्षेत्र में यह बहुत मुनाफेमंद साबित नहीं होगा। अमेरिका भारत से सी फूड और विशेरुतरू झींगा खरीदेगा। दरअसल अमेरिका भारत से कुछ सामान इसलिए खरीदता है ताकि भारत को कुछ बाजार मिले और भारत उसका नीतिगत पिछलग्गू बना रहे। इसमें अमेरिका सफल भी हुआ है। पिछले कई माह से कहे अनकहे डोनाल्ड ट्रम्प को चुनौती देने वाले प्रधानमंत्री जी ने इस डील के बाद विनम्रता का बयान दिया है कि देश की 140 करोड़ आबादी आपकी आभारी है। यह बयान ही अपने आप में भारत की स्थिति को बताने के लिए पर्याप्त है । यानि प्रधानमंत्री ने माना है कि अमेरिका के साथ हुआ समझौता भारत की लगभग डेढ़ अरब आबादी के लिए हितकर है और इसलिए पूरा देश आभारी है। अमेरिका चाहता था कि भारत रूस से तेल खरीदना कम करे और यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि भारत वेनेजुअला के माध्यम से अमेरिकी प्रभाव का तेल खरीदेगा तथा कहे अनकहे रूस से खरीददारी कम होगी।

पाइपलाइन में पड़ा स्वर्ग

डॉ. सुरेश कुमार

शहर के पास वाले उस ढाबे पर, जहाँ चाय कम और धूल ज़्यादा मिलती है, मेरी भेंट एक 'डिजिटल स्वामी' से हो गई। स्वामी जी ऐसे थे कि अगर उन्हें किसी मल्टीनेशनल कंपनी के बोर्डरूम में बैठा दिया जाए, तो वे वहाँ भी 'परमपिता की कृपा' का प्रेजेंटेशन पावर-प्वाइंट पर दे दें। बदन पर मलमल का कुर्ता, गले में रुद्राक्ष की ऐसी माला जिसे देखकर किसी भी जौहरी का ईमान डोल जाए, और बगल में एक आईपैड, जिस पर वे निरंतर 'स्टॉक मार्केट' और 'अध्यात्म' का संतुलन बिठा रहे थे। मैंने पूछा, स्वामी जी, यह झोला और लैपटॉप लेकर किस महाकुंभ की ओर प्रस्थान हो रहा है? स्वामी जी ने एक ऐसी रहस्यमयी मुस्कान फेंकी, जो केवल उन लोगों के पास होती है जिनके पास स्विस बैंक का खाता और मोक्ष का नक्शा, दोनों साथ होते हैं। बोले, बच्चा, हम 'स्मार्ट विलेज' का शिलान्यास करने जा रहे हैं। गाँव की मिट्टी को सिलिकॉन वैली बनाना है।

मैंने चाय का घूँट भरा-जिसमें चीनी इतनी थी कि मधुमेह को भी शर्म आ जाए। पूछा, महाराज, गाँव में तो बिजली आठ घंटे रहती है और सड़कें ऐसी हैं कि आदमी चलते-चलते ही योग की कठिन मुद्राएं सीख जाए। वहाँ आप स्मार्टनेस का कौन सा इत्र छिड़केंगे?

स्वामी जी ने आईपैड पर एक ग्राफ दिखाया। यही तो तुम्हारी अज्ञानता है। हम गाँव वालों को यह नहीं सिखाएंगे कि खेती कैसे करें, हम उन्हें यह सिखाएंगे कि 'खेती को इवेंट' कैसे बनाएं। हम वहाँ एक ऐसा आश्रम बना रहे हैं जहाँ शहर के अमीर लोग आकर 'गरीबी का अनुभव' करेंगे। वे देखेंगे कि गोबर कैसे थापा जाता है और फिर उसकी सेल्फी लेकर इंस्टाग्राम पर 'मिट्टी की सौंधी खुशबू' लिखेंगे। इसे ही हम 'ग्रामीण पुनरुद्धार' कहते हैं।

मैंने कहा, पर महाराज, गाँव का असली किसान तो कर्ज में दबा है, उसे तो खाद और बीज चाहिए। स्वामी जी हँसे, जैसे किसी ने उनसे कह दिया हो कि कद्दू के पेड़ पर आम लगते हैं। बोले, बच्चा, किसान को खाद मिल गई तो वह आत्मनिर्भर हो जाएगा, फिर हमारे प्रवचनों में भीड़ कौन लगाएगा? हमें उसे 'संतोष' सिखाना है। हम उसे समझाते हैं कि 'साईं इतना दीजिए जामे कुटुंब समाए'। जब उसके पास कम होगा, तभी तो वह चमत्कार की उम्मीद में हमारे पास आएगा। और रही बात खाद की, तो हमने योजना बनाई है कि गाँव के पास एक बड़ा गोल्फ कोर्स बनाएंगे। वहाँ की घास को 'पवित्र घास' घोषित कर देंगे, जिसे उगाने के लिए किसान मुफ्त में श्रम करेगा। इसे हम 'श्रमदान' का नाम देंगे। मैंने कहा, वाह! यानी 'आम के आम और गुठलियों के दाम'। पर स्वामी जी, आप तो खुद गाँव में रुकेंगे नहीं, आपकी काया तो एसी की आदी लगती है? स्वामी जी ने एक डकार ली, जो सीधे देसी घी के पराठों की गवाही दे रही थी। बच्चा, शरीर तो नश्वर है, पर इसे ठंडा रखना आत्मा का कर्तव्य है। हम शहर में रहकर गाँव का 'विजन' तैयार करते हैं। देखो, विकास का सबसे बड़ा नियम यह है कि वह कभी ज़मीन पर नहीं दिखना चाहिए। अगर विकास दिख गया, तो वह खत्म हो गया। उसे हमेशा 'पाइपलाइन' में रहना चाहिए। जैसे हमारे यहाँ की सरकारी - रहती हैं, पहुँचती कभी नहीं। मैंने पूछा, और इन सबमें धर्म का क्या योगदान होगा? स्वामी जी की आँखें चमक उठीं। धर्म ही तो वह गोंद है, बच्चा, जो टूटे हुए विकास को चिपका कर रखता है। जब सड़क पर गड्ढा हो, तो वहाँ एक पत्थर रखकर उसे 'स्वयंभू महादेव' घोषित कर दो।

सोलर पैनल वेस्टः भविष्य की सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौती

आरके जैन

भारत की सौर ऊर्जा क्रांति आज दुनिया के लिए एक प्रेरक उदाहरण बन चुकी है। स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा की ओर बढ़ता भारत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विशाल सोलर पार्क, छतों पर लगे पैनल और सरकारी योजनाएं इस परिवर्तन की पहचान बन गई हैं। लेकिन इस चमकते भविष्य के पीछे एक गंभीर और अनदेखा संकट धीरे-धीरे आकार ले रहा है। यह संकट है सोलर पैनल वेस्ट की सुनामी, जो आने वाले वर्षों में पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए भारी चुनौती बन सकती है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) की 2025 रिपोर्टों के अनुसार यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो हरा विकास काले कचरे में बदल सकता है।

पिछले एक दशक में भारत ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। सौ गीगावाट से अधिक क्षमता हासिल करना और 2030 तक सैकड़ों गीगावाट का लक्ष्य तय करना राष्ट्रीय आत्मविश्वास को दर्शाता है। सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं, निजी निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने इस क्षेत्र को नई गति दी है। पीएम सूर्य घर योजना और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन जैसी पहलों ने लाखों लोगों को सौर ऊर्जा से जोड़ा है। परंतु इस तेज विस्तार के साथ यह भी सच है कि पैनलों की औसत आयु केवल पच्चीस से तीस वर्ष होती है। बीते वर्षों में लगाए गए पैनल अब धीरे-धीरे अनुपयोगी हो रहे हैं। इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी के अध्ययन बताते हैं कि आने वाले दशकों में यह संख्या तेजी से बढ़ेगी और कचरे का रूप ले लेगी।

सोलर पैनल केवल साधारण शीशा या धातु नहीं होते। इनके भीतर सिलिकॉन, एल्यूमीनियम, कॉपर और प्लास्टिक के साथ-साथ लेड, कैडमियम और क्रोमियम जैसे जहरीले तत्व भी मौजूद होते हैं। जब ये पैनल बिना वैज्ञानिक प्रक्रिया के खुले मैदानों या लैंडफिल में फेंक दिए जाते हैं, तो वर्षा जल के साथ इनमें मौजूद रसायन मिट्टी और भूजल में घुल जाते हैं। इससे खेतों की उर्वरता कम होती है और पीने का पानी दूषित होता है। कृषि-प्रधान देश भारत में इसका प्रभाव अत्यंत गंभीर हो सकता है। अनियंत्रित निपटान से माइक्रोप्लास्टिक और विषैली गैसें भी वातावरण में फैलती हैं, जो मानव स्वास्थ्य पर लंबे समय तक असर डालती हैं। भविष्य का परिदृश्य और भी चिंताजनक दिखाई देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2030 तक भारत में संचयी सोलर पैनल वेस्ट लगभग 6 लाख टन तक पहुंच सकता है और 2047 तक यह लगभग 1.12 करोड़ टन (11 मिलियन टन) तक पहुंच सकता है। बीबीसी और अन्य अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने भी इस खतरे को गंभीरता से रेखांकित किया है। यदि समय रहते रिसाइक्लिंग और पुनः उपयोग की व्यवस्था नहीं बनाई गई, तो यह संकट पर्यावरणीय आपदा के साथ-साथ आर्थिक नुकसान का कारण भी बनेगा। अरबों रुपये मूल्य की धातुएं और संसाधन कचरे में बदल जाएंगे, जिन्हें फिर कभी वापस नहीं पाया जा सकेगा।

पर्यावरणीय प्रभाव केवल मिट्टी और पानी तक सीमित नहीं हैं। भारी धातुएं धीरे-धीरे खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाती हैं और मनुष्यों तथा पशुओं के शरीर में जमा होने लगती हैं। इससे कैंसर, श्वसन रोग और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे बड़े सोलर हब विशेष रूप से जोखिम में हैं। बिना प्रोसेसिंग के पड़े पैनल धीरे-धीरे कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण को बढ़ाते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पर्याप्त रिसाइक्लिंग संयंत्र नहीं बने, तो आने वाले दशकों में यह समस्या असहनीय स्तर पर पहुंच सकती है।

वर्तमान स्थिति इस चुनौती के अनुरूप मजबूत नहीं कही जा सकती। ई-वेस्ट नियमों में सोलर पैनलों को शामिल तो किया गया है, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी कमजोर है। विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी जैसे प्रावधान कागजों तक सीमित दिखाई देते हैं। देश में सीमित संख्या में ही आधुनिक रिसाइक्लिंग प्लांट मौजूद हैं, जबकि भविष्य के लिए सैकड़ों की आवश्यकता होगी। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज़ इंस्टीट्यूट की रिपोर्टों के अनुसार, तकनीकी कमी, निवेश अभाव और जागरूकता की कमी इस क्षेत्र की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। अधिकांश वेस्ट आज भी अनौपचारिक डंपिंग स्थलों में चला जाता है, जहां से प्रदूषण फैलता रहता है।

इसके विपरीत, यदि सर्कुलर इकोनॉमी को गंभीरता से अपनाया जाए, तो यही संकट एक बड़े अवसर में बदल सकता है। वैज्ञानिक रिसाइक्लिंग से सिलिकॉन, सिल्वर और कॉपर जैसे मूल्यवान तत्व दोबारा उपयोग में लाए जा सकते हैं। इससे आयात पर निर्भरता घटेगी और घरेलू उद्योग को मजबूती मिलेगी। यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन सकता है और लाखों युवाओं को रोजगार दे सकता है। सर्कुलर मॉडल न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार करता है। दुर्भाग्यवश, पर्याप्त तैयारी न होने के कारण भारत अभी इस संभावना का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा है।

एआई के विस्तार से बदला जॉब मार्केट कंपनियां कर रहीं स्किल्स की मांग

कंपनियों में कृत्रिम मेधा (AI) के बढ़ते उपयोग का असर अब भर्ती प्रक्रिया पर भी दिखने लगा है, खासकर प्रवेश स्तर (Entry-Level) की नौकरियों पर। एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई तकनीक अपनाने से कंपनियों की नियुक्ति संबंधी प्राथमिकताएं बदल रही हैं और पारंपरिक भूमिकाओं की मांग में बदलाव देखा जा रहा है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए एक अध्ययन, जिसे OpenAI का समर्थन प्राप्त है, के अनुसार एआई के विस्तार से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य संरचना और कौशल की जरूरतें बदल रही हैं। इससे कंपनियां अब अधिक तकनीकी और डिजिटल दक्षता वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे रही हैं।

एआई के कारण भर्ती पैटर्न में बदलाव

अध्ययन के मुताबिक 63 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि अब उन्हें ऐसे कर्मचारियों की अधिक जरूरत है जिनके पास डोमेन विशेषज्ञता के साथ-साथ एआई या डेटा से जुड़े कौशल भी हों, क्योंकि एआई उनके मुख्य कामकाज का हिस्सा बन चुका है। इससे साफ है कि पारंपरिक कौशल के साथ तकनीकी दक्षता की मांग तेजी से बढ़ रही है।

'एआई एंड जॉब्सः दिस टाइम इज नो डिफरेंट' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट भारत में जेनरेटिव एआई की कंपनी स्तर पर स्वीकार्यता का आकलन करती है। यह अध्ययन नवंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच किया गया, जिसमें देश के 10 शहरों की 650 आईटी कंपनियों की प्रतिक्रियाएं शामिल की गईं।

इसमें बताया गया, कंपनियों ने कहा है कि एआई की वजह से नियुक्तियों में मामूली कमी आई है। मुख्य रूप से प्रवेश स्तर पर ऐसा देखने को मिल रहा है। साथ ही मध्यम और शीर्ष स्तर पर भर्तियों में स्थिरता भी है।

एआई से बढ़ी मांग, लेकिन प्रशिक्षण अभी सीमित

रिपोर्ट के अनुसार, सॉफ्टवेयर डेवलपर और डेटाबेस प्रशासक जैसे एआई-आधारित कार्यक्षेत्रों में मांग सबसे अधिक बढ़ी है। इससे संकेत मिलता है कि तकनीकी भूमिकाओं में एआई कौशल अब प्रमुख आवश्यकता बनता जा रहा है।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि एआई से प्रभावित 1,900 से अधिक कारोबारी खंडों में उत्पादकता में वृद्धि, गिरावट की तुलना में काफी ज्यादा रही है। यानी एआई अपनाने से अधिकतर क्षेत्रों में कार्यकुशलता बेहतर हुई है।

सर्वे में शामिल आधे से अधिक कंपनियों ने बताया कि वे जागरूकता कार्यक्रमों या प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को एआई अपनाने में मदद कर रही हैं, जबकि 38 प्रतिशत कंपनियां ऐसी पहल शुरू करने की तैयारी में हैं। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रशिक्षण का दायरा अभी सीमित है और बहुत कम कंपनियों ने बताया कि पिछले वर्ष उनके आधे से ज्यादा कर्मचारियों ने एआई से जुड़ा प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

इनकम टैक्स ऑफिसर कैसे बनें? कौन सी परीक्षा होगी

सरकारी नौकरी में इनकम टैक्स ऑफिसर की काफी ओहदे वाली नौकरी होती है. इस लोकप्रिय नौकरी को पाने के लिए हर साल हजारों युवा आवेदन करते हैं और इसकी तैयारी करते हैं. इनकम टैक्स ऑफिसर बनने के लिए युवा अभ्यर्थियों को कड़ी मेहतन के साथ लगन से तैयारी करनी होती है. हम बताने जा रहे हैं कि इनकम टैक्स अधिकारी बनने के लिए क्या जरूरी योग्यता है और इसमें कितनी सैलरी मिलती है.

इनकम टैक्स ऑफिसर बनने के लिए दो तरीके हैं. युवा अभ्यर्थी यूपीएससी यानी सिविल सेवा परीक्षा या एसएससी सीजीएल के लिए आवेदन कर सकते हैं. इन दोनों में किसी भी एक परीक्षा को पास करने वाले अभ्यर्थी इनकम टैक्स ऑफिसर बनने की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं. हालांकि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को इस बात का ध्यान रखना होता है कि यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स अधिकारी बनने के लिए उन्हें इंडियन रेवेन्यू ऑफिसर का ऑप्शन चुनना होगा. आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू की प्रक्रिया में शामिल होना होता है.

इनकम टैक्स अधिकारी के लिए जरूरी योग्यता

उम्मीदवारों के पास इनकम टैक्स अधिकारी के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री अनिवार्य रूप से होनी चाहिए. इसके साथ ही आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए.

इनकम टैक्स अधिकारी के लिए उम्र सीमा

SSC CGL के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की उम्र 17 से 30 साल के बीच होनी चाहिए. इसमें आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की अधिकतम उम्र 33 वर्ष हो सकती है. वहीं यूपीएससी परीक्षा के लिए 21 से 32 साल के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. इसमें आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की अधिकतम उम्र 37 वर्ष हो सकती है.

इनकम टैक्स अधिकारी की सैलरी

इनकम टैक्स अधिकारी की शुरूआती सैलरी 40 से 60 हजार तक होती है. इसके साथ कई तरह की सुविधाएं भी मितली हैं. समय के साथ ये सैलरी बढ़ती जाती है.

स्नातक छात्र मातृभाषा के साथ पढ़ेंगे एक और भाषा, यूजीसी ने राज्यों को लिखा पत्र; रोजगार क्षमता बढ़ाना मकसद

उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों के भाषाई कौशल और रोजगार क्षमता को नई दिशा देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर के छात्र अपनी मातृभाषा के अलावा एक अन्य भारतीय भाषा की पढ़ाई कर सकेंगे।

यूजीसी ने इस संबंध में सभी राज्यों को पत्र लिखकर 2047 तक विकसित भारत के विजन के तहत अंतर-सांस्कृतिक समझ को मजबूत करने और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का निर्देश दिया है।

भारतीय भाषा समिति (BBS) की सिफारिशों पर आधारित इस योजना के तहत संस्थानों को छात्रों के लिए 22 भारतीय भाषाओं का विकल्प देना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप इस पहल का उद्देश्य छात्रों को किसी अन्य राज्य या क्षेत्र की भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करना है। इससे न केवल छात्रों की सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव बढ़ेगा, बल्कि अन्य क्षेत्रों में उनकी रोजगार क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

तीन चरणों में होगा विभाजित

यह भाषाई कौशल बेसिक, इंटरमीडिएट और एडवांस तीन चरणों में विभाजित होगा। इसमें छात्रों को सुविधानुसार प्रवेश और निकास का विकल्प मिलेगा। संस्थान इन कोर्स को एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी), क्रेडिट कोर्स या ऑडिट कोर्स के रूप में संचालित कर सकेंगे। यह कार्यक्रम नए क्रेडिट फ्रेमवर्क के तहत तीन अलग-अलग सेमेस्टर या तीन माइनर कोर्स के रूप में चलेगा। 12वीं पास और 16 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति इस कोर्स का हिस्सा बन सकता है।

एप और पोर्टल भी किया जाएगा विकसित

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक भाषाई शिक्षण एप और पोर्टल भी विकसित किया जाएगा, जिससे ऑनलाइन माध्यम से कहीं से भी जुड़ा जा सकेगा। भाषा के विशेषज्ञ भाषा गुरु के रूप में मार्गदर्शक की सेवाएं दे सकेंगे। उच्च शिक्षण संस्थान इन पाठ्यक्रमों का डिजाइन स्वयं तैयार कर सकते हैं या अन्य विशेषज्ञ संस्थानों के साथ एमओयू के माध्यम से इन्हें संचालित कर सकते हैं।

सेल्फ हेल्प किताबों से : डर भगाना है तो खुद से लड़ना होगा

भीतर की बाधाओं को पार करना सीखना होगा

कभी आपने महसूस किया है कि वह चीजें जो आपको रोकती हैं, असल में आपकी सबसे बड़ी ताकत भी हो सकती हैं? जब आप सुबह उठते हैं और वही पुरानी आदतें, वही डर, वही संदेह फिर आपका पीछा करते हैं, तो यही वह क्षण है जब आपको खुद से लड़ना होगा। यह कठिनाई ही आपकी क्षमता को परखेगी। जब आप अपने भीतर के डर को चुनौती देते हैं, तो वह हल्का लगने लगता है।

आत्मविश्वास आपकी सबसे बड़ी ताकत है

जब आप सुबह अपनी आंखें खोलते हैं, तो सबसे पहले खुद से एक सवाल करें कि आज आप अपने लिए जी रहे हैं या दूसरों की राय के लिए? जितना अधिक आप खुद को पहचानते और स्वीकार करते हैं, उतनी ही आपके भीतर की शक्ति जागृत होती है। डर, असफलता, आलोचना आपके मन के वे हिस्से हैं, जो आपको अपनी क्षमता से दूर करते हैं। आप कमजोर नहीं, सीखने और बढ़ने वाले हैं।

आलस्य और रुकावट से ऊपर उठना शुरू करें

हर बार जब आप किसी बड़े लक्ष्य के बारे में सोचते हैं, जैसे एक किताब लिखना, एक नई स्किल सीखना या अपने सपनों को सच करना- तो आपके मन में आवाज उठती है कि यह कठिन है, बाद में करो। यही आवाज विरोध है। पर हर बार जब आप उस आवाज को टालते हैं और आगे बढ़ते हैं, आप प्रतिरोध को हराते हैं। आपका साहस बढ़ता है और यह विरोध तब कमजोर हो जाता है।

छोटे कामों में छिपी असली खुशी और एक उद्देश्यपूर्ण जीवन

इस बात को हमेशा दिमाग में रखें कि खुशी किसी बड़े मुकाम पर पहुंचने के बाद नहीं आती। वह तो रोजमर्रा के छोटे कामों में छिपी होती है। सुबह उठकर किसी उद्देश्य के साथ दिन शुरू करना, अपने काम में मन लगाना और जीवन की गति को जोर-जबरदस्ती से तेज न करना। जो लोग धीरे चलते हैं, वही दूर तक जाते हैं। जब हम हर दिन को अर्थ देते हैं, तब जीवन बोझ नहीं लगता। उद्देश्य से जुड़ा जीवन न केवल लंबा होता है, बल्कि वह संतुलित और शांत भी होता है।

लाखों में करनी है कमाई तो करें ये कोर्स

अच्छी नौकरी करना चाहते हैं तो ऐसा कोर्स करे जिसमें आपको सीखने के साथ कमाई भी अच्छी हो सक. अनुभवी लोगों की जरूरत तो हमेशा से ही मार्केट में होती है. इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे कोर्स के बारे में बताने जा रहे है जो आपके बेहतर भविष्य के लिए सही साबित हो सकते हैं.

इंटीग्रेशन विथ जॉब मार्केटः आज के समय में पढ़ाई को थ्योरी में बदल दिया गया है जिससे जॉब मार्केट के हिसाब से नई सोच और विषयों पर कम ध्यान दिया जा रह है. जिसकी वजह से जॉब न मिलने के भी आसार नजर आ रहे हैं. इन्हीं सब कमियों को देखते हुए आज के समय में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाये जा रहे हैं. जो छात्रो को आज के हिसाब से जरूरी स्किल सीखने में मदद कर सकते हैं.

मेडिकल कोडर: इस कोर्स के लिए हाई स्कूल डिप्लोमा पास हो. एक कोडिंग प्रमाण के साथ आप इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं. इस क्षेत्र में डॉक्टरों के कार्यालयों, अस्पतालों और पुनर्वसन सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य संस्थानों में जाकर मेडिकल कोर्स रिपोर्ट और बिल बीमा बनाने का काम किया जाता है.

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर: एयर ट्रैफिक कंट्रोलर का प्राथमिक उद्देश्य टकरावों को रोकना, हवाई यातायात के प्रवाह को व्यवस्थित और तेज करना होता है. इसके अलावा पायलटों के लिए सूचना और अन्य सहायता प्रदान करना है. कुछ देशों में, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर एक सुरक्षा या रक्षात्मक भूमिका निभाता है. इस क्षेत्र में जाने के लिए 12वीं विज्ञान से पास हो. साथ ही हर साल भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा आयोजित हवाई यातायात नियंत्रक प्रवेश परीक्षा को पास करना होता है.

रियल एस्टेट : रियल एस्टेट ब्रोकर बनने के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, जिसमें एक परीक्षा पास करनी होगी. इस परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रो को सर्टिफिकेट प्रोग्राम में शामिल हो सकते हैं. इसके पाठ में रियल एस्टेट सिद्धांत, व्यापार कानून, संपत्ति प्रबंधन जैसे नाम शामिल हैं. खासतौर पर रियल एस्टेट का काम बड़ी बिल्डिंग बनवाकर इसे मोटी कीमत में बेचने का काम करता है.

साइबर सुरक्षा : साइबर सिक्योरिटी के अंतर्गत एथिकल हैकर्स की एक बड़ी टीम होती है, जो आपका डेटा चोरी होने, डेटा डिलीट होने या आपके किसी भी डिवाइस को नुकसान होने से बचाते हैं. इसे इनफार्मेशन सिक्योरिटी और टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी के नाम से भी जाना जाता है.

फ्लाइट अटेंटेंड : एक फ्लाइट अटेंडेंट की भूमिका यात्री जहाजों या यात्री ट्रेनों में समान स्थिति से प्राप्त होती है. इसके अतिरिक्त, एक फ्लाइट अटेंडेंट का काम परिवहन के अन्य रूपों पर समान कर्मचारियों की तुलना में काफी हद तक सुरक्षा के इर्द-गिर्द घूमता है. फ्लाइट में सवार फ्लाइट अटेंडेंट सामूहिक रूप से एक केबिन क्रू बनाते हैं, जो कॉकपिट में पायलटों और इंजीनियरों से अलग होता है.

बिहार पंचायती राज विभाग में ऑडिट अधिकारी की भर्ती

पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार ने रिटायर हो चुके अधिकारियों के लिए जिला ऑडिट अधिकारी और सीनियर ऑडिट अधिकारी के पदों पर कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर भर्ती निकाली है। यह भर्ती विज्ञापन संख्या 10000 के तहत जारी की गई है।

इच्छुक उम्मीदवार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट ऑनलाइन पोर्टल BGSYS Bihar पर जाकर 10 मार्च 2026 की रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के जरिए लेवल-7 और लेवल-6 के खाली पद भरे जाएंगे।

कुल 165

क्या आवेदन की शर्तें?

कार्य अनुभवः इस भर्ती के लिए उम्मीदवार का संबंधित पद, यानी जिला ऑडिट ऑफिसर या सीनियर ऑडिट ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त होना जरूरी है। केवल वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने इसी स्तर के पद पर पहले काम किया हो।

अनुशासनिक रिकॉर्डः उम्मीदवार के सेवा रिकॉर्ड में पिछले 10 वर्षों के दौरान कोई बड़ा दंड नहीं होना चाहिए। साथ ही, पिछले 5 वर्षों में कोई भी लघु या बड़ा दंड नहीं लगा होना चाहिए।

आयु सीमाः आयु सीमा सामान्य प्रशासन विभाग के संविदा नियुक्ति नियमों के अनुसार तय की जाएगी। उम्मीदवारों को इन्हीं निर्धारित नियमों के तहत पात्र माना जाएगा।

कैसे होगा चयन?

पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार की इस भर्ती में सबसे पहले उम्मीदवारों द्वारा ऑनलाइन जमा किए गए आवेदन और दस्तावेजों की जांच की जाएगी। पात्रता के आधार पर योग्य उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। इसके बाद चुने गए अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए बुलाया जाएगा, जहां उन्हें तय प्रारूप (प्रपत्र-क) में शपथ-पत्र भी जमा करना होगा।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले विभाग की आधिकारिक वेबसाइट state.bihar.gov.in/biharprd पर जाएं।

होमपेज पर दिए गए "Online Application for Auditor Posts" लिंक पर क्लिक करें।

इसके बाद आपको BGSYS Bihar (bgsys.bihar.gov.in) पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा।

आवेदन फॉर्म में मांगी गई सभी व्यक्तिगत और सेवानिवृत्ति से जुड़ी जानकारी सही-सही भरें।

जरूरी दस्तावेज जैसे P.P.O (Pension Payment Order) और अन्य प्रमाण पत्र अपलोड करें।

अंत में आवेदन पत्र सबमिट करें और उसका एक प्रिंटआउट अपने पास रख लें।

पुलिस कांस्टेबल और वन रक्षक समेत 722 पदों पर भर्ती

गोवा कर्मचारी चयन आयोग ने पुलिस कांस्टेबल, वन रक्षक और अन्य 722 पदों के लिए भर्ती अधिसूचना जारी की है। इस भर्ती के लिए योग्यता वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 फरवरी 2026 से शुरू होकर 13 मार्च 2026 को समाप्त होगी। इच्छुक उम्मीदवार GSSC की आधिकारिक वेबसाइट gssc.goa.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन शुरू
20 फरवरी 2026

ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13 मार्च 2026

परीक्षा की तिथि और अन्य जरूरी जानकारी आयोग की वेबसाइट और स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से समय पर दी जाएगी।

कृपया केवल उन पदों के लिए आवेदन करें जिनके लिए आप पात्र हैं। अगर कोई अपात्र उम्मीदवार आवेदन करता है, तो उसके खिलाफ आयोग सख्त कार्रवाई कर सकता है।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट gssc.goa.gov.in पर जाएं।

पोर्टल 20 फरवरी 2026 से सक्रिय होगा, उसके बाद लॉगिन/रजिस्टर करें।

ऑनलाइन आवेदन फॉर्म को सही-सही भरें।आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।आवेदन जमा करने से पहले सभी विवरण एक बार चेक करें।

अंतिम तिथि से पहले आवेदन सबमिट करें।भविष्य में संदर्भ के लिए आवेदन का प्रिंटआउट निकाल लें।

बनानी है अपनी अलग पहचान तो जल्द से जल्द अपनाएं ये टिप्स

आज के समय में हर कोई अलग पहचान बनाना चाहता है. इसके लिए जिसके बहुत सी ऐसी आदतें है जिन्हे अपनाकर अलग पहचान बनाते हैं. यही कुछ आदतें हैं जो लोगों को खास बनाती हैं. आज हम आपको उन्हीं आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं. हम रोज बहुत से लोगों से मिलते हैं लेकिन उनमें से बहुत ही कम लोग होते हैं जो हमें याद रहते हैं. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कुछ खास आदत जो आपको उनकी अच्छी लग जाती है.

कुछ व्यक्ति कई लोगो से अलग होते हैं ऐसे लोगो को सब याद रखते हैं. क्योंकि ऐसे लोग पर्सनल लाइफ में भी काम आ सकते हैं जिसका फायदा भी आप लें सकते हैं. करियर में ऐसे बहुत से मौके आते हैं जिनके लिए आपको इन लोगो की जरूरत पढ़ सकती है, जो आपको सफलता की ओर ले जा सकते हैं. कौन सी हैं वो बातें जिन्हें फॉलो करके या अपनी आदत में शुमार करके बेहतर इंसान बना जा सकता है.

अपनी खुद की राय देना : बहुत से लोग ऐसे हैं जो दूसरों के दबाव में न आ कर अपनी खुद की राय देते हैं. अगर सारी जनता किसी एक बात के लिए सहमति दिखाती है तब भी वो उनसे अलग अपना निर्णय लेते हैं. यह हिम्मत हर किसी में नहीं होती क्योकि जनता के सामने उनकी परवाह किए बिना अपने विचार रखना बहुत बड़ी बात मानी जाती है.

दूसरों के लिए जजमेंटल न होनाः बहुत अच्छी बात जब लोग किसी और को जज नहीं करते. यह खूबी हर किसी में नहीं होती. यही वजह है कि दूसरे क्या कर रहे हैं, कैसे कर रहे हैं, इस पर अपनी राय नहीं देते हैं, ऐसे लोग समझदार होने के साथ दूसरों को भी समझते हैं.

किसी और पर नहीं निर्भर करती अपनी खुशी : आपकी खुशी दूसरों की राय पर निर्भर नहीं होनी चाहिए. जब अपने हिसाब से रहना हो आप रहें, लाइफ एंजॉय करें. ऐसे लोग अपने में खुश रहना जानते हैं. अगर आप भी ऐसे हैं तो मुमकिन है कि आप दूसरों से अलग हैं.

आज के लिए जीना : जो लोग दूसरों से अलग होते हैं अक्सर वो आज में जीते हैं. ज़्यादातर लोग या तो अपने पास्ट को लेकर परेशान होते हैं या अपने भविष्य की चिंता करते हैं. लेकिन बहुत कम लोग ऐसे हैं जो आज में जीते हैं. आप भी ऐसे बनिए, दूसरों से अलग दिखेंगे. खुश रहेंगे.

'फिल्म रिलीज होने दें', यश की 'टॉक्सिक' को लेकर उठे विवाद पर कर्नाटक फिल्म चैंबर की अध्यक्ष ने दी प्रतिक्रिया

साउथ सुपरस्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' अपनी रिलीज से पहले ही विवादों में घिरी है। फिल्म के टीजर में अत्यधिक उत्तेजक सीन को लेकर जहां महिला संगठनों ने विरोध जताया है। वहीं ईसाई समुदाय ने भी फिल्म के कुछ सीन पर आपत्ति जताते हुए उन्हें हटाने की मांग की है। इन विवादों पर अब कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष का बयान सामने आया है।

टीजर के बाद ही राय बनाना जल्दबाजी

मीडिया से बात करते हुए कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष जयमाला का कहना है कि जनता को केवल टीजर के आधार पर निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा, ''टॉक्सिक' के टीजर को लेकर शिकायतें आई हैं, लेकिन मुझे ठीक से नहीं पता कि इसमें क्या गड़बड़ है। टीजर तो सिर्फ एक झलक होती है, जिसका मकसद दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच लाना होता है। सेंसर बोर्ड द्वारा समीक्षा किए जाने से पहले फिल्म पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी। फिल्म निर्माता अपने काम में करोड़ों रुपये लगाते हैं और दर्शकों को अपनी राय बनाने से पहले पूरी फिल्म देखनी चाहिए।'

मेकर्स ने आरोपों से किया इनकार

जयमाला ने आगे बताया कि फिल्म के निर्माताओं ने अपमानजनक या अश्लील सामग्री के आरोपों से इनकार किया है। फिल्म की रिलीज से पहले समीक्षा और प्रमाणन होना बाकी है। इसलिए शिकायतों का निपटारा उचित नियामक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

टीजर के बाद उठे ये विवाद

यह विवाद तब शुरू हुआ जब 'टॉक्सिक' के टीजर में कब्रिस्तान के बाहर खड़ी एक कार में यश का एक महिला के साथ अत्यधिक उत्तेजक यौन दृश्य दिखाया गया। इसके बाद कब्रिस्तान में हिंसक गोलीबारी का दृश्य आता है। वहां पर कई धार्मिक मूर्तियां हैं, जिनमें एंजल माइकल की प्रतिमा भी शामिल है।

नेशनल क्रिश्चियन फेडरेशन ने फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ-साथ राज्य सरकार के मुख्य सचिव, गृह सचिव और सीबीएफसी से भी 'टॉक्सिक' के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। वहीं महिला संगठनों ने भी फिल्म के मेकर्स के खिलाफ इस सीन के माध्यम से महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

'धुरंधरः द रिवेंज' से होगा 'टॉक्सिक' का मुकाबला

गीतु मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिक' में यश राया के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, रुक्मिणी वसंत, तारा सुतारिया, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी भी यश और गीतू ने मिलकर लिखी है। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'टॉक्सिक' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2' से होगा।

'जन नायकन' को लेकर बढ़ा फैंस का इंतजार 30 अप्रैल तक नहीं आएगी विजय की फिल्म

फिल्म 'जन नायकन' विजय थलापति की आखिर फिल्म है। इसके बाद वह पूरी तरह से तमिलनाडु की राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। लेकिन यह फिल्म रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई। सेंसर बोर्ड ने किन्हीं कारणों से इसे सर्टिफिकेट नहीं दिया। फिल्म मेकर्स सेंसर के खिलाफ कोर्ट गए। 'जन नायकन' का मामला अब कोर्ट में खत्म हो चुका है, इन्होंने सेंसर बोर्ड के खिलाफ केस को वापस ले लिया है। अभी इसे सेंसर से हरी झड़ी का इंतजार है। इसी बीच एक विदेशी वितरक ने फिल्म 'जन नायकन' रिलीज में देरी बात कही है।

इस तारीख से पहले रिलीज नहीं होगी फिल्म

यॉर्क सिनेनाज के इंस्टाग्राम पेज पर एक जानकारी साझा करते हुए पोस्ट की गई। इसमें वह कहते हैं, 'कृपया ध्यान दें कि फिल्म 'जन नायकन' 30 अप्रैल से पहले रिलीज नहीं होगी। जिनके टिकट के रिफंड बचे हैं, वह आकर ले सकते हैं। हमारे साथ जुड़े मेंबर्स को नई रिलीज डेट पर टिकट बुकिंग में प्राथमिकता दी जाएगी।'

क्यों फिल्म को लेकर खड़ा हुआ था पूरा विवाद?

एक्टर विजय एक्टिंग छोड़कर राजनीति में कदम रख रहे हैं। ऐसे में उनकी आखिरी फिल्म 'जन नायकन' होने वाली थी, यह 9 जनवरी को रिलीज होनी थी। लेकिन इसे सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिला था। ऐसे में फिल्म निर्माताओं ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। 9 जनवरी को मद्रास हाई कोर्ट के एक सिंगल जज की बेंच ने सेंसर बोर्ड का आदेश दिया कि फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट दिया जाए। बाद में मद्रास हाई कोर्ट की डिविजन बेंच ने इस आदेश पर रोक लगा दी। ऐसे में 'जन नायकन' के निर्माताओं ने मद्रास हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से मना कर दिया है।

सेंसर बोर्ड से हरी झड़ी का इंतजार

हाल ही में 'जन नायकन' के मेकर्स ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के खिलाफ केस वापस लेने के लिए अर्जी मद्रास हाईकोर्ट में दी है। इसी मामले पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। अब 'जन नायकन' को सेंसर बोर्ड रिव्यू करेगा। इसके बाद ही फिल्म को लेकर नई रिलीज सामने आएगी। लेकिन विदेशी वितरक की बात से स्पष्ट है कि फिल्म 30 अप्रैल से पहले तो रिलीज नहीं होगी।

इम्तियाज अली और एकता कपूर की अगली फिल्म 'हीर रांझा' में रोहित सराफ बनेंगे हीर

इम्तियाज अली की फिल्म 'लैला मजनू' में तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं अब 'हीर रांझा' में कौन सी जोड़ी देखने को मिलेगी। इस बात को लेकर फैंस में काफी उत्सुकता है। जानिए रांझा और हीर के किरदार में कौन कलाकार नजर आने वाले हैं।

कौन निभाएगा रांझा का किरदार?

एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में रांझा का रोल रोहित सराफ निभाएंगे। रोहित सराफ को ये रोल मिल गया है। फैंस उन्हें 'मिसमैच्ड' और दूसरी फिल्मों से जानते हैं। पिछले साल उन्होंने 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में भी अच्छा अभिनय किया था। निर्माता मानते हैं कि रोहित इस मुश्किल रोल को बहुत अच्छे से निभाएंगे।

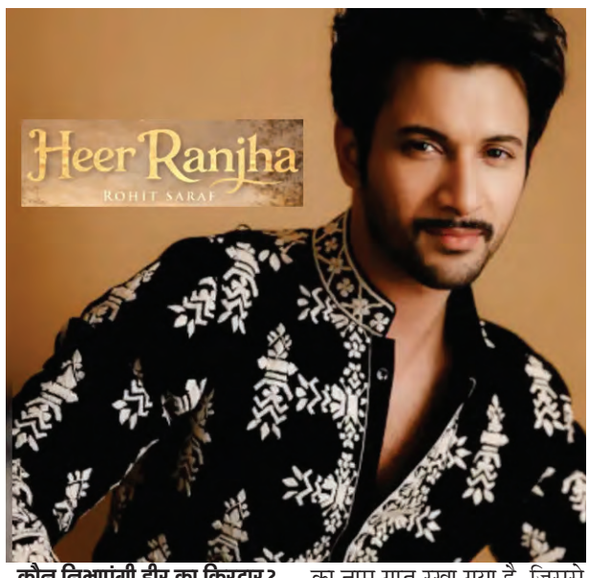

कौन निभाएंगी हीर का किरदार?

हीर का किरदार एक नई अभिनेत्री निभाएंगी। अभी अभिनेत्री का नाम गुप्त रखा गया है, जिससे लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई है। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। फैंस पुराने कलाकारों (तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी) की वापसी की मांग कर रहे हैं, लेकिन ये नई कहानी है, जो अलग अंदाज में होगी।

'हीर रांझा' की घोषणा

इम्तियाज अली और एकता कपूर ने वैलेंटाइन डे पर बड़ी खुशखबरी शेयर की थी। आठ साल बाद ये दोनों फिर साथ आए हैं। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'हीर रांझा' की घोषणा की है, जो हीर रांझा की मशहूर प्रेम कहानी पर आधारित होगी। ये फिल्म 'लैला मजनू' के बाद उनकी दूसरी रोमांटिक फिल्म है। इसे साजिद अली डायरेक्ट करेंगे। वैलेंटाइन डे पर ही इसका टीजर जारी किया गया। इससे फैंस बहुत एक्साइटेड हो गए हैं।

मुश्किल में फंसे धनुष! 10 साल पुरानी फिल्म के लिए मिला लीगल नोटिस, करोड़ों का मांगा हर्जाना; क्या है मामला?

एक्टर और फिल्ममेकर बड़ी मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। 2016 की एक फिल्म की वजह से उनपर एक प्रोडक्शन कंपनी ने कानूनी नोटिस भेज दिया है। साथ ही इस नोटिस में उनसे 20 करोड़ रुपये मांगे गए हैं।

क्या है पूरा मामला ?

एक रिपोर्ट के अनुसार, थेनांडल फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस का दावा है कि धनुष ने 2016 में उनके साथ 'नान रुद्रन' नाम की फिल्म साइन की थी। लेकिन उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू ही नहीं की। इस देरी की वजह से निर्माता पक्ष को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इसलिए वे शुरुआत में लगाए गए पैसों की भरपाई के लिए मुआवजा मांग रहे हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी है कि तय समय के भीतर मांग पूरी नहीं होने पर वे आगे कानूनी कार्रवाई करेंगे।

20 करोड़ का मांगा हर्जाना

कंपनी के वकील के जरिए भेजे गए नोटिस में लिखा था कि धनुष ने इस फिल्म में एक्टिंग करने के साथ-साथ निर्देशन करने की भी जिम्मेदारी ली थी।

लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, जिस वजह से फिल्म लंबे समय तक रुकी रही। प्रोडक्शन हाउस अब तक लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है। उनका यह भी दावा है कि फिल्म में काम करने वाले कलाकारों जैसे नागार्जुन अक्किनेनी और एस जे सूर्या से जुड़े खर्चे भी उन्होंने ही उठाए थे।

धनुष का अबतक नहीं आया कोई रिएक्शन

नोटिस में वकील ए. चिदंबरम ने कहा कि फिल्म इसलिए अधूरी रह गई, क्योंकि धनुष ने इस प्रोजेक्ट को पूरा किए बिना दूसरी फिल्में करना शुरु कर दिया। फिलहाल, इस पूरे मामले पर धनुष की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

इसी बीच धनुष ने अपनी नई फिल्म 'D55' का ऐलान भी कर दिया है। इसका निर्देशन 'अमरन' फेम डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी करेंगे। प्रोडक्शन हाउस वंडरबार फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की थी। टीम ने धनुष की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं।

'धुरंधर' में रहमान डकैत की भूमिका को लेकर नागार्जुन ने तोड़ी चुप्पी, बोले- 'अक्षय खन्ना बहुत अच्छे एक्टर है'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से काफी चर्चा में है। अक्षय खन्ना ने रहमान डकैत के किरदार में इतना जबरदस्त अभिनय किया कि लोग सोशल मीडिया पर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में एक अफवाह फैली थी कि यह रोल पहले नागार्जुन को ऑफर किया गया था। जानिए क्या है पूरी सच्चाई?

नागार्जुन का बयान

नागार्जुन ने एक इंटरव्यू में साफ कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। उन्होंने बताया, 'मुझे यह रोल कभी ऑफर नहीं किया गया। हालांकि, मुझे सच में अच्छा लगता अगर यह रोल मुझे मिलता।' इसके आगे नागार्जुन ने 'धुरंधर' को लेकर कहा, ''धुरंधर' बहुत शानदार फिल्म है। आदित्य धर का निर्देशन कमाल का है। मुझे उनकी पिछली फिल्म 'उरी' भी बहुत पसंद आई थी। फिल्म में सबके अभिनय बहुत अच्छे हैं, खासकर अक्षय खन्ना ने तो कमाल कर दिया। मैं सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' इसी के साथ नागार्जुन ने 'धुरंधर 2' को लेकर अक्षय खन्ना को एक और बड़ी हिट की शुभकामनाएं दी है।

नागार्जुन की फिल्में

नागार्जुन को आखिरी बार बॉलीवुड में 2022 की फिल्म 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन- शिवा' में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ काम किया। उनकी अगली फिल्म 'संक्रांति' 15 जनवरी 2027 को रिलीज होने वाली है।

किस फिल्म में नजर आएंगे अक्षय खन्ना?

अक्षय खन्ना 19 मार्च 2026 को 'धुरंधरः द रिवेंज' (धुरंधर 2) में फिर से रहमान डकैत के रोल में नजर आ सकते हैं। इसके अलावा अक्षय फिल्म 'महाकाली' और 'इक्का' में नजर आएंगे।

टॉलीगंज इलाके की लग्जरी बिल्डिंग में लगी आग सड़क पर आए कई फिल्म स्टार्स

रविवार दोपहर को साउथ कोलकाता के टॉलीगंज इलाके में एक लग्जरी घर में आग लग गई। इससे वहां रहने वाले बंगाल फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े लोग नीचे सड़क पर आ गए। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। आग की वजह से बिल्डिंग काले धुएं से ढक गई। आग डायमंड सिटी रेसिडेंस के टावर 2 में लगी, जहां फिल्म कपल यश और नुसरत, एक्ट्रेस और तृणमूल कांग्रेस एमएलए सायंतिका बनर्जी समेत कई स्टार्स के फ्लैट हैं।

पांचवी मंजिल पर लगी थी आग

खबर मिलने के बाद चार फायर इंजन मौके पर भेजे गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आग पांचवीं मंजिल पर लगी थी। हालांकि, जिस कमरे में आग लगी, वहां कोई नहीं था। शुरुआती अंदाजे से लगता है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। आग के बारे में पुलिस और फायर ब्रिगेड को तुरंत बताया गया। उन्होंने तुरंत हालात पर काबू पा लिया।

क्या बोलीं सायंतिका?

आग की वजह से आस-पास के लोगों में डर फैल गया। जब सायंतिका बनर्जी से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा 'मैंने बिल्डिंग में आग लगने के बारे में सुना। हालांकि, मैं उस समय वहां नहीं थी। मैं बारानगर में कैंप में आ गई हूं। मैं ठीक हूं।'

शुभ्राजीत मित्रा ने दी घटना की जानकारी

डायरेक्टर शुभ्राजीत मित्रा, जो उसी बिल्डिंग में रहते हैं, ने घटना के बारे में बताया। उन्होंने कहा 'मैंने सुना कि पांचवीं मंजिल पर रहने वाले एक व्यक्ति के मंदिर में शिवरात्रि की पूजा हो रही थी। उन्होंने एक दीया जलाया और आरती की। दीया बुझाए बिना वह नीचे आ गए। उनकी गैरमौजूदगी में, शायद घर में रखे दीये से आग लग गई।'

फिल्मों को लेकर फैंस ने क्यों मारा ताना? जाहिर की नाराजगी; रणबीर कपूर ने कहा- 'यह मेरा बैड लक है'

हाल ही में रणबीर कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के कई सवालों का जवाब दिया। इस दौरान फैंस ने अभिनेता को ट्रोल किया? इसकी वजह उनकी आने वाली फिल्में रहीं? फैंस को रणबीर कपूर ने भी अपने तरफ से जवाब देने की कोशिश की।

रणबीर कपर की दो साल से कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई। वह साल 2023 में फिल्म 'एनिलम' में नजर आए थे।

इस फिल्म में उनके अभिनय, एक्शन को दर्शकों ने पसंद किया। इस साल उनकी फिल्म 'रामायण' का पहला पार्ट दिवाली पर रिलीज होगा। लेकिन फैंस रणबीर कपूर से काफी निराश हैं। यह नाराजगी ट्रोलिंग के तौर पर भी अभिनेता के सामने आई। जानिए, इस पर रणबीर कपूर ने क्या जवाब दिया।

फैन ने कसा फिल्में रिलीज ना होने पर तंज

हाल ही में अपने लाइफस्टाइल ब्रैंड के प्रमोशन के लिए रणबीर कपूर ने इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन किया। इसमें फैंस की कई बातों के जवाब दिए। एक फैन ने लाइव सेशन में कमेंट किया, 'एक सुपरस्टार था जिसको फिल्में मिलती लेकिन वह 3 या 4 साल के लिए गायब हो जाता था।' दरअसल, रणबीर कपूर के फैंस इस बात से नाराज हैं कि उनकी फिल्में दो साल से रिलीज नहीं हो रही हैं।

रणबीर कपूर ने फैंस को क्या दिया जवाब?

फैन के सवाल के जवाब में रणबीर कपूर ने कहा, 'यार, यह मेरा ही बैड लक है। जब भी मैं कोई फिल्म शुरू करता हूं तो अक्सर लोग 4 या 6 महीने में फिल्म खत्म कर लेते हैं। लेकिन मेरी फिल्मों में बहुत टाइम लगता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि जब यह रिलीज होंगी, तो आप वह सारा टाइम भूल जाएंगे जो इसमें लगा है। मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि मैं पिछले 2-3 साल से सच में बहुत मेहनत कर रहा हूं। मुझे लगता है कि अच्छी चीजों में टाइम लगता है।'

इस साल रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' रिलीज होगी।

इसके पहला पार्ट दिवाली पर आएगा। वहीं दूसरा पार्ट अगले साल दिवाली पर रिलीज होगा। इसके अलावा वह संजय लीला भंसाली की एक फिल्म 'लव एंड वॉर' भी कर रहे हैं। इसमें आलिया भट्ट भी साथ नजर आएंगी। विक्की कौशल भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी का फरवरी महीने से है गहरा कनेक्शन 'दो दीवाने सहर में' की रिलीज से पहले किया खुलासा

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर अपकमिंग फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली है। फिल्म के दोनों कलाकारों ने फिल्म में काम करने को लेकर कई अहम बातें बताई हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है।

सब कुछ एकदम सही था

सिद्धांत ने बताया, 'जब मैं रवि (उद्यावर) सर के साथ काम कर रहा था, तो हमें एहसास हुआ कि हम एक रोमांटिक फिल्म बना रहे हैं। 'युद्रा' के बाद, मुझे सर का कॉल आया, और उन्होंने मुझे एक कहानी सुनाई। मैं इससे जुड़ गया। बहुत सी चीजें आसान तरीके से होती हैं, और मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। संजय लीला भंसाली सर प्रोड्यूसर थे और मृणाल मेरे साथ थीं, सब कुछ एकदम सही था। कहानी बहुत खूबसूरत थी।'

रवि के साथ काम करना चाहती थीं मृणाल

मृणाल ठाकुर ने डायरेक्टर रवि उदयवार के साथ काम करने को लेकर एएनआई से कहा 'मैंने हमेशा अपने मन में यह बात रखी थी कि मैं उनके साथ काम करना चाहती हूं। मुझे याद है कि जब मैं अपनी मां के साथ थी, तो मैं उनसे एक बिल्डिंग में मिली थी। मैंने उनसे थोड़ी देर बात की और भविष्य में उनके साथ काम करने की इच्छा जताई। जब 'दो दीवाने शहर में' मेरे पास आई, तो मैंने सोचा 'मृणाल के अलावा कोई रोशनी का रोल नहीं करेगा।''

सिद्धांत के लिए लकी है फरवरी

एक्टर ने कहा, 'फरवरी का महीना मेरे लिए हमेशा लकी रहा है। मेरी पहली फिल्म, गली बॉय, 14 फरवरी को रिलीज हुई और गहराइयां 1 फरवरी को। मैंने इसी महीने फिल्मों की शुरुआत की।' डायरेक्टर रवि उदयवार ने 'दो दीवाने सहर में' की कहानी की एक झलक दिखाते हुए कहा, 'यह कहानी इस जमाने के लिए बहुत जरूरी है। यह दो अधूरे लोगों के एक साथ मिलने की कहानी है।'

कब रिलीज होगी 'दो दीवाने सहर में'?

आपको बता दें रवि उदयवार के निर्देशन में बनी फिल्म के निर्माता संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार रंगा हैं। 'दो दीवाने सहर में' 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संजय लीला भंसाली और केतन मेहता साथ आए 'जय सोमनाथ' के लिए मिलाया हाथ

संजय लीला भंसाली और केतन मेहता बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर हैं। अब यह दोनों निर्देशक फिल्म 'जय सोमनाथ' के लिए साथ आए हैं। इस ऐतिहासिक कहानी के जरिए भारतीय संस्कृति और सभ्यता की अमूल्य विरासत बड़े पर्दे पर उतरेगी।

केतन मेहता संभालेंगे निर्देशन की कमान

'जय सोमनाथ' फिल्म का निर्माण भंसाली प्रोडक्शंस और माया मूवीज (केतन मेहता की प्रोडक्शन कंपनी) के बैनर तले किया जा रहा है। वहीं केतन मेहता इस फिल्म के लेखन और निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं। 'जय सोमनाथ' फिल्म 2027 में बड़े पर्दे पर दस्तक दे सकती है।

फिल्म में क्या होगी कहानी?

फिल्म 'जय सोमनाथ' की कहानी 1025-1026 ईस्वी के उस दौर में लेकर जाएगी। जब महमूद गजनी ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर हमला किया और उसे लूटा था। यह भारतीय इतिहास का एक ऐसा अध्याय है जो विनाश के बाद फिर से खड़े होने की ताकत को दिखाता है। सोमनाथ मंदिर की गौरव गाथा को इस फिल्म में दिखाया जाएगा।

क्यों खास है संजय लीला भंसाली और केतन मेहता यह प्रोजेक्ट

फिल्म 'जय सोमनाथ' संजय लीला भंसाली और केतन मेहता के लिए एक खास प्रोजेक्ट्स है। दरअसल, दोनों ही फिल्ममेकर गुजरात से ताल्लुक रखते हैं। वह सोमनाथ मंदिर के महत्व को, उसके इतिहास को अच्छे से समझते हैं। साथ ही दोनों एक उम्दा फिल्ममेकर हैं तो इस कहानी में जान डालने का काम बखूबी कर सकते हैं। सिनेमैटिक नजरिए भी यह फिल्म दर्शकों को चौंका सकती है।

खाने का तरीका बदला: शाम 6:44 बजे डिनर, 18% को सोफे पर खाना पसंद; 31 देशों के 31 हजार लोगों पर सर्वे

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अगर आपके घर में डाइनिंग टेबल नहीं है, या वह सिर्फ नाम की है और खाना अक्सर सोफे, पलंग या जमीन पर बैठकर खाया जाता है, तो हैरान मत होइए। आप अकेले नहीं हैं। दुनिया के कई विकसित और अमीर देशों में भी यही ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। फर्नीचर निर्माता आइकिया की 'कुकिंग एंड ईटिंग रिपोर्ट 2026' में यह चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है।

31 देशों के 31 हजार से ज्यादा लोगों पर किए गए इस वैश्विक सर्वे में खाने-पीने की आदतों, विचित्रताओं और बदलती जीवनशैली की झलक मिलती है। यह रिपोर्ट बताती है कि खाने का तरीका अब सिर्फ पेट भरने तक सीमित नहीं रहा। यह आदतें जीवनशैली, भावनाओं और पारिवारिक संबंधों का आईना बन चुका है।

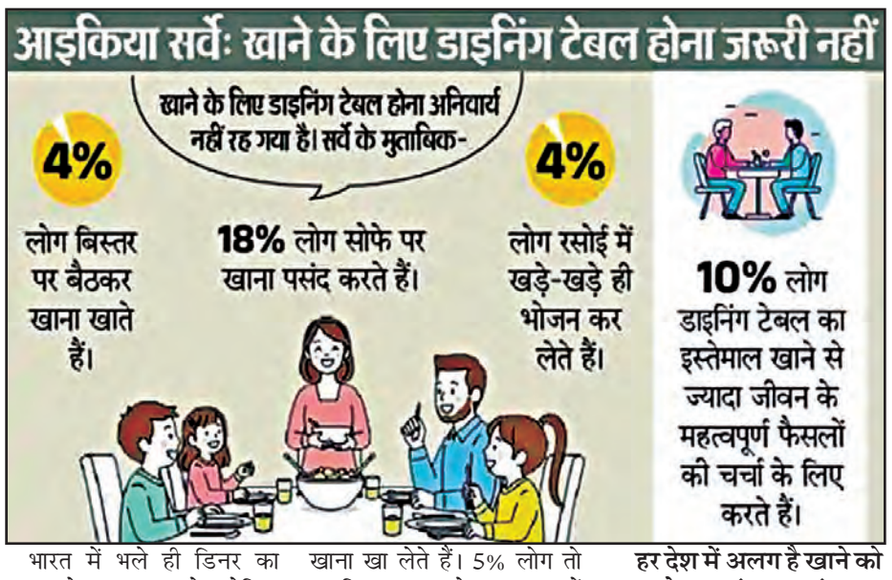

भारत में भले ही डिनर का टाइम देर रात का हो, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में औसतन लोग शाम 6:44 बजे तक डिनर खत्म कर लेते हैं। अधिकतर लोग 27 मिनट में खाना खा लेते हैं। 5% लोग तो 10 मिनट या उससे कम समय में ही खाना खत्म कर देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जितने ज्यादा सम्पन्न लोग होंगे, खाना खाने में उतना ज्यादा समय लगेगा।

हर देश में अलग है खाने को लेकर पसंद-नापसंद

- 40% लोग परिवार के साथ टीवी देखते हुए खाना खाते हैं।

(ब्रिटेन में लोगों के पास डाइनिंग टेबल न होने की संभावना 3 गुना अधिक है।)

- 55% जर्मनीवासी खाना बर्बाद न हो इसलिए बासी (एक दिन पहले का) भोजन भी खा लेते हैं।

- 27% भारतीयों के लिए खाना पकाना प्रेम की अभिव्यक्ति है। यह फ्रांस से 3 गुना ज्यादा है।

- 40% लोग ऐसा भोजन पसंद करते हैं जिससे उनकी बचपन की यादें जुड़ी हों।

- 20% लोग डिनर में लगभग हर बार एक जैसी डिश खाते हैं।

- 20% लोगों को आधी रात में कुछ न कुछ स्नैक चाहिए होता है।

- 46% लोग मीठा बहुत पसंद करते हैं, जबकि चीन में यह आंकड़ा 64% तक है। यानी चीन के भोजन में मीठा होना जरूरी है।

(दुनियाभर में लोग औसतन सप्ताह में 5 बार खाना पकाते हैं।)

लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद 7 साल से खाली

कांग्रेस सांसद ने सरकार के मंसूबे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, , 15 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में लोकसभा डिप्टी स्पीकर का पद सात साल से खाली होने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह कोई छोटी-मोटी प्रोसिजरल गलती नहीं है, बल्कि यह पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी के दिल पर चोट करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान के आर्टिकल 93 के मुताबिक सदन को एक स्पीकर और एक डिप्टी स्पीकर दोनों को चुनना होता है, और इस पद को खाली छोड़ना इस जरूरत का उल्लंघन है।

लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद सात साल से खाली पड़ा है। यह कोई छोटी-मोटी प्रोसिजरल गलती नहीं है। यह पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी के दिल पर चोट करती है। भारत के संविधान के आर्टिकल 93 के तहत, सदन एक स्पीकर और एक डिप्टी स्पीकर चुनेगा। यह शब्द 'may' नहीं है। यह shall है। फिर भी नरेंद्र मोदी की सरकार में डिप्टी स्पीकर की कुर्सी खाली है।

टैगोर ने बताया कि परंपरा के मुताबिक डिप्टी स्पीकर का पद आमतौर पर विपक्ष को दिया जाता है। यह प्रैक्टिस पार्लियामेंट्री कार्यवाही में बैलेंस, न्यूट्रैलिटी और डेमोक्रेटिक नियमों का सम्मान पक्का करती है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन के मामले में उन्होंने सरकार पर डिप्टी स्पीकर का पद जानबूझकर खाली रखने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या यह अकाउंटेबिलिटी के डर से था।

अकाउंटेबिलिटी का डर तो नहीं?

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि परंपरा के हिसाब से डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए, ताकि बैलेंस, न्यूट्रैलिटी और डेमोक्रेटिक नियमों का सम्मान पक्का हो सके। विपक्ष को उसकी सही जगह न देना संस्था को ही कमजोर करता है। अब, जब स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाया गया है, तो डिप्टी स्पीकर का न होना इस जानबूझकर खाली की गई जगह को और भी साफ तौर पर दिखाता है। क्या यह गवर्नेंस है? या यह अकाउंटेबिलिटी का डर है? विपक्ष को साइडलाइन करने के लिए संवैधानिक पदों को खाली रखना ताकत नहीं है। यह इनसिक्योरिटी है। डेमोक्रेसी किसी एक आदमी या एक पार्टी के बारे में नहीं है। यह संविधान का सम्मान करने के बारे में है। यह तब हुआ जब कांग्रेस सांसदों ने ओम बिरला के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन नोटिस दिया। उन्होंने उन पर साफ तौर पर पार्टीबाजी करने और विपक्षी नेताओं को बोलने से रोकने का आरोप लगाया।

आईएएस अवि प्रसाद कौन हैं? जिनकी तीसरी शादी की हो रही है चर्चा, पूर्व की दो पत्नियां हैं कलेक्टर

भोपाल, 15 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी अवि प्रसाद इन दिनों काफी चर्चा में हैं। कलेक्टर रहते हुए उनकी कामों की भी खूब चर्चा हुई थी। इन दिनों वह मध्य प्रदेश रोजगार गारंटी परिषद के सीईओ हैं। अवि प्रसाद अपनी तीसरी शादी के लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह दावा किया जा रहा है कि दो पत्नियों से तलाक के बाद अवि प्रसाद ने आईएएस आधिकारी अंकिता धाकरे से तीसरी शादी रचाई है।

2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं अवि प्रसाद

दरअसल, आईएएस अफसर अवि प्रसाद मूल रूप से यूपी के सीतापुर जिले के रहने वाले हैं। वह 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों में कलेक्टर भी रहे हैं। कलेक्टर रहने के दौरान कई मौकों पर उन्होंने संवेदनशीलता भी दिखाई है। कटनी कलेक्टर रहने के दौरान उन्होंने कुपोषण के खिलाफ जंग छेड़ी थी। यूपीएसएसी पास करने से पहले वह आरबीआई में भी काम कर चुके हैं।

तीसरी शादी को लेकर हो रही है चर्चा

वहीं, इन दिनों आईएएस अवि प्रसाद अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने आईएएस अधिकारी अंकिता धाकरे से तीसरी शादी रचाई

है। आईएएस अफसर अवि प्रसाद ने 2017 बैच की आईएएस अधिकारी अंकिता धाकरे से शादी की है। अंकिता भी मंत्रालय में डेप्युटी सेक्रेटरी रैंक की अधिकारी हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 11 फरवरी 2026 को कूनो स्थित एमपीटी के एक होटल में शादी की है। शादी में दोनों परिवारों के नजदीकी लोग ही पहुंचे थे। साथ ही समारोह को बेहद गोपनीय रखा गया था।

अशोकनगर की रहने वाली हैं अंकिता धाकरे

आईएएस अधिकारी अंकिता धाकरे अशोकनगर की रहने वाली हैं। कूनो रिसॉर्ट में हुई शादी में बेहद करीबी लोग शामिल हुए थे। अंकिता के पिता रविंद्र सिंह धाकरे रिटायर्ड फूड ऑफिसर रहे हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों में वह एसडीएम रही हैं।

अवि प्रसाद की पहले हो चुकी है दो शादियां

अवि प्रसाद की पहली शादी 2014 बैच की आईएएस अधिकारी रिजु बाफना के साथ हुई थी। रिजु बाफना भी 2014 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। बताया जाता है कि यह रिश्ता लंबे समय तक नहीं चल पाया है। कुछ ही दिनों के बाद दोनों के बीच में तलाक हो गया। यूपीएससी की तैयारी के दौरान दोनों की मुलाकात दिल्ली में हुई थी। वह आईएएस अफसर रिजु बाफना अभी मध्य प्रदेश के शाजापुर में कलेक्टर हैं।

इसके बाद अवि प्रसाद की दूसरी शादी आईएएस मिशा सिंह के साथ हुई थी। मिशा सिंह 2016 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। मिशा सिंह के साथ अवि प्रसाद का रिश्ता चार सालों तक रहा। इसके बाद दोनों अलग हो गए। मिशा सिंह अभी मध्य प्रदेश के रतलाम में कलेक्टर हैं। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर इस शादी की खूब चर्चा हो रही है। हालांकि अवि प्रसाद और अंकिता धाकरे की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। शादी का मसला बेहद निजी भी होता है। यह अवि प्रसाद का व्यक्तिगत फैसला है।

8वें वेतन आयोग के नाम पर हो रही बड़ी ठगी

सरकार ने जारी की चेतावनी, जानें सेफ रहने का तरीका

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने 8वें वेतन आयोग को ठगी का नया हथियार बना लिया है। अब साइबर अपराधी लोगों को 8वें वेतन आयोग के अनुसार अपनी सैलरी पता लगाने का लालच देकर ठग रहे हैं। इस तरह के मैसेज भेजकर लोगों के फोन में संदिग्ध ऐप APK साइडलोडिंग के जरिए से डाउनलोड कराए जा रहे हैं और लोगों के बैंक अकाउंट साफ किए जा रहे हैं।

8वें वेतन आयोग के लागू होने का इंतजार लाखों लोगों को है और इस बात का फायदा अब साइबर ठगी करने वाले उठा रहे हैं। दरअसल ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों ने सैलरी कैलकुलेटर के नाम से लोगों को ठगने का नया तरीका खोज निकाला है। इस बार ठगों के निशाने पर सरकारी सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगी हैं। ठगी का यह जाल इतना बड़ा है कि गृह मंत्रालय की साइबर सुरक्षा पहल 'साइबर दोस्त' ने इस खतरे को लेकर चेतावनी तक जारी की है।

ऑनलाइन ठगी करने वालों ने नए स्कैम को जन्म दिया है। इसे सैलरी कैलकुलेटर या 8वां वेतन आयोग स्कैम का नाम दिया गया है। इसमें ठग लोगों के अतिउत्साह का फायदा उठाते हैं। यह ऐप प्ले स्टोर से नहीं, बल्कि एपीके के जरिए साइड लोड कराई जाती है। बस इसके बाद शख्स को सामने वाले के फोन का पूरा एक्सेस मिल जाता है। इसके बाद लोगों के बैंक खाते खाली होने में समय नहीं लगता।

एक बार यूजर के फोन में ठग अगर एपीके फाइल को इंस्टॉल कराने में कामियाब रहते हैं, तो वे दूर से ही सामने वाले के फोन में हो रही हर गतिविधी को देख पाते हैं। ऐसे में आपके मैसेज या ओपीटी तक भी उनकी पहुंच बन जाती है। इसके बाद बिना किसी देरी के ठग आपके बैंक अकाउंट को खाली करने में जुट जाते हैं।

कई मामलों में तो पीड़ितों के खाते पूरी तरह खाली पाए गए हैं। साइबर एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये ऐप बैकग्राउंड में काम करते हैं और आपको पता भी नहीं चलता कि आपकी संवेदनशील जानकारी लीक हो रही है।

इस ठगी के तरीके में एपीके और साइड लोडिंग को हथियार बनाया जाता है। आसान भाषा में कहें, तो आम तौर पर आप गूगल के प्ले स्टोर से ही ऐप्स को डाउनलोड करते हैं। वहीं एपीके को साइडलोड करने का मतलब है कि बिना प्ले स्टोर पर जाए किसी ऐप को फोन में इंस्टॉल करना। इस तरह से इंस्टॉल होने वाले ऐप आमतौर पर खतरनाक ही होते हैं। यही वजह है कि गूगल की पॉलिसी के चलते इन्हें प्ले स्टोर पर जगह नहीं मिलती।

ठग मैसेज के रूप में ऐप की एपीके फाइल को लोगों के पास भेजते हैं और कुछ लालच देकर उसे उनके फोन में इंस्टॉल करवा लेते हैं। ठगी के इन मामलों में यह लालच 8वें वेतन आयोग के तहत अपनी सैलरी जानने का अतिउत्साह होता है।

साइबर दोस्त और सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कर दिया है कि भारत सरकार कभी भी व्हाट्सएप या किसी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए कोई एपीके फाइल नहीं भेजती। ऐसे में कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप खुद को इस तरह की ठगी से बचा सकते हैं।

इसके लिए सबसे पहले तो अनजान नंबरों से आने वाले मैसेज को डिलीट कर दें। जिन लोगों को आप जानते नहीं, उनसे किसी भी तरह की बातचीत आपका आर्थिक नुकसान करा सकती है।

WhatsApp पर आने वाले अनजान लिंक्स पर क्लिक न करें और अगर गलती से क्लिक हो जाए, तो खुलने वाले किसी भी पेज को तुरंत बंद कर दें। इसके अलावा अगर लिंक पर गलती से क्लिक होने पर कोई ऐप डाउनलोड होने लगे, तो उसे रोक दें और बेहतर रहेगा कि एक बार फोन को फैक्ट्री रीसेट कर लें।

इसके अलावा 8वें वेतन आयोग से जुड़ी जानकारी हो या किसी और सरकारी स्कीम का लाभ। उसके बारे में संबंधित वेबसाइट पर जाकर जानकारी लें न कि अनजान मैसेजेस में आने वाले लिंक्स के जरिए।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत

दो कॉन्स्टेबल सस्पेंड, पिता का आरोप- 50 हजार नहीं दिए तो बेटे को मार डाला, मजिस्ट्रेट कर रहे जांच

खजुराहो, 15 फरवरी (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के राजनगर थाने में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। शनिवार शाम करीब 5 बजे उसका शव चाइल्ड डेस्क के वॉशरूम में फांसी के फंदे पर मिला।

प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है, जबकि परिजनों ने हिरासत में मारपीट से मौत का आरोप लगाया है।

घटना के बाद थाने के बाहर तनाव की स्थिति बन गई थी। रात 12 बजे तक धरना प्रदर्शन चलता रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था।

परिजन और ग्रामीण युवक को पकड़कर थाने लाने वाले दो कॉन्स्टेबल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे थे।

देर रात छतरपुर एसपी अगम जैन ने जानकारी दी कि मामले की जांच मजिस्ट्रेट कर रहे हैं। दो कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके बाद धरना प्रदर्शन खत्म हो गया।

मृतक के पिता किशोरी पटेल ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि शनिवार सुबह 10 बजे दो पुलिसकर्मी (संजय कुमावत और शिवकुमार पाल) बिना किसी कारण के उनके बेटे को घर से उठाकर ले गए थे।

"पुलिसवाले बेटे को छोड़ने के बदले 50 हजार रुपए की मांग कर रहे थे। मैंने गांव वालों से पैसे उधार मांगकर व्यवस्था भी कर ली थी, लेकिन शाम को खबर मिली कि मेरे बेटे की मौत हो गई। उसकी मौत पिटाई से हुई है, उसने फांसी नहीं लगाई।"

बेटों ने बीमार मां को अपनों के साथ नहीं, मुर्दों के बीच छोड़ा

आगरा से सामने आई शर्मसार करने वाली घटना

आगरा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आगरा में जिस मां ने दोनों बेटों को अपनी आंख का तारा बनाकर पाला। उनके सुख के लिए अपनी हर खुशी को कुर्बान कर दिया। उस बुढ़ी मां को नहीं मालूम था कि बड़े होकर यह बेटे उसे बीमार होने पर मुर्दों के बीच कब्रिस्तान में छोड़कर भाग जाएंगे। ऐसा मामला शनिवार को न्यू आगरा थाना पुलिस के सामने आया।

थाना न्यू आगरा के कर्बला क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां बीमार मां को उसके बेटे कब्रिस्तान में छोड़कर भाग गए। लोगों की सूचना पर पुलिस कब्रिस्तान पहुंची। महिला ने पुलिस को बताया कि वह गुबरारी मथुरा निवासी रज्जो देवी है।

उसके दोनों बेटे यहां पर छोड़कर चले गए। इससे अधिक जानकारी नहीं दे पा रही है। एंबुलेंस चालक एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि सिसौदिया ने बताया कि न्यू आगरा थाना के कर्बला क्षेत्र में कब्रिस्तान के पास एक बुजुर्ग बीमार महिला लोगों को मिली।

इस पर पुलिस को सूचना दी गई। हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार की मदद से महिला को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। थाना न्यू आगरा प्रभारी ने बताया कि महिला के परिजन का पता लगाया जा रहा है। बीमारी के कारण महिला अपना नाम बता सकी और बेहोश हो गई। उसका इलाज चल रहा है।

विदेशी पोर्टफोलियो इन्वेस्टर भारत से पैसा क्यों निकाल रहे हैं?

आप सांसद राघव चड्ढा ने सरकार से पूछा

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बजट 2026 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवासी भारतीयों और भारत के बाहर रहने वाले लोगों के लिए भारतीय कंपनियों में इक्विटी निवेश की सीमा बढ़ा दी है। व्यक्तिगत निवेश की सीमा 5% से बढ़ाकर 10% और सभी पीआरओआई के लिए कुल निवेश सीमा को 10% से बढ़ाकर 24% कर दिया गया है। यह कदम विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ाने के लिए है।

बजट में भारत सरकार की इस पहल का आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने स्वागत किया है साथ ही उन्होंने सरकार से कुछ सवाल भी किए हैं। उन्होंने सरकार से पूछा है कि विदेशी पोर्टफोलियो इन्वेस्टर भारत से पैसा क्यों निकाल रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राघव चड्ढा ने संसद में बजट पर दी गई अपनी स्पीच के वीडियो के साथ एक पोस्ट लिखा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'मैं एनआरआई इन्वेस्टमेंट लिमिट बढ़ोतरी का स्वागत करता हूं। इससे 'डायस्पोरा कैपिटल' खुलेगा। हालांकि, हमें यह भी पूछना चाहिए कि एफआईआई और विदेशी पोर्टफोलियो इन्वेस्टर भारत से पैसा क्यों निकाल रहे हैं।'

उन्होंने आगे लिखा, संसद में मैंने एनआरआई इन्वेस्टमेंट लिमिट बढ़ाने की बात मानी थी। इससे लगभग 32 मिलियन एनआरआई को भारत में इन्वेस्ट करने का एक बड़ा मौका मिलता है। लेकिन यह तब हुआ जब विदेशी इन्वेस्टर पिछले एक साल में लगभग 23 बिलियन निकाल चुके हैं। एनआरआई के लिए दरवाजा खोलने के साथ-साथ, सरकार को विदेशी पैसे के बाहर जाने के पीछे के असली कारणों पर भी ध्यान देना चाहिए। क्योंकि अगर हम 'सस्टेनेबल कैपिटल फ्लो' चाहते हैं तो हमें भरोसा वापस लाना होगा, न कि सिर्फ लिमिट बढ़ानी होगी।

साली का शादी से इनकार देवर ने भाभी को मार डाला

हत्या के बाद खुद का गला काटा; 4 महीने पहले हुई थी शादी

मथुरा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। मथुरा में बड़े भाई की साली ने शादी से मना किया, तो देवर ने अपनी भाभी को ही मार डाला। उसके बाद खुद का गला काटकर जान देने की कोशिश की। घरवालों ने दोनों को खून से लथपथ देखा तो फौरन एम्बुलेंस से अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया, जबकि देवर का इलाज चल रहा। उसकी हालत गंभीर बनी है।

अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घरवालों से घटना के बारे में पूछताछ की। मामला रविवार को थाना नौहझील क्षेत्र का है। कटैलिया बागई गांव में ज्वाला प्रसाद रहते हैं। उनके दो बेटे दीपक (23) और कालू (25) हैं। कालू की शादी 4 महीने पहले करिश्मा से बलदेव में सामूहिक विवाह समारोह में हुई थी। इस समारोह में दीपक भी गया था। वहां करिश्मा की कालू से और उसकी बहन की दीपक से शादी होनी थी। लेकिन, करिश्मा की बहन ने दीपक से शादी करने से इनकार कर दिया था। तभी से दीपक भाभी और उसके परिवारवालों से नाराज चल रहा था।

रविवार दोपहर कालू और उसके पिता खेत पर थे। इसी दौरान दीपक का अपनी भाभी करिश्मा से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसके बाद गुस्से में उसने भाभी की हत्या कर दी। फिर ब्लेड से खुद का गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया।

चलती कार पर गिरा पोल, सपा नेता की मौत

1000 किलो वजनी था गाड़ी 2 फीट उछली

प्रतापगढ़, 15 फरवरी (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ में सपा नेता की चलती कार पर 1000 किलो वजनी हाईमास्ट लाइट का पोल गिर गया। मौके पर ही सपा नेता की मौत हो गई। वह चीख भी नहीं पाए। पोल कार के ड्राइवर वाले हिस्से में आगे की ओर गिरा। इससे कार पीछे से दो फीट ऊपर उठ गई। घटना रविवार दोपहर एक बजे अंतू क्षेत्र के बाबूगंज बाजार की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। भारत पेट्रोलियम के सामने हाईमास्ट लाइट लगाने का काम चल रहा था। मजदूर पोल खड़ा कर रहे थे। इसी दौरान अनियंत्रित होकर पोल गिर गया। घटना के समय सपा नेता लाल बहादुर यादव अपनी क्रेटा कार से शहर की ओर आ रहे थे। लालबहादुर यादव (47) ने वर्ष 2022 में अंतू नगर पंचायत से चुनाव लड़ा था। वह पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार थे और उनके पास देशी शराब का ठेका भी था।

यूपी में चाची-भतीजे की शादी, पति ने करवाए 7 फेरे

बोला- छिप-छिपकर मिलती थी, डर था कि हत्या न करवा दे

बागपत, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बागपत में चाची और भतीजे ने शादी कर ली। थाने के बाहर एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए। यह सब महिला के पति की मर्जी से हुआ। पति का कहना है कि पत्नी खाने में नींद की दवा मिलाकर मुझे और बच्चों को सुला देती थी और भतीजे के पास चली जाती थी। उसने कहा- अगर वह शादी नहीं कराता, तो मुझे मेरठ की मुस्कान की तरह मारकर नीले ड्रम में भर देती। अब मेरा पत्नी से कोई लेना-देना नहीं है। पत्नी ने मुझे मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ा। अब मैं अपने बच्चों को लेकर कहीं और चला जाऊंगा।

शादी के बाद चाची-भतीजा घर नहीं गए। घरवालों का कहना है कि दोनों दूसरे शहर चले गए। 28 साल की महिला की शादी 8 साल पहले हुई थी। 5 साल से उसका 22 साल के भतीजे से अफेयर चल रहा था। मामला दोघट थाना क्षेत्र का है।

जमुई में ससुर-बहू की मौत, बच्चे समेत 4 घायल

रिसेप्शन पार्टी से लौट रहा था परिवार, पेड़ से टकराई कार

जमुई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। जमुई में रविवार सुबह रिसेप्शन पार्टी से लौटते समय रिटायर्ड सीआईएसएफ कर्मी और उनकी बहू की मौत हो गई। वे अपने पूरे परिवार के साथ भांजे की शादी में गए थे और लौटते वक्त कार में कुल छह लोग सवार थे, जिनमें चार लोग घायल हो गए। चकाई-देवघर मुख्य मार्ग पर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे ससुर और बहू की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 70 वर्षीय रिटायर्ड सीआईएसएफ कर्मी कृष्णनंदन सिंह और उनकी बहू रिंकू देवी के रूप में हुई है।

सूचना मिलते ही चंद्रमंडी थाना प्रभारी गजेंद्र कुमार, अपर थाना प्रभारी लक्ष्मण प्रसाद और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए देवघर भेज दिया है।

यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने की भारत की तारीफ

एआई समिट से पहले कहा– 'देश में दम है।'

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत को एक 'बेहद सफल' उभरती अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा है कि वैश्विक स्तर के एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत बिल्कुल सही जगह है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का लाभ पूरी दुनिया को मिलना चाहिए, न कि यह केवल कुछ ताकतवर देशों तक सीमित रहे।

भारत को दी बधाई, एआई सबके लिए हो

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 'इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले एक इंटरव्यू में कहा कि भारत इस बड़े आयोजन के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। उन्होंने भारत को शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए बधाई दी और कहा कि एआई का विकास ऐसा होना चाहिए जिससे हर देश को फायदा मिले।

'ग्लोबल साउथ' को भी मिले एआई का लाभ

गुटेरेस ने कहा कि यह जरूरी है कि

एआई केवल विकसित देशों या दो महाशक्तियों का विशेष अधिकार न बने। उन्होंने कहा कि अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका के विकासशील देशों, जिन्हें 'ग्लोबल साउथ' कहा जाता है, को भी एआई की तकनीक और उसके फायदों में बराबर हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने साफ कहा, 'यह पूरी तरह गलत है कि एआई सिर्फ सबसे विकसित देशों का ही हक हो।'

16 से 20 फरवरी तक होगा शिखर सम्मेलन

'इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आयोजन 16 से 20 फरवरी तक किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब 'ग्लोबल साउथ' के किसी देश में इस स्तर का एआई शिखर सम्मेलन आयोजित होगा। कार्यक्रम तीन मुख्य विचारों- लोग, धरती और प्रगति-पर आधारित होगा। गुटेरेस इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आएंगे।

एआई मानवता के हित में हो

महासचिव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसा साधन बने जो पूरी मानव जाति के काम आए। उन्होंने कहा कि एआई में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसके साथ जोखिम भी जुड़े हैं, इसलिए इस पर खुलकर और गहराई से चर्चा जरूरी है।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका

गुटेरेस ने कहा कि आज भारत एक मजबूत और तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में भी अहम भूमिका निभा रहा है। उनके मुताबिक, भारत में इस सम्मेलन का आयोजन यह दिखाता है कि एआई जैसे बड़े मुद्दे पर चर्चा केवल कुछ देशों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरी दुनिया को इसमें शामिल होना चाहिए।

33 महीनों से गर्त में फंसता जा रहा चीन

30 साल में कभी नहीं हुआ ऐसा, दुनिया के लिए क्या संकेत?

नई दिल्ली,15 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के बाद चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन पिछले कई साल से वहां डिफ्लेशन की स्थिति बनी हुई है। वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में गिरावट को डिफ्लेशन कहते हैं। मतलब चीन की कंपनियां डिमांड से ज्यादा माल बना रही हैं और उन्हें कम कीमत पर सामान बेचना पड़ रहा है।

फाइनेंशियल ईयर 2025 की चौथी तिमाही में जीडीपी डिफ्लेटर में .07 फीसदी गिरावट आई। यह देशभर में कीमतों को मापने का पैमाना है। चीन में डिफ्लेशन के हाल-फिलहाल रुकने के संकेत नहीं हैं। जीडीपी डिफ्लेटर में लगातार 11वीं तिमाही में गिरावट आई है। यह कम से कम 30 साल में डिफ्लेशन का सबसे लंबा सिलसिला है। 2008 के वित्तीय संकट के दौरान देश में डिफ्लेशन की स्थिति केवल दो तिमाही तक रही थी। जनवरी में देश में प्रोड्यूसर प्राइस में 1.4 फीसदी गिरावट आई। इस तरह देश में फैक्ट्री इनफ्लेशन में लगातार 40वें महीने गिरावट रही है। देश में प्रॉपर्टी मार्केट संकट के कारण कंज्यूमर डिमांड पहले से ही काफी कमजोर है। कई जानकारों का कहना

है कि चीन मंदी में फंस चुका है।

दुनिया के लिए चिंताजनक

चीन में डिफ्लेशन के लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। आमतौर पर जब इकॉनमी में फंड की सप्लाई और क्रेडिट में गिरावट होती है तो डिफ्लेशन की स्थिति पैदा होती है। इससे चीन की इकॉनमी में जापान की तरह ठहराव आने की आशंका जताई जा रही है। जापान की इकॉनमी एक जमाने में रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रही थी और माना जा रहा था कि वह अमेरिका को पीछे छोड़ देगा। लेकिन डिफ्लेशन के कारण 1990 के दशक में जापान की इकॉनमी में ठहराव आ गया था। यही वजह है कि चीन में डिफ्लेशन पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक है क्योंकि वह पिछले कई दशक से ग्लोबल इकॉनमी का इंजन बना हुआ है।

दुनिया की 15 दिग्गज टेक कंपनियों ने बनाया अलायंस

मुकेश अंबानी की कंपनी को भी मिली जगह

नई दिल्ली,15 फरवरी (एजेंसियां)। अफ्रीका, एशिया, यूरोप और नॉर्थ अमेरिका की 15 अग्रणी कंपनियों ने 'ट्रस्टेड टेक अलायंस' के गठन की घोषणा की है। यह समान सोच वाले वैश्विक टेक्नोलॉजी प्रदाताओं का एक समूह है। जो कनेक्टिविटी, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, सॉफ्टवेयर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक फैले टेक्नोलॉजी स्टैक के लिए भरोसेमंद और सत्यापित मानक विकसित करने के लिए साथ आए है। इसमें भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स भी शामिल है। ट्रस्टेड टेक अलायंस का हिस्सा बनने वाली कंपनियों में एंथ्रोपिक, एडब्ल्यूएस, कसावा टेक्नोलॉजीज, कोहियर, एरिक्सन, गूगल क्लाउड, हनवा, भारत की जियो प्लेटफॉर्म्स, माइक्रोसॉफ्ट, नोकिया, एनस्केल, एनटीटी, रैपिडस, साब और सैप शामिल हैं। जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान इस एलायंस का ऐलान किया गया। यह अलायंस सीमाओं से परे जाकर कनेक्टिविटी, क्लाउड अवसंरचना, सेमीकंडक्टर से लेकर सॉफ्टवेयर और कृत्रिम मेधा (एआई) तक, एक भरोसेमंद 'टेक्नोलॉजी स्टैक' के साझा सिद्धांतों पर काम करने के लिए बनाया गया है। इन सिद्धांतों को यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है कि इस गठबंधन में

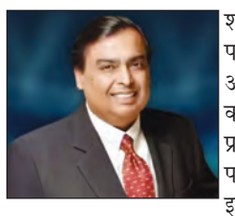

शामिल कंपनियां पारदर्शिता, सुरक्षा और डेटा सुरक्षा की साझा प्रतिबद्धताओं का पालन करेंगी। इसका उद्देश्य विश्वास कायम करना और दुनिया भर के लोगों तक प्रौद्योगिकी के लाभ पहुंचाना है। एक बयान के मुताबिक, प्रौद्योगिकी बदलाव की अभूतपूर्व गति और बढ़ते जटिल माहौल के जवाब में, देश और ग्राहक अब प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और उनकी सेवाओं में अधिक विश्वसनीयता और मजबूती की तलाश कर रहे हैं। डिजिटल प्रौद्योगिकियों और व्यक्तियों एवं समाजों पर उनके संभावित नकारात्मक प्रभावों को लेकर भी संदेह बना हुआ है। ऐसे माहौल में, यह महत्वपूर्ण है कि इन चिंताओं को दूर करने के लिए पूरी 'टेक स्टैक' से जुड़ी कंपनियां एक साथ आएं।

जियो प्लेटफॉर्म्स के सीईओ किरण थॉमस ने बयान में कहा कि वैश्विक स्तर पर समावेशी डिजिटल वृद्धि के लिए विश्वसनीय, सुरक्षित और पारदर्शी प्रौद्योगिकी अनिवार्य है। जियो प्लेटफॉर्म्स को तकनीकी मानकों और सत्यापन योग्य प्रथाओं को आगे बढ़ाने के लिए 'ट्रस्टेड टेक अलायंस' में शामिल होने पर गर्व है।'

देश की टॉप 6 कंपनियों ने 5 दिन में गंवा दिए 3 लाख करोड़, किसे हुआ सबसे ज्यादा घाटा?

नई दिल्ली,15 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 953.64 अंक या 1.14 प्रतिशत नीचे आया। इससे सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं।

टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलआईसी और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। वहीं एसबीआई, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत बढ़ गई। आईटी कंपनियों को पिछले हफ्ते सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 90,198.92 करोड़ रुपये कम होकर 9,74,043.43 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह इन्फोसिस का मूल्यांकन 70,780.23 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,55,287.72 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 54,627.71 करोड़ रुपये घटकर 13,93,621.92 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 41,883 करोड़ रुपये घटकर 19,21,475.79 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 23,971.74 करोड़ रुपये घटकर 5,46,226.80 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 19,244.61 करोड़ रुपये घटकर 11,43,044.03 करोड़ रुपये रह गया।

कौन रहा फायदे में?

इस रुख के उलट एसबीआई का मूल्यांकन 1,22,213.38 करोड़ रुपये बढ़कर 11,06,566.44 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 26,414.44 करोड़ रुपये बढ़कर 6,37,244.64 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 14,483.9 करोड़ रुपये बढ़कर 5,74,028.93 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 5,719.95 करोड़ रुपये बढ़कर 10,11,978.77 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस और एलआईसी का स्थान रहा।

तीन गुना से ज्यादा बढ़ गई अमेरिका की टैरिफ से कमाई, कम होने लगा बजट घाटा

नई दिल्ली,15 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। इससे अब सरकार की कमाई बढ़ने लगी है। यूएस ट्रेजरी के बजट पर भी इसका असर साफ दिखाई देने लगा है। जनवरी में बजट घाटा पिछले साल के मुकाबले 26 फीसदी गिरकर 95 अरब डॉलर रहा। फाइनेंशियल ईयर 2026 के पहले चार महीनों में सरकार का बजट घाटा पिछले साल के मुकाबले 17 फीसदी घटकर 697 अरब डॉलर रह गया। हालांकि अब भी यह साल के पहले चार महीनों में अब तक का तीसरा सबसे बड़ा घाटा है। इस दौरान सरकार का रेवेन्यू 12 फीसदी की तेजी के साथ 1.8 ट्रिलियन डॉलर रहा। इसमें टैरिफ रेवेन्यू की सबसे ज्यादा भूमिका है जो साल के पहले चार महीनों में 304 फीसदी उछलकर 124 अरब डॉलर रहा। अमेरिका में नया फाइनेंशियल ईयर अक्तूबर से शुरू होता है। साल के पहले चार महीनों के दौरान सरकार को व्यक्तिगत इनकम टैक्स से 924 अरब डॉलर की कमाई हुई। सोशल इंश्योरेंस और रिटायरमेंट से 579 अरब डॉलर, कॉरपोरेट इनकम टैक्स से 112 अरब डॉलर और एक्साइज टैक्स से 31 अरब डॉलर की कमाई हुई।

सरकार का खर्च

साल के पहले चार महीनों में सरकार का खर्च 2 फीसदी बढ़कर 2.5 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। इस दौरान सोशल सिक्योरिटी पर सरकारी खर्च 540 अरब डॉलर रहा। इसी तरह मेडिकेयर पर 403 अरब डॉलर, ब्याज चुकाने में 346 अरब डॉलर, नेशनल डिफेंस पर 341 अरब डॉलर, हेल्थ पर 338 अरब डॉलर, इनकम सिक्योरिटी पर 216 अरब डॉलर, पूर्व सैनिकों पर 150 अरब डॉलर, शिक्षा पर 61 अरब डॉलर, ट्रांसपोर्टेशन पर 43 अरब डॉलर और दूसरे मद पर 43 अरब डॉलर का खर्च आया।

भारत-यूएस ट्रेड डील से विदेशी निवेशकों की वापसी

फरवरी में कर चुके 19,675 करोड़ की खरीदारी

नई दिल्ली,15 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में 19,675 करोड़ रुपये डाले हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई का यह प्रवाह लगातार तीन माह की भारी बिकवाली के बाद हुआ है। एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे। कुल मिलाकर, 2025 में, एफपीआई ने भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) की निकासी की है। यह एफपीआई के प्रवाह की दृष्टि से सबसे खराब वर्षों में रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (13 फरवरी तक) शेयरों में 19,675 करोड़ रुपये का निवेश किया है।मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख प्रबंधक-शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हाल की खरीदारी को वैश्विक वृहद चिंताओं में कमी, खासकर अमेरिका के नरम महंगाई आंकड़ों से समर्थन मिला है। इससे उनकी भारत समेत उभरते बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बेहतर हुई है। इसी तरह की राय जताते हुए एंजेल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक

वकार जावेद खान ने कहा कि यह प्रवाह अमेरिका-भारत व्यापार करार, समर्थन देने वाले 2026-27 के आम बजट और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं में कमी की वजह से देखने को मिला है। एफपीआई फरवरी माह के 11 कारोबारी सत्रों में से सात में शुद्ध लिवाल रहे और चार सत्रों में बिकवाल रहे। इसके बावजूद आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने इस महीने शुद्ध रूप से 1,374 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। इसकी वजह यह है कि 13 फरवरी को निफ्टी में 336 अंक की गिरावट के दौरान एफपीआई ने 7,395 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस सप्ताह 'एंथ्रोपिक झटके' की वजह से आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली।

ब्राजील राष्ट्रपति का भारत दौरा; रेयर अर्थ मामले में होने वाला है 'खेला', चीन को लगेगी मिर्ची

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। आगामी 18 से 22 फरवरी के बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा का भारत दौरा होने वाला हैं। इस राजनीतिक यात्रा के बहुत से मायने निकाले जा रहे हैं। जहां पूरी दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता और वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल का माहौल है, वहीं इस समय ब्राजील के राष्ट्रपति का यह दौरा दोनों ही देशों के लिए नए रास्ते खोल सकता है। ब्राजील के राजदूत केनेथ एच। दा नोब्रेगा ने इस यात्रा को लेकर संकेत भी दिए हैं। उन्होंने कहा हैं कि, यह यात्रा दोनों ही देशों के फार्मास्यूटिकल्स, रेयर अर्थ और आपसी सहयोग के क्षेत्र में बड़ा कदम साबित हो सकता है। उनके इस बयान के बाद रेयर अर्थ को लेकर चीन समेत पूरी दुनिया की नजर भारत- ब्राजील के बीच होने

वाली बातचीत पर होगी।

भारत–ब्राजील व्यापार को नई ऊंचाई देने का लक्ष्य

बदलते वैश्विक माहौल में जब सप्लाई चेन पर दबाव है और पारंपरिक व्यापार मार्ग कमजोर पड़ रहे हैं। ऐसे समय में भारत, ब्राजील के साथ आर्थिक रिश्तों को नई दिशा देने का प्रयास कर रहा हैं। भारत लैटिन अमेरिका में अपनी मौजूदगी को और अधिक मजबूत करना चाहता हैं।वहीं, ब्राजील अमेरिका और चीन जैसे पुराने साझेदारों पर अपनी निर्भरता कम करने का प्रयास कर रहा हैं। दोनों देशों के बीच अगर डील होती है तो दोनों के लक्ष्यों की पूर्ति होगी। इसी कड़ी में दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा करीब 12.19 अरब डॉलर से बढ़ाकर 20 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

रेयर अर्थ डील से चीन को लगेगी मिर्ची

पूरी दुनिया रेयर अर्थ के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भर है। चीन के पास वैश्विक रेयर अर्थ खजाने का एक बड़ा हिस्सा है।

यही कारण है कि चीन रेयर अर्थ के मामले में अपनी चाल चलता रहता है। वहीं, ब्राजील के पास रेयर अर्थ मिनरल का एक बड़ा स्रोत मौजूद हैं। स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए जरूरी लिथियम समेत कई अहम खनिजों के भंडार के मामले में ब्राजील मजबूत स्थिति में है।

दुनिया के टॉप 10 रईसों में आए तीन भाई-बहन,कई देशों की जीडीपी से ज्यादा है परिवार की दौलत

नई दिल्ली,15 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया के टॉप रईसों की लिस्ट में हाल में काफी उलटफेर देखने को मिला है। वॉरेन बफे और स्टीव बालमर जैसे दिग्गज टॉप 10 से बाहर हो चुके हैं जबकि एक ही परिवार के तीन भाई-बहनों ने इसमें जगह बनाई है। इनमें जिम वॉल्टन, उनके भाई बॉब वॉल्टन और बहन एलिस वॉल्टन शामिल हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स में जिम आठवें, बॉब नौवें और एलिस दसवें नंबर पर शामिल हैं। एलिस दुनिया की सबसे रईस महिला अरबपति हैं। इन तीनों का संबंध वॉल्टन परिवार से है जो रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी वॉलमार्ट की प्रमोटर फैमिली है। इस परिवार के दो अन्य सदस्यों को भी दुनिया को टॉप 100 रईसों में जगह मिली है।

वॉल्टन फैमिली को दुनिया का सबसे रईस परिवार माना जाता है। वॉलमार्ट में वॉल्टन परिवार की 47% हिस्सेदारी है। इस कंपनी की स्थापना साल 1962 में सैम वॉल्टन ने की थी। सैम वॉल्टन के बेटे जिम वॉल्टन $158 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में आठवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ

में 21.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। उनके भाई रॉब वॉल्टन $154 अरब की नेटवर्थ के साथ नौवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 20.7 अरब डॉलर बढ़ी है।

दुनिया का सबसे रईस परिवार

जिम और बॉब की बहन एलिस वॉल्टन $154 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 21 अरब डॉलर की तेजी आई है। सैम वॉल्टन के एक बेटे जॉन वॉल्टन की मौत हो चुकी है। उनके पुत्र लुकास वॉल्टन की नेटवर्थ $53.9 अरब है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 33वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की विधवा क्रिस्टी वॉल्टन $25.4 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 100वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की 2005 में एक हवाई हादसे में मौत हो गई थी। इससे क्रिस्टी वॉल्टन को वॉलमार्ट में करीब 2% हिस्सेदारी मिली थी। टॉप 100 रईसों में शामिल वॉल्टन परिवार के पांच सदस्यों की कुल नेटवर्थ 545 अरब डॉलर है जो ग्रीस, हंगरी और ईरान जैसे कई देशों की जीडीपी से ज्यादा है। वॉलमार्ट के दुनिया के 19 देशों में 10,500 से अधिक स्टोर हैं। वॉल्टन का बिजनेस पूरी तरह डिस्काउंट कल्चर पर आधारित था और यही वजह है कि मंदी के दौरान भी इसका स्टॉक हमेशा तेजी में रहा। वॉलमार्ट रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। पिछले साल कंपनी का रेवेन्यू 703.06 अरब डॉलर रहा था। वहीं मार्केट कैप के मामले में यह 1.067 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया में 12वें नंबर पर है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	कुंभ	मे
चंद्र	मकर	मे
मंगल	मकर	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	कुंभ	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कुंभ	05-34 बजे
मीन	06-34 बजे
मेष	08-13 बजे
वृष	09-49 बजे
मिथुन	11-33 बजे
कर्क	13-33 बजे
सिंह	15-46 बजे
कन्या	17-58 बजे
तुला	20-05 बजे
वृश्चिक	22-10 बजे
धनु	00-20 बजे
मकर	02-33 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-45
सूर्यास्त. 18 -14
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष सोमवार 16 February 2026
तिथि - चतुर्दशी 17-34 तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - श्रवण 20-47 तक उप धनिष्ठा
योग - वरियान 01-49 रात तक उप. परिघ
करण - शकुनि 17-34 तक. चतुष्पाद

स्वामी दयानन्द बोधोत्सव
सर्वार्थसिद्ध योग

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 08-10 से 09-37 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया

अमृत	06-45 - 08-10	शुभ
काल	08-10 - 09-37	अशुभ
शुभ	09-37 - 11-04	शुभ
रोग	11-04 - 12-30	अशुभ
उत्पात	12-30 - 13-57	अशुभ
चंचल	13-57 - 15-24	शुभ
लाभ	15-24 - 16-50	शुभ
अमृत	16-50 - 18-14	शुभ

रात का चौघडिया

चंचल	18-14 - 19-50	शुभ
रोग	19-50 - 21-24	अशुभ
काल	21-24 - 22-57	अशुभ
लाभ	22-57 - 00-30	शुभ
उत्पात	00-30 - 02-03	अशुभ
शुभ	02-03 - 03-37	शुभ
अमृत	03-37 - 05-10	शुभ
चंचल	05-10 - 06-45	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यों को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपकी महत्वाकांक्षा और रचनात्मकता में वृद्धि होगी, जिससे आप अपने करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए उत्सुक होंगे। आप ऊर्जा और पहल से भरपूर हैं, आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। आपकी तीक्ष्ण सोच आपको अवसरों को शीघ्रता से पहचानने में मदद करती है, हालाँकि संघर्ष की किसी भी प्रवृत्ति को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

शांत, केंद्रित मानसिकता आपको कार्यों को मजबूती और निरंतरता के साथ करने में मदद करती है। आपको कुछ क्षणों के लिए हिचकिचाहट या संयम का अनुभव हो सकता है, लेकिन निरंतर प्रयास सफलता सुनिश्चित करता है। पढ़ाई में किसी भी देरी के साथ धैर्य रखें। व्यावहारिक बुद्धि आपके विकास में सहायक होती है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपका स्वाभाविक करिश्मा निखरता है, जिससे आपके आस-पास के लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना आसान हो जाता है। आप साहसिक विचारों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ पहल करेंगे और उत्साह के साथ परियोजनाओं को आगे बढ़ाएँगे। भावनात्मक बुद्धिमत्ता अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप अपने परिवार के हित और अपने व्यावसायिक हित के बीच अपने आप को फंसा हुआ पाएंगे । अपने परिवार के कल्याण को चुने और थोड़ी देर के लिए अन्य बातों को बस्ते में डाल दे । आपका वित्तीय भाग्य बहुत मजबूत है। आप आज बोली भी लगा सकते हैं और उसमे जीतने की संभावना काफी प्रबल है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपकी रचनात्मकता और अनुशासन एक साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे आपको केंद्रित और उत्पादक बने रहने में मदद मिलती है। आप भावनात्मक रूप से असंगत महसूस कर सकते हैं, जो दूसरों के साथ आपके व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। सत्ता संघर्ष से बचें या टीम वर्क में अभिमान को हस्तक्षेप करने न दें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा आप इन घटनाओ की वहज से ऐसी नौकरी छोड़ सकते है जिससे आप काफी संतुष्ट है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत आदिवासी पार्टी को बड़ा झटका

संस्थापक सदस्य मणिलाल गरासिया समेत 10 नेता कांग्रेस में शामिल, लगाए सनसनीखेज आरोप

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में भारत आदिवासी पार्टी को रविवार को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी के स्तंभ माने जाने वाले संयोजक संरक्षक प्रो. मणिलाल गरासिया ने अपने दर्जनों पदाधिकारियों के साथ बीएपी का दामन छोड़ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। यह घटनाक्रम वागड़ अंचल की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ माना जा रहा है।

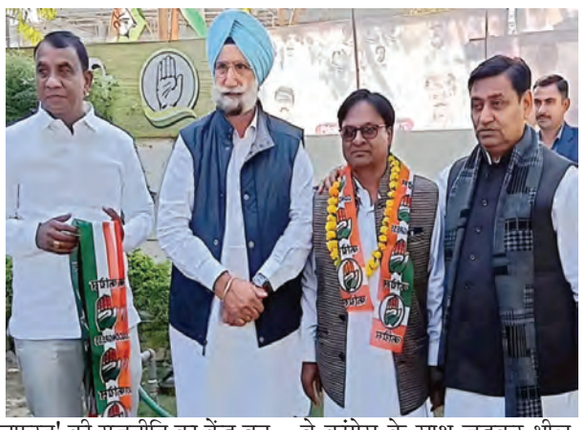

कांग्रेस मुख्यालय में सदस्यता लेने के बाद प्रो. मणिलाल गरासिया ने बीएपी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि जिस उम्मीद के साथ आदिवासियों की आवाज उठाने के लिए इस मंच को तैयार किया गया था, वह अब 'जातिवाद और नफरत' की राजनीति का केंद्र बन गया है।

गरासिया ने आरोप लगाया कि कुछ नेताओं के निजी स्वार्थ और दिशाहीनता के कारण क्षेत्र का विकास पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। उन्होंने संकल्प लिया कि अब वे कांग्रेस के साथ जुड़कर भील युवाओं को जातिवादी राजनीति के चंगुल से बाहर निकालेंगे।

पूरी टीम के साथ हुआ 'शक्ति प्रदर्शन'

प्रो. गरासिया अकेले नहीं गए, बल्कि उनके साथ बांसवाड़ा जिले की पूरी टीम ने पाला बदल लिया है। कांग्रेस में शामिल होने वाले प्रमुख नामों में शामिल हैं दिलीप पणदा- पूर्व जिलाध्यक्ष, बीटीपी, नारायण बामणिया- गढ़ी ब्लॉक अध्यक्ष, शंकर मईडा- तलवाड़ा अध्यक्ष, सनी भाई डेंडोर- ब्लॉक अध्यक्ष, ट्राइबल मजदूर संघ समेत अन्य पदाधिकारी हेनरी पटेल, नितेश कतिजा, मनीष मईडा, पवन बुझ और दिनेश डाबी।

वागड़ की राजनीति पर असर

प्रो. मणिलाल गरासिया न केवल गढ़ी विधानसभा से चुनाव लड़ चुके हैं, बल्कि वे भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के भी संरक्षक रहे हैं। वर्तमान में शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष होने के नाते उनकी पकड़ बौद्धिक और युवा वर्ग पर मजबूत मानी जाती है।

'राहुल को मोदी की आंखों में डर दिखता है तो हम क्या करें?'

राठौड़ का डोटासरा पर करारा तंज

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में 'बयानों के बाण' अब और तीखे हो गए हैं। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राहुल गांधी के बयानों की धज्जियां उड़ाते हुए करारा पलटवार किया है। राठौड़ ने साफ कहा कि कांग्रेस अब केवल 'भ्रम और अफवाहों' की फैक्ट्री बनकर रह गई है, लेकिन अब जनता उनके झांसे में आने वाली नहीं है।

'ट्रबल इंजन' नहीं, कांग्रेस खुद ट्रबल में है

दरअसल, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने हाल ही में भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार को 'डबल इंजन' के बजाय 'ट्रबल इंजन' करार दिया था। इस पर चुटकी लेते हुए मदन राठौड़ ने कहा, 'कांग्रेस को अब हर जगह 'ट्रबल' ही नजर आएगी क्योंकि जनता अब सिर्फ मांगने वाली नहीं, बल्कि देने वाली स्थिति में आ रही है। लोग जागरूक हो चुके हैं और शांति व विकास चाहते हैं। कांग्रेस ने हमेशा झूठ की राजनीति कर वोट बटोरे हैं, लेकिन अब उनकी चालें उन्हीं पर भारी पड़ने वाली हैं।'

संसद में राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी की आंखों में 'डर' देखने और मार्शल आर्ट के 'चोक' वाले उदाहरण पर राठौड़ ने तीखा तंज कसा। राठौड़ ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अगर राहुल गांधी को मोदी जी की आंखों में डर दिखता है, तो इसमें हम क्या कर सकते हैं? यह उनके देखने का नजरिया है।' उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि पीएम मोदी सबको समान नजर से देखते हैं और सही दिशा में देश का नेतृत्व कर रहे हैं। मोदी जी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है, और वे किसी भी नागरिक का अहित बर्दाश्त नहीं करते। राठौड़ ने डंके की चोट पर कहा कि जो लोग देश का बुरा चाहते हैं या अहित करने की कोशिश करते हैं, उन्हें मोदी जी की आंखों से डरना ही चाहिए। यह डर देशहित के लिए अच्छा है।

क्या था राहुल गांधी का आरोप?

आपको बता दें कि राहुल गांधी ने संसद में एपस्टीन फाइलों का जिक्र करते हुए दावा किया था कि पीएम मोदी की आंखों में एक अजीब सा दबाव और डर दिखता है। उन्होंने मार्शल आर्ट की तकनीक का उदाहरण देते हुए कहा था कि जैसे गला घुटने पर इंसान की आंखों में खौफ आता है, वैसा ही डर मोदी जी की आंखों में है और वे आंख से आंख नहीं मिला पा रहे हैं।

46 हजार करोड़ का निवेश

12 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई रफ्तार देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की छठी बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज देने की मंजूरी दी गई, जिससे करीब 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। इन परियोजनाओं से राज्य में 12 हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है।

बैठक में सोलर मॉड्यूल एवं सेल मैन्युफैक्चरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस एवं मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, केमिकल, टैक्सटाइल और पर्यटन जैसे प्रमुख सेक्टरों के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। इन सभी परियोजनाओं को रिप्स के तहत विशेष प्रोत्साहन पैकेज उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उद्योगों की स्थापना और विस्तार की प्रक्रिया तेज होगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कंपनियों को कस्टमाइज्ड पैकेज दिया गया है, उनके निवेश और कार्य प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रदेश की आर्थिक मजबूती के साथ युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

इसके साथ ही 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के तहत हुए एमओयू की जिलेवार समीक्षा करने और 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष बिक्री केंद्र स्थापित करने की योजना भी बनाई जा रही है। सरकार का लक्ष्य है कि निवेश के साथ प्रदेश में समग्र विकास और स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित हों।

पीएम मोदी की बड़ी रैली की तैयारी, पंचायत चुनाव से पहले मिल सकती हैं कई सौगात

अजमेर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। पंचायत चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान दौरे पर आ रहे हैं। पीएम मोदी का 28 फरवरी को अजमेर दौरा प्रस्तावित है। केन्द्र सरकार की ओर से विशेष योजना को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर पीएमओ से भी टीम दौरा कर चुकी है। टीम ने अजमेर जिला प्रशासन के साथ मिलकर जगह भी चिह्नित की है। सूत्रों के अनुसार जिला प्रशासन को भी आयोजन की तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी के अनुसार पीएमओ टीम के कुछ सदस्यों ने जिला प्रशासन के साथ कायड़ विश्रामस्थली का दौरा किया है। प्रशासन को भी तैयारी के संकेत मिले हैं, लेकिन आयोजन का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। हालांकि, यह माना जा रहा है कि पंचायत चुनाव से पहले पीएम मोदी राजस्थान को कई बड़ी सौगात दे सकते है। माना जा रहा है कि अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली में पीएम मोदी की सभा हो सकती है। सभा में करीब तीन लाख लोगों के आने की संभावना है। ऐसे में विश्राम स्थली में सभा स्थल और मंच के लिए दो बड़े डोम तैयार किए जाएंगे। संभावना है पीएम मोदी कई बड़ी घोषणाएं कर सकते है। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी अजमेर के साथ पुष्कर भी जा सकते हैं। इसके लिए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जयपुर से मिले मौखिक निर्देशों के बाद अजमेर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। आईजी, कलक्टर और एसपी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कायड़ विश्रामस्थली का मौका मुआयना भी कर चुके है। इससे पहले पीएम मोदी पिछले साल 25 सितंबर को राजस्थान दौरे पर आए थे। बांसवाड़ा जिले के नापला में जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान पीएम मोदी ने माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखी थी। साथ ही राजस्थान की 1 लाख 22 हजार 670 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण किया था। इसके अलावा नई ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई थी।

थाने में युवक बोला- मैंने एसिड पी लिया, मचा हड़कंप

प्रेमिका के परिजनों संग जाने से था नाराज

पाली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। सिरोही जिले के शिवगंज क्षेत्र के रहने वाले एक युवक ने सुमेरपुर थाने में एसिड पी लिया। उसे वहां से सुमेरपुर की अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर हालत में उसे पाली लाया। इसके बाद डॉक्टरों ने पाली से युवक को जोधपुर रेफर कर दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयसिंह तंवर ने बताया कि युवक अपने क्षेत्र की रहने वाली एक युवती को लेकर एक माह पहले फरार गया था। युवती के परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। युवक युवती एक महीने बाद लौट आए।

परिजनों के साथ गई प्रेमिका

अपने-अपने परिजनों के साथ युवक-युवती के थाने आए। वहां युवती ने अपने परिजनों के साथ जाने की इच्छा जताई और रवाना हुई। इस दौरान युवक अपने साथ लाया एसिड पी लिया।

युवक ने एसिड पीया, सुनते ही पुलिसकर्मियों में मचा हड़कंप

बताया जा रहा है कि प्रेमिका के जाने के बाद आहत प्रेमी थाना परिसर के बाथरूम में गया, जहां उसने एसिड पी लिया। बाथरूम से बाहर आते ही युवक ने कहा कि उसने एसिड पी लिया है। यह सुनते ही पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया।

गंभीर हालत में जोधपुर रेफर

परिजनों के एसिड पीने की बात कहने पर पुलिसकर्मी उसे अस्पताल ले गए। वहां से उसे पाली रेफर किया। युवक की हालत गंभीर होने पर उसे जोधपुर रेफर किया है। जहां युवक का उपचार जारी है और हालत स्थिर बताई जा रही है।

पंचायत चुनाव से पहले बड़ा एक्शन नेताओं का बनेगा 'रिपोर्ट कार्ड'

क्या है कांग्रेस का नया प्लान?

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी पंचायत और निकाय चुनावों को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपनी चुनावी मशीनरी को धार देना शुरू कर दिया है। संगठन को डिजिटल रूप से सशक्त और अधिक जवाबदेह बनाने के लिए जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस वॉररूम में 'कनेक्ट सेंटर' को सक्रिय किया गया है।

प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशों पर इस सेंटर के संचालन के लिए एक मजबूत टीम तैनात की गई है। प्रदेश महासचिव जसवंत गुर्जर को चेयरमैन की कमान सौंपी गई है। वहीं, को-चेयरमैन राजेंद्र यादव और पुष्पेन्द्र मीणा को सहयोग के लिए नियुक्त किया गया है। 10 पदाधिकारियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी दी गई है, जो सीधे तौर पर जमीनी गतिविधियों की निगरानी करेंगे।

कनेक्ट सेंटर का प्राथमिक लक्ष्य संगठन के निचले स्तर (मंडल और ब्लॉक) तक की गतिविधियों को ट्रैक करना है। जिला, ब्लॉक और मंडल अध्यक्षों के कार्यों का न केवल मूल्यांकन होगा, बल्कि उनकी अनिवार्य त्रैमासिक रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी।

'कांग्रेस कनेक्ट' प्लेटफॉर्म के जरिए पदाधिकारियों को कार्य आवंटित किए जाएंगे और उनकी वास्तविक प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

शादी के नाम पर लाखों की ठगी, 16 साल से फरार आरोपी राजकोट से गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले की घाटोल थाना पुलिस ने शादी के नाम पर लाखों रुपये की ठगी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गुजरात के राजकोट से गिरफ्तार किया है। आरोपी वहां एक तेल कारखाने में मजदूर बनकर काम कर रहा था। वह 16 वर्ष पूर्व चित्तौड़गढ़ जिला जेल से फरार हो गया था और फरारी के दौरान महाराष्ट्र में छिपा रहा। बाद में उसने विदेश यात्रा भी की। इस प्रकरण में पुलिस पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि घाटोल निवासी मुकेश कुमार सेठिया पुत्र अशोक कुमार सेठिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि पहली पत्नी से तलाक के बाद उसने पुनर्विवाह के लिए अपने परिचित भंवरसिंह निवासी माही कॉलोनी बांसवाड़ा (मूल निवासी नीमच) के माध्यम से इंदौर निवासी सोनू सुथार से संपर्क किया। सोनू के कहने पर वह इंदौर गया, जहां उसे एक युवती दिखाई गई। युवती का परिचय इंदू सोलंकी पुत्री भजनसिंह सोलंकी निवासी खरगोन के रूप में कराया गया।

मुकेश ने अपनी पहली शादी और बच्चों के बारे में जानकारी दी, जिस पर इंदू ने स्वयं को तलाकशुदा बताते हुए विवाह की इच्छा जताई। दोनों की सहमति से 17 फरवरी 2024 को इंदौर के एक मंदिर में विवाह कराया गया। इस दौरान इंदू के परिजन मंगलसिंह, राकेश सोलंकी, बहन कंचन, दलाल सोनू सुथार, भंवरसिंह तथा दिलीप जैन (घाटोल) मौजूद थे। विवाह के बाद शपथ पत्र भी तैयार कराया गया।

रिपोर्ट के अनुसार विवाह के बाद घाटोल लौटने पर मुकेश ने दलाल सोनू को ढाई लाख रुपये तथा किराये के छह हजार रुपये अलग से दिए। 26 फरवरी 2024 को सुबह करीब 6:30 बजे इंदू झाड़ू निकालने का बहाना कर घर से बाहर गई। बाहर पहले से मौजूद मंगलसिंह और राकेश मोटरसाइकिल लेकर आए और उसे अपने साथ ले गए। बाद में घर की तलाशी लेने पर पता चला कि इंदू तीन तोला सोने की चेन और चांदी की पायजेब भी साथ ले गई। मुकेश ने साजिशपूर्वक विवाह कर ढाई लाख रुपये से अधिक की ठगी और आभूषण ले जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।

पाली में रफ्तार का कहर

निजी बस ने बाइक सवारों को कुचला, 2 मजदूरों की दर्दनाक मौत, एक जोधपुर रेफर

पाली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली जिले में रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। गुड़ा एंदला थाना क्षेत्र के खोड गांव के पास एक तेज रफ्तार निजी बस ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी।

इस दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, खोड गांव निवासी गिरधारी (46) पुत्र वालाराम और श्रवण (38) पुत्र ताराराम अपने साथी भेराराम (चांगवा निवासी) के साथ सुबह बाइक पर सवार होकर मजदूरी के लिए घर से निकले थे। जैसे ही उनकी बाइक खोड गांव के पास मलोट रोड (मुख्य मार्ग) पर पहुंची, सामने से आ रही एक निजी बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर काफी दूर जा गिरे।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर गुड़ा एंदला थाना एसएचओ शिव नारायण पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। गिरधारी और श्रवण की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि भेराराम तड़प रहा था।

11 केवी लाइन टूटने से 50 बकरे-बकरियों की मौत

अलवर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर जिले के महुआ क्षेत्र स्थित मोरेड़ा गांव में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। 11 हजार केवी बिजली लाइन का तार टूटकर पशु बाड़े पर गिर गया, जिससे करंट लगने से 50 बकरे-बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृत पशु गांव के इलियास पुत्र फूलू के थे।

बताया जा रहा है कि हादसे से पशुपालक को करीब 10 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। इलियास ने बताया कि तार बाड़े के ऊपर से गुजर रहा था। घटना से 10-15 मिनट पहले ही उसकी पत्नी, साला और बच्चे बकरियों को चारा डालकर बाहर निकले थे। तीन महीने पहले भी इसी स्थान पर तार टूटा था, लेकिन उस समय कोई नुकसान नहीं हुआ।

सीबीआई अफसर बन रिटायर्ड यूनिवर्सिटी अधिकारी को किया 'डिजिटल अरेस्ट'

68 लाख की ठगी का हुआ खुलासा

उदयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उदयपुरः झीलों की नगरी में एक रिटायर्ड अधिकारी के साथ हुई 'डिजिटल अरेस्ट' की सनसनीखेज ठगी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से 67.90 लाख रुपये हड़पने वाले गिरोह के दूसरे सदस्य को पुलिस ने नागौर से दबोच लिया है। साइबर क्राइम डीएसपी विनय चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुखराम नागौर के खींवसर का रहने वाला है। जांच में सामने आया कि सुखराम ने लालच में आकर अपना बैंक खाता साइबर ठगों को बेच दिया था, जिसका इस्तेमाल ठगी की रकम को ठिकाने लगाने के लिए किया गया। इससे पहले पुलिस यादवेंद्र सिंह नाम के एक अन्य आरोपी को सलाखों के पीछे भेज चुकी है। ठगी की यह कहानी 28 दिसंबर 2025 को शुरू हुई, जब न्यू केशवनगर निवासी भरत व्यास और उनकी पत्नी आशा व्यास को एक अज्ञात व्हाट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली सीबीआई का अफसर 'लक्ष्मण' बताया।

चेन पहनाने के बहाने प्रेमिका का सिर झुकाया और कुल्हाड़ी से गला काट डाला

श्रीगंगानगर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। शहर के मलोट रोड स्थित एक होटल में तीन दिन पहले नाबालिग लड़की की हत्या के मामले में आरोपी सचिन ने पुलिस रिमांड के दौरान चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि यह वारदात प्रेम में धोखा मिलने और मन में पैदा हुई नफरत के चलते की। नगर थाना नंबर एक में पूछताछ के दौरान सचिन ने कहा कि उसे हत्या का कोई अफसोस नहीं है। यह कदम उसने प्रेम में धोखा देने की सजा के रूप में उठाया। आईटीआई कर चुके सचिन रामकोट गांव के गरीब परिवार से है। उसके पिता मजदूरी करते हैं। वह अबोहर की गौशाला के पास स्पेयर पार्ट की दुकान पर मैकेनिक का काम करता था।

सचिन के अनुसार, करीब एक साल पहले उसकी पहचान गौशाला में सेवा करने वाले परिवार की लड़की से हुई, जो धीरे-धीरे प्रेम में बदल गई। वह उससे शादी करने को तैयार था, लेकिन दो महीने पहले लड़की ने कहा कि वह शादी नहीं कर सकती और किसी अन्य लड़के से दोस्ती कर रही है।

सोशल मीडिया पर लड़के की तस्वीरें दिखाने से सचिन को आघात लगा। उसने प्रपोज-डे के दिन वारदात की साजिश रची। घटना से एक दिन पहले उसने बाजार नंबर-4 के पास एक दुकान से कुल्हाड़ी खरीदी। वारदात वाले दिन उसने लड़की को वैलेनटाइन सरप्राइज देने के बहाने बुलाया।

दुकान मालिक की स्कूटी लेकर उसे पार्क के पास पिक किया और दोनों बस स्टैंड के नजदीक होटल में रूम लेने गए। रूम न मिलने पर मलोट रोड स्थित पंजाब होटल में शाम लगभग पांच बजे कमरा किराए पर लिया। कमरे में पहुंचते ही उसने लकड़ी को चेन पहनाने के बहाने झुकने पर बैग से कुल्हाड़ी निकाली और तीन वार कर हत्या कर दी। खून सनी कुल्हाड़ी को बैग में डालकर वह फरार हो गया। रास्ते में उसने अपने छोटे भाई राहुल को फोन कर हत्या की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 16 फरवरी तक रिमांड पर लिया है।

शिवरात्रि पर्व पर मधुमक्खियों का हमला

एक दर्जन श्रद्धालु घायल, अस्पताल में भर्ती

झालावाड़, 15 फरवरी (एजेंसियां)। बकानी कस्बे में शिवरात्रि पर्व के अवसर पर मधुमक्खियों के हमले से अफरा-तफरी मच गई। शनिवार को बकानी-भालता मार्ग स्थित थाका जी मंदिर के पास हुई इस घटना में करीब एक दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, शिवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में खीर और प्रसादी का वितरण किया जा रहा था। इसी दौरान पीपल के पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छत्ते से अचानक मधुमक्खियां झुंड बनाकर लोगों पर टूट पड़ीं। हमले से मंदिर परिसर में भगदड़ मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

मधुमक्खियों के इस हमले में पर्वत सिंह, सुनीता, मनोज, प्रियंका, सपना, हंसराज, अंशिका, वंशिका, मुरली टेलर, तनिष्क, नारायण और हितेश चौरसिया घायल हो गए। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बकानी पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

नासिक हाईवे पर धू-धू कर जली सांसद लुंबाराम चौधरी की लग्जरी कार

जालोर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जालोर-सिरोही से भाजपा सांसद लुंबाराम चौधरी के साथ महाराष्ट्र के नासिक-मुंबई हाईवे पर एक बेहद डरावना हादसा हुआ। सांसद की लग्जरी कार देखते ही देखते आग के गोले में तब्दील हो गई और महज कुछ ही मिनटों में जलकर लोहे का कबाड़ बन गई। गनीमत यह रही कि मौत के इस तांडव से सांसद और उनके साथी चंद सेकंड पहले ही बाहर निकल आए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हादसा 40 किमी पहले गोंडे फाटा इलाके में हुआ। सांसद लुंबाराम चौधरी संसद की कार्यवाही पूरी करने के बाद मुंबई पहुंचे थे और वहां से अपने एक मित्र के साथ बाबा त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए नासिक जा रहे थे। सफर के दौरान कार में अचानक जलने की गंध आने लगी। सांसद ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत ड्राइवर को टोका। जैसे ही ड्राइवर ने गाड़ी सड़क किनारे रोकी, बोनट से तेज धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं। सांसद लुंबाराम चौधरी ने बताया कि कार में कुल 4 लोग सवार थे। आग की गंभीरता को देखते हुए सभी तुरंत कार से बाहर कूद गए। उनके बाहर निकलते ही आग ने विकराल रूप ले लिया। अगर बाहर निकलने में एक मिनट की भी देरी होती, तो परिणाम भयावह हो सकते थे। आग इतनी भीषण थी कि फायर ब्रिगेड के पहुंचने तक लग्जरी गाड़ी सिर्फ एक जलता हुआ ढांचा बनकर रह गई थी।

जुबली हिल्स डकैती मामले में पांच गिरफ्तार, तीन फरार

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में इस महीने की शुरुआत में हुई सुनियोजित आवासीय डकैती के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि कथित मास्टरमाइंड समेत तीन प्रमुख आरोपी अब भी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रमेश बहादुर चंद, जनक कुमार बिक्रम शाही, ललित बहादुर चंद, मदन खत्री और बोहरा सुशील के रूप में हुई है। फरार आरोपियों में जीवन उर्फ जिबन बहादुर चंद, भुवन उर्फ भूपेंद्र शाही और देबी कादेल उर्फ बिमला शामिल हैं, जिन पर साजिश रचने और अन्य सदस्यों को निर्देश देने का संदेह है।

पुलिस के अनुसार 5 फरवरी को मकान मालिकों की अनुपस्थिति में नंदगिरी हिल्स स्थित एक घर को निशाना बनाया गया। आरोप है कि एक घरेलू सहायिका ने अपने दो साथियों को घर में प्रवेश दिलाया और चौकीदारों व रसोइए को नशीला पदार्थ देकर करीब 1.3 करोड़ रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण चोरी कर लिए। जांच में सामने आया है कि गिरोह कथित तौर पर धनी परिवारों को निशाना बनाता था। इसके तहत एक सदस्य को घरेलू नौकर के रूप में नियुक्त कर पहले घर की सुरक्षा व्यवस्था और कीमती सामान की जानकारी जुटाई जाती थी, फिर वारदात को अंजाम दिया जाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के गहने, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बताया गया है कि वारदात के बाद गिरोह के सदस्य अलग-अलग स्थानों पर छिप गए और नेपाल भागने के लिए वित्तीय व अन्य सहायता जुटाने की कोशिश कर रहे थे। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर तलाश जारी है।

एसईसी ने मेयर और अध्यक्ष चुनावों में मतदान अधिकारों पर स्पष्टता जारी की

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने नगर पालिका के अप्रत्यक्ष चुनावों को लेकर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। इसमें मेयर, डिप्टी मेयर, नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनावों में एक्स-ऑफिसियो सदस्यों के मतदान अधिकारों पर स्पष्टता दी गई है। तेलंगाना नगर पालिकाओं अधिनियम, 2019 के अनुसार, राज्यसभा सदस्य, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) और अन्य एक्स-ऑफिसियो सदस्यों के लिए मतदान करना अनिवार्य है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ने यह स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति नगरपालिका क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता नहीं हैं, उन्हें मतदान करने का अधिकार नहीं है। राज्य निर्वाचन आयोग ने उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद नए निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति एक्स-ऑफिसियो सदस्य के रूप में मतदान करता है लेकिन नगरपालिका क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता नहीं है, तो वह अयोग्य माना जाएगा और उसका वोट अमान्य घोषित किया जाएगा। इस संदर्भ में, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को नोटिस जारी कर इन नियमों का कड़ाई से पालन करने का आदेश दिया है। इसके परिणामस्वरूप, केवल वही लोग, जिनके पास स्थानीय मतदान का वैध अधिकार है-जिनमें सांसद (एमपी) और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) शामिल हैं-मेयर और अध्यक्ष के चुनाव में भाग लेने और चुनावी परिणामों को प्रभावित करने के पात्र होंगे।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में प्रदर्शन के बाद 10 छात्रों पर एफआईआर

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में छात्रावास सुविधाओं की मांग और महिला छात्रावास की निदेशक को हटाने की मांग को लेकर हुए हालिया विरोध प्रदर्शन के बाद 10 छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उस्मानिया विश्वविद्यालय पुलिस ने मुख्य सुरक्षा अधिकारी रजा खान की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, कुछ पुरुष छात्रों ने सेंटेनरी हॉस्टल की महिला छात्राओं को उकसाया, जिसके बाद उन्होंने महिला छात्रावास की निदेशक प्रो. कल्याणी लक्ष्मी को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। आरोप है कि निदेशक ने परिसर में बाहरी व्यक्तियों को ठहरने की अनुमति नहीं दी, जो विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार प्रतिबंधित है। मुख्य सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि छात्रों ने 11 फरवरी की रात से 12 फरवरी सुबह 9 बजे तक आर्ट्स कॉलेज के सामने वाली सड़क को अवरुद्ध कर यातायात बाधित किया। पुलिस द्वारा सड़क खाली करने के अनुरोध के बावजूद प्रदर्शन जारी रहा और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि छात्रों ने विश्वविद्यालय के उस परिपत्र का उल्लंघन किया, जिसमें परिसर में विरोध प्रदर्शन पर रोक लगाई गई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेलमपल्ली में बीआरएस मजबूत, कई पार्षदों ने थामा साथ

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने बेलमपल्ली नगरपालिका में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव की मौजूदगी में कई पार्षद और नेता पार्टी में शामिल हो गए। 30वें वार्ड से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले शंकर सिंह और 26वें वार्ड से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उम्मीदवार कुमारस्वामी ने बीआरएस जॉइन कर लिया। रामाराव ने उन्हें पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। वहीं 34वें वार्ड से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार राममूर्ति ने रामाराव से मुलाकात की। उन्होंने औपचारिक रूप से पार्टी नहीं जॉइन की, लेकिन बीआरएस को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की।

स्वास्थ्य सेवा लाभ कमाई का साधन न बने: सीपीआई 'मेडिकल माफिया' पर सख्त कार्रवाई की मांग की

तिरुपति , 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ते मेडिकल माफिया और वाणिज्यिकरण को रोकने के लिए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सीपीआई नेता डॉ. के. नारायण ने आरोप लगाया कि अनावश्यक डायग्नोस्टिक टेस्ट, बढ़ी हुई बिलिंग, अत्यधिक उपचार लागत और कमीशन आधारित रेफरल जैसी अनैतिक प्रथाएँ मरीजों पर भारी वित्तीय बोझ डाल रही हैं और जनता का विश्वास कमजोर कर रही हैं। डॉ. नारायण ने निजी अस्पतालों और डायग्नोस्टिक केंद्रों के सख्त नियमन और नियमित ऑडिट, इलाज और मेडिकल उपकरणों के लिए पारदर्शी और मानकीकृत मूल्य, और स्वास्थ्य व्यवस्था में किकबैक पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

रमजान से पहले मुफ्त राशन के नाम पर ठगी, सावधान रहने की अपील

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रमजान का महीना नजदीक आते ही जरूरतमंदों को राशन देने वाली योजनाओं के नाम पर साइबर ठगी के मामले सामने आने लगे हैं। लोगों के मोबाइल और सोशल मीडिया पर 'रमजान राहत पैकेज 2026' के नाम से फर्जी संदेश भेजे जा रहे हैं। व्हाट्सएप और फेसबुक पर वायरल संदेशों में मुफ्त राशन दिलाने के लिए लिंक के जरिए ऑनलाइन आवेदन करने को कहा जा रहा है और परिवारों को आटा, चावल, तेल, घी, दाल व अन्य सामान देने का दावा किया जा रहा है। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने लोगों से ऐसे संदेशों से सावधान रहने की अपील की है।

अधिकारियों ने बताया कि ठग धार्मिक त्योहारों के दौरान लोगों को निशाना बनाते हैं और लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। साइबर अपराधी फोन का नियंत्रण हासिल कर बैंक खातों से पैसे निकाल सकते हैं, निजी दस्तावेज और फोटो-वीडियो चोरी कर सकते हैं तथा ब्लैकमेल भी कर सकते हैं। पुलिस ने ऐसे किसी भी संदेश को तुरंत डिलीट करने और किसी लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी है। रमजान के दौरान कई सामाजिक संस्थाएं जरूरतमंदों को सेहरी के लिए राशन उपलब्ध कराती हैं, लेकिन मुफ्त राशन के नाम पर आने वाले अनजान लिंक से सावधान रहने को कहा गया है।

भारी मात्रा में गांजा के साथ दो गिरफ्तार

विशेष रूप से बनी बनियान में छिपाया था गांजा

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज पुलिस ने भारी मात्रा में लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो अंतरराज्यीय मादक पदार्थ परिवहनकर्ताओं के कब्जे से 10.32 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियो में आशीष शिकधर , निवासी कालीमेला ब्लॉक, मल्कानगिरि जिला, मोटू थाना, ओडिशा और भीमा जाली, निवासी अनंतापल्ली ब्लॉक, मल्कानगिरि जिला, मोटू थाना, ओडिशा शामिल है। इस मामले में फरार आरोपी में मौनी, निवासी कालीमेला ब्लॉक, मल्कानगिरि जिला, मोटू थाना, ओडिशा शामिल है।

आरोपियों ने विशेष रूप से तैयार दो बनियान, जिनमें गांजा के पैकेट छिपाने के लिए कई जेबें बनाई गई थीं। सहायक पुलिस आयुक्त, गोशामहल प्रभाग, हैदराबाद एस. सुदर्शन ने बताया कि गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अफजलगंज पुलिस ने गश्ती दलों को सतर्क किया और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। लगातार प्रयासों के तहत पुलिस ने दो संदिग्धों को उस समय पकड़ा जब वे प्रत्येक लगभग 5-5 किलोग्राम गांजा, कुल 10.32 किलोग्राम, अपने शरीर पर पहनी गई विशेष बनियान की जेबों में छिपाकर शर्ट और जैकेट से ढककर ले जा रहे थे। पूछताछ में पता चला कि आरोपी ओडिशा राज्य के निवासी हैं और खेती तथा दिहाड़ी मजदूरी से जीविका चलाते हैं। आपसी परिचय के दौरान फरार आरोपी मौनी ने उन्हें बताया कि वह हैदराबाद में गांजा की थोक आपूर्ति करता है और बस के माध्यम से परिवहन के लिए लोगों की आवश्यकता है। उसने प्रति किलोग्राम 2,000 रुपये देने का प्रस्ताव रखा, जिसे आशीष और भीमा ने स्वीकार कर लिया। बीती 29 जनवरी को मौनी ने उन्हें 6 किलोग्राम गांजा तथा विशेष बनियान दी, जिसके माध्यम से उन्होंने सफलतापूर्वक हैदराबाद में अज्ञात प्राप्तकर्ता को आपूर्ति की। दूसरी बार 13 फरवरी को मौनी ने 10 किलोग्राम गांजा और 5,000 रुपये देकर उन्हें एमजी बस अड्डा के प्रवेश द्वार पर डिलीवरी करने को कहा। दोनों आरोपी पालवंचा से राज्य परिवहन निगम की बस में सवार होकर 13 फरवरी को हैदराबाद पहुंचे। प्राप्तकर्ता के विलंब के कारण वे रातभर सड़कों पर इधर-उधर ठहरते रहे और एमजी बस अड्डा क्षेत्र में घूमते रहे। 14 फरवरी की शाम लगभग सायं 5:35 बजे अफजलगंज पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। इस सराहनीय कार्य के लिए गोलकोंडा क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त ने अफजलगंज थाना प्रभारी एन. रवि, जासूस निरीक्षक बी. रवि किरण, उपनिरीक्षक के. निरंजन, एम. सुभाष तथा पुलिसकर्मी के. रविकांत, बी. अर्जुन, पी. अरुण और जी. नागार्जुन की प्रशंसा की है और उन्हें पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की है। यह गिरफ्तारी गोलकोंडा क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त जी. चंद्र मोहन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कृष्णा गौड़ तथा गोशामहल प्रभाग के सहायक पुलिस आयुक्त एस. सुदर्शन के पर्यवेक्षण में की गई।

सीएसआईआर-सीसीएमबी के शोधकर्ता सम्मानित

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीवन विज्ञान के क्षेत्र में युवा शोधकर्ताओं के रचनात्मक और प्रभावशाली कार्य को मान्यता देने के लिए टीएनक्यू इंस्पायरिंग साइंस अवार्ड्स (टीएनक्यूआईएसए) ने इस साल भी अपनी परंपरा को जारी रखा। इस बार सीएसआईआर-सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के दो वरिष्ठ वैज्ञानिकों डॉ. राजन संकरणारायणन और डॉ. संतोष चौहान को उनके उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। अवॉर्ड समारोह में डॉ. जोतिन गोगोई को भी उनके शोध पेपर के लिए सम्मान मिला, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे कोशिकाएं प्रोटीन निर्माण में हुई कुछ त्रुटियों को सहन करती हैं और यह जीवित कोशिकाओं के विकास में कैसे सहायक हो सकता है। डॉ. संकरणारायणन के शोध समूह ने एंज़ाइम की संरचना और उसकी अद्वितीय गुणधर्मों को समझने पर काम किया है, जो जीवन के लिए अनिवार्य हैं। उनका एक प्रमुख अध्ययन यह है कि कैसे कोशिका प्रोटीन बनाने के लिए अमीनो एसिड की सही स्थिति का चयन करती है। वहीं, डॉ. चौहान का शोध समूह कोशिका की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली, जिसे जन्मजात प्रतिरक्षा कहा जाता है, का अध्ययन करता है। उनके कार्य ने प्रोग्राम्ड सेल रिवाइवल नामक नई शोध दिशा खोली है, जो यह समझने में मदद करती है कि मरती हुई कोशिकाएं अपने आप को पुनर्जीवित करने के लिए किस प्रकार के जैव-आधारित यांत्रिकी का उपयोग करती हैं। पुरस्कार प्राप्त करने के अवसर पर दोनों वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने युवा शोधकर्ताओं की महत्वता पर जोर दिया। डॉ. चौहान ने कहा, मेरे लिए मेंटरशिप का मतलब केवल निर्देश देना नहीं है, बल्कि उन्हें सोचने, सवाल पूछने, गलतियां करने और धीरे-धीरे स्वतंत्र वैज्ञानिक बनने का अवसर देना है। जब मैं किसी को इस तरह बढ़ते हुए देखता हूँ, तो वह किसी एक परिणाम या पेपर से कहीं अधिक संतोषजनक अनुभव होता है। डॉ. संकरणारायणन ने अपने शोध समूह की दृष्टि साझा करते हुए कहा कि मेरे लैब के पुरस्कार विजेता बुनियादी जीवन विज्ञान की समस्याओं पर काम कर रहे हैं, जो फैशनेबल विषयों या तत्काल उपयोगिता वाले कार्यों से अलग हैं। टीएनक्यू जूरी द्वारा इस मूलभूत शोध को मान्यता मिलना बेहद महत्वपूर्ण है और मुझे उम्मीद है कि यह युवा वैज्ञानिकों को बुनियादी जीवविज्ञान की समस्याओं को लेने के लिए प्रेरित करेगा। इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि केवल पुरस्कार और शोध पत्र ही नहीं, बल्कि युवा शोधकर्ताओं का मार्गदर्शन और उनकी रचनात्मकता जीवन विज्ञान के क्षेत्र में एक मजबूत वैज्ञानिक इकोसिस्टम बनाने में अहम भूमिका निभाती है।

सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का भव्य शुभारम्भ

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अलियाबाद सीरवी क्रिकेट ग्राउंड स्थित सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम शनिवार 14 फरवरी प्रात: 8.15 बजे श्री आईमाताजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर समाज बन्धुओफ़्, प्रतियोगिता के स्पोसरो, खिलाड़ियो के सानिध्य में किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़ ने बताया कि प्राकृतिक वातावरण में सीरवी क्रिकेट ग्राउंड पर प्रथम बार सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुजा-अर्चना के पश्चात प्रतियोगिता के स्पोसरो, कार्यक्रम में पधारे विभिन्न संस्थाओ के सम्मानित अतिथियो, पदाधिकारियो को मंच पर आमंत्रित कर प्रतियोगिता में भाग ले रही 24 टीमो द्वारा भव्य परेड का आयोजन किया गया। जिसकी सलामी सम्मानित अतिथियो द्वारा दी गयी। अवसर पर ट्रोफी स्पोंफ़्सर महेन्द्रकुमार, प्रेम देवड़ा, जर्सी स्पोंसर रामलाल, मोहित परिहार, अंपायर स्पोफ़्सर खरताराम, प्रवीण आगलेचा परिवार द्वारा विमोचन किया गया। समाज के पदाधिकारियो, स्पोफ़्सरो को खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़ ने प्रतियोगिता में भाग ले रही 24 टीमोफ़् के कप्तानो से परिचय कराया।

अवसर पर महिला मंडल द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम व गैर नृत्य प्रस्तुत किया गया। सचिव नारायणलाल काग ने सम्बोधन भाषण में कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओफ़्, स्पोफ़्सरोफ़् व खिलाड़ियोफ़् का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि प्रथम प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन किया जाएगा। खिलाड़ियोफ़् को हिदायत देते हुए। बताया खेल को खेल की भावना से खेले। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। अवसर पर समाज के सीनियर खिलाड़ियो द्वारा उद्घाटन मुकाबला खेला गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य सीए जस्साराम वरपा, रामलाल परिहार, कालूराम काग, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव रमेश चौधरी, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, कोषाध्यक्ष नीलू लचेटा, सलाहकार गवरीदेवी परिहार, मंजू सोलंकी, समाज बन्धु व खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार परबत सोलंकी, मंच का संचालन अपनी मधुर आवाज में विशाल रामावत ने किया। रविवार 15 फरवरी से प्रतियोगिता के लीग मुकाबले सीरवी क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद व 22 यार्ड एरेना कुन्दनपल्ली ग्राउंड में खेले जाएगे। समाज बन्धुओ से निवेदन है अधिक से अधिक संख्या में पधारकर खिलाड़ियो का हौसला बढाते हुए कार्यक्रम का लाभ लेवे।

टी-20 वर्ल्डकप में भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत

61 रन से हराया; ईशान के 77 रन बनाए, इंडिया सुपर-8 में जगह बनाई

कोलंबो, 15 फरवरी (एजेंसियां। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है। टूर्नामेंट के इतिहास में यह भारत की पाकिस्तान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है।

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सुपर-8 राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है। टीम लगातार 3 जीत के साथ ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है।

रविवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 176 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान खान ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या ने 2-2 विकेट झटके।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। ईशान किशन ने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल हैं। कप्तान सूर्यकुमार ने 32 रन बनाए। सईम अयूब ने 3 विकेट।

फुटबॉल मैदान में चारदीवारी निर्माण पर खिलाड़ियों ने चिंता जताई

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ियों ने ट्रिमुलघेरी स्थित एक प्रतिष्ठित फुटबॉल मैदान में चारदीवारी निर्माण के लिए चल रहे खुदाई कार्यों पर चिंता जताई है। खिलाड़ियों का कहना है कि इससे मैदान तक पहुंच प्रभावित हो सकती है। जानकारी के अनुसार सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड (एससीबी) ने स्टेट हाईवे-1 पर जिमखाना ग्राउंड से शमीरपेट ओआरआर तक एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए मैदान की लगभग दो एकड़ भूमि का हिस्सा हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) को सौंप दिया है। सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत मैदान के अंदर चारदीवारी बनाई जा रही है और इसके लिए बड़े पत्थर भी डाले गए हैं।

वरिष्ठ और वर्तमान खिलाड़ी, जो रोजाना यहां अभ्यास करते हैं, का कहना है कि दीवार बनने से भविष्य में मैदान में प्रवेश सीमित हो सकता है। उनके अनुसार ट्रिमुलघेरी फुटबॉल मैदान ने कई ओलंपियन, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। ओलंपियन खिलाड़ियों में केपी धनराज, पीटर थंगराज, टी बलराम और डी कन्नन शामिल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जॉन विक्टर और विक्टर अमल राज तथा राष्ट्रीय स्तर पर कई अन्य खिलाड़ियों ने इसी मैदान से पहचान बनाई।

खिलाड़ियों ने यह भी बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 16 जून 1981 को पूर्व सांसद श्री कृष्ण को लिखे पत्र में स्पष्ट किया था कि ट्रिमुलघेरी फुटबॉल मैदान स्थानीय लोगों के लिए खेल मैदान के रूप में उपलब्ध रहेगा। इससे पहले रक्षा मंत्रालय ने भी पत्र लिखकर कहा था कि नागरिकों द्वारा इस भूमि का फुटबॉल मैदान के रूप में उपयोग करने पर उसे कोई आपत्ति नहीं है। सामान्य भूमि अभिलेख (जीएलआर) के अनुसार सर्वे संख्या 291 की यह भूमि ट्रिमुलघेरी के नागरिकों के लिए फुटबॉल मैदान के रूप में आरक्षित है। कुछ खिलाड़ियों ने अफसोस जताया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, जिन्होंने हाल ही में लियोनेल मेस्सी के साथ हैदराबाद में एक प्रदर्शनी मैच खेला था, इस ऐतिहासिक मैदान को बचाने के लिए पहल नहीं कर रहे हैं।

श्रद्धा से मनाया गया गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नौवें सिख गुरु गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत वर्ष के अंतर्गत रविवार को हैदराबाद और सिकंदराबाद के सिख श्रद्धालुओं ने शहीदी दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया।

राज्य के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु गुरुद्वारा साहिब सीताफलमंडी में आयोजित सामूहिक प्रार्थना सभा में शामिल हुए और गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अरदास की। यह कार्यक्रम गुरुद्वारा की प्रबंधक समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया। गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष हरपाल सिंह और कंचन सिंह, अध्यक्ष प्रताप सिंह तथा महासचिव रणजीत सिंह ने बताया कि समागम के दौरान शबद कीर्तन और कथा का आयोजन किया गया। तख्त श्री दमदमा साहिब से आए भाई बिंदर सिंह तांतिसाज़, ज्ञानी हरनेक सिंह जी और देश के विभिन्न हिस्सों से आमंत्रित रागी जत्थों ने शबद कीर्तन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

कीर्तनों में मानवता, उच्च जीवन मूल्यों और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश दिया गया। समारोह के अंत में श्रद्धालुओं को पारंपरिक गुरु-का-लंगर वितरित किया गया।

बी.बी.नगर मंडल मक्ता अनंतराम शिवालयम में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पुजा-अर्चना, अभिषेक कार्यक्रम में भामाशाह सीरवी समाज कोरेमुला संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, चेतन परहारियां का सम्मान कर उपस्थित सरपंच धरनाभोईनी किलैनदर, मेंबर डी.मोहन कुमार, जी.वेन्कटेश, बी.बसवया, शीराम जंगाया, ऐलाया व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

देश की पहली 'एआई डेटा सिटी'...

अमेरिका और चीन से बराबरी की कोशिश

एआई की रेस में अभी अमेरिका और चीन सबसे आगे हैं। भारत को इस रेस में दौड़ना है तो विशाखापत्तनम जैसे शहरों को तैयार करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्टर नारा लोकेश ने दिल्ली में होने वाली एआई इंडिया इम्पैक्ट समिट से पहले कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि एआई क्रांति आ गई है। अब यह बहस का मुद्दा नहीं होना चाहिए कि एआई को अपनाया जाए या नहीं। उन्होंने कहा कि बहस इस बात पर होनी चाहिए कि भारत इस दिशा में कितनी तेजी से आगे बढ़ सकता है।

बड़ी कंपनियों का मिल रहा सपोर्ट

विशाखापत्तनम को 'एआई डेटा सिटी' बनाने के लिए बड़ी कंपनियों का सपोर्ट भी मिलना शुरू हो गया है। राज्य सरकार ने 700 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स के लिए इन्वेस्टमेंट एग्रीमेंट साइन कर लिए है। दिग्गज कंपनी गूगल ने वादा किया है कि वह अमेरिका से बाहर अपना सबसे बड़ा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब यहां बनाएगी। गूगल के अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ब्रुकफील्ड और डिजिटल रियल्टी के जॉइंट वेंचर भी आंध्र में एआई प्रोजक्ट्स पर पैसा लगा रहे हैं। राज्य सरकार भी अपना पूरा जोर लगा रही है। वह ऐसी कंपनियों को राज्य में देखना चाहती है जो सर्वर, एयर कंडीशनिंग, वॉटर-कूलिंग सिस्टम सब लगाएं।

एआई इंडिया इम्पैक्ट समिट रखेगा नींव

सोमवार से नई दिल्ली में एआई इंडिया इम्पैक्ट समिट 2026 की शुरुआत हो रही है। इसमें दुनियाभर की कंपनियों के सीईओ, तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्ष पहुंच रहे हैं। यह ग्लोबल साउथ का सबसे बड़ा एआई समिट है। भारत को एआई की दुनिया में आगे लाने के लिए यह समिट मजबूत नींव रखेगा। देखना होगा कि आंध्र के विशाखापत्तनम की तरह देश के और कौन से शहर एआई की रफ्तार में दौड़ने को तैयार हो पाते हैं।

अमेरिका ने नामीबिया को 31 रन से हराया

चेन्नई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। रविवार को टीम ने नामीबिया को 31 रन से हरा दिया। 26वें मैच में USA ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। ग्रुप-ए का यह मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका ने नामीबिया को 200 रन का टारगेट दिया। टीम ने 4 विकेट खोकर 199 रन बना दिए। संजय कृष्णमूर्ति ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए। उन्होंने 33 बॉल पर 6 सिक्स और 4 चौके लगाए। वहीं कप्तान मोनांक पटेल ने 30 बॉल

पर 52 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 3 सिक्स लगाए।\

नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरास्मस और विलेम माईबर्ग ने 2-2 विकेट चटकाए। रूबेन ट्रम्पलमैन सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने 4 ओवर में 52 रन दे दिए।

200 रन का पीछा करने उतरी नामीबिया की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन ही बना सकी। टीम से लॉरिन स्टीनकैंप ने 58 रन की पारी खेली। जेजे स्मिट ने 31 रन का योगदान दिया। अमेरिका से शैडली वान शाल्कविक ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स : भारत ने पाकिस्तान को हराया

आठ विकेट से जीता मैच, 94 रन का टारगेट 11वें ओवर में चेज किया

बैंकॉक, 15 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के महामुकाबले से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम (भारत-ए) ने पाकिस्तान को हरा दिया है। एसीसी विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के छठे मैच में भारत-ए ने पाकिस्तान-ए को 8 विकेट से मात दी।

रविवार को बैंकॉक के तेर्दथाई क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान-ए ने भारत-ए को जीत के लिए 94 रनों का टारगेट दिया था। इस टारगेट को भारत-ए ने 10.1 ओवर में ही

आसानी से हासिल कर लिया।

पाकिस्तान-ए के खिलाफ रन चेज में भारत-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पारी की पहली ही गेंद पर हुमैरा काजी का विकेट गंवा दिया। हुमैरा को वहीदा अख्तर ने नेहा शर्मिन के हाथों कैच कराया। इसके बाद वृंदा दिनेश और अनुष्का शर्मा ने दूसरे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अनुष्का ने चार चौके की मदद से 26 बॉल पर 24 रन बनाए। अनुष्का को मोमिना रियासत ने आउट किया। वहीं ओपनर वृंदा दिनेश ने सिर्फ 29 गेंदों पर नाबाद 55 रन की पारी खेली, जिसमें 12 चौके शामिल रहे। तेजल हसब्निस ने भी नाबाद 12 रन बनाए।

पाकिस्तान की तीन बैटर्स दोहरे अंक तक पहुंच सकीं

मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तानी टीम ने 18.5 ओवरों में 93 रन बनाए। टीम ने इस मुकाबले में शुरुआती ओवर से ही विकेट गंवाए। शवाल जुल्फिकार (23), गुल रुख (21) और अनोशा नासिर (17) ही दोहरे अंकों तक पहुंचने में कामयाब रहीं। भारत की ओर से कप्तान राधा यादव, प्रेमा रावत और साइमा ठाकोर ने दो-दो विकेट झटके। जिंतिमनी कलिता और मिन्नू मणि को एक-एक विकेट मिला।

न्यूजीलैंड को हराकर सुपर-8 के करीब पहुंचा साउथ अफ्रीका

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं। 6 दिन में 16 मैच और बचे हैं। अब तक किसी भी टीम ने सुपर-8 में जगह नहीं बनाई, लेकिन साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी पोजिशन लगभग कन्फर्म कर ली। अफगानिस्तान का क्वालिफाई कर पाना मुश्किल है, वहीं ओमान एलिमिनेट होने वाली पहली टीम बन गई।

इस ग्रुप में नामीबिया दोनों मैच हार चुकी है, टीम ने एक और मुकाबला गंवाया तो एलिमिनेट हो जाएगी। अमेरिका और नीदरलैंड भी 2-2 मैच हार चुकी है, इन्हें भी क्वालिफाई करने के लिए आखिरी मुकाबले जीतने ही होंगे। दोनों टीमें 1-1 जीत के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ीं

ग्रुप-बी की सिचुएशन इस समय सबसे ज्यादा मजेदार है। होम टीम श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे 2-2 जीत के साथ टॉप-2 पोजिशन पर हैं। ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ एक मैच खेलना है, यहां अगर कंगारू टीम हार गई तो उनका अगले राउंड में पहुंचना नामुमकिन सा हो जाएगा। क्योंकि

ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ीं

जिम्बाब्वे फिर आयरलैंड को हराकर ही सुपर-8 में पहुंच जाएगी। श्रीलंका का एक मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ भी है, इसे जीतने वाली टीम अपनी जगह अगले राउंड में कन्फर्म कर लेगी। ऑस्ट्रेलिया को ओमान से भी भिड़ना है, लेकिन उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। ओमान 3 मैच हारकर बाहर हो चुकी है। आयरलैंड 2 मैच हार चुकी है, टीम का क्वालिफाई कर पाना बेहद मुश्किल है। उनका आखिरी मैच जिम्बाब्वे से होगा।

इंग्लैंड को सभी मैच जीतने होंगे

2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के अलावा इस ग्रुप में स्कॉटलैंड, इटली और नेपाल भी हैं। दोनों वर्ल्ड चैंपियन

ग्रुप-बी पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	पॉइंट्स	रन रेट
श्रीलंका	2	2	0	4	3.125
जिम्बाब्वे	2	2	0	4	1.984
ऑस्ट्रेलिया	2	1	1	2	1.1
आयरलैंड	3	1	2	2	0.150
ओमान	3	0	3	0	-4.546

टीमें 2-2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में शुरुआती 2 पोजिशन पर हैं। इंग्लैंड को इकलौती हार विंडीज से ही मिली। अब इंग्लिश टीम को क्वालिफाई करने के लिए इटली के खिलाफ आखिरी मैच जीतना ही होगा। वेस्टइंडीज को इटली और नेपाल से भिड़ना है, दोनों मुकाबले जीतकर टीम नंबर-1 पर रहकर फिनिश करेगी।

स्कॉटलैंड और नेपाल ने 1-1 मैच और गंवाया तो टीमें अगले राउंड से बाहर हो जाएंगी। इटली को 1 जीत और 1 हार मिली है, लेकिन उनके 2 मुकाबले इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से बचे हैं, ऐसे में टीम का दोनों मैच जीतकर क्वालिफाई कर पाना मुश्किल है।

अफगानिस्तान लगभग बाहर, साउथ अफ्रीका की राह आसान

टूर्नामेंट का सबसे मुश्किल ग्रुप यही था। इसमें 2024 की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका, 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और 2024 की सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान की टीमें थीं। अफगानिस्तान ने कीवी और प्रोटियाज टीम के खिलाफ अपने दोनों मैच गंवा दिए। अब उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने के साथ न्यूजीलैंड के हारने की दुआ भी करनी होगी।

साउथ अफ्रीका 3 जीत से 6 पॉइंट्स लेकर लगभग अगले राउंड में जगह बना चुकी है। टीम यूएई को आखिरी मैच हराकर नंबर-1 पर रहकर ग्रुप स्टेज फिनिश कर सकती है। न्यूजीलैंड भी 2 मैच जीत चुका है, टीम कनाडा के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर सुपर-8 में पहुंच जाएगी। यूएई को एक जीत मिली है, लेकिन उनके 2 मैच अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के खिलाफ है। अगर टीम दोनों जीत गई तो अगले राउंड में पहुंच जाएगी। वहीं अफगानिस्तान और कनाडा एक भी मैच हारीं तो बाहर हो जाएंगी।

ईशान किशन की शादी तय?

करोड़पति लड़की के साथ ले सकते हैं 7 फेरे

पटना, 15 फरवरी (एजेंसियां)। ईशान किशन वैसे तो अभी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया के लिए खेलने में मशगूल हैं. लेकिन, उनकी इस व्यस्तता के बीच उनके शादी को लेकर भी बड़ा अपडेट आया है. ये अपडेट ईशान किशन के दादा जी ने दी है. उन्होंने बताया कि ईशान किशन किससे शादी कर सकते हैं और कब कर सकते हैं? उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें लोगों की परवाह नहीं. उनका पोता जिसके साथ शादी करना चाहता है, जिसके साथ रहना चाहता है, वो उसके उस फैसले से खुश हैं.

क्या टी20 विश्व के बाद शादी करेंगे ईशान?

ईशान किशन इस वक्त कोलंबो में हैं, जहां उन्हें पाकिस्तान के साथ मुकाबला खेलना है. इस हाई वोल्टेज मैच में पूरे हिंदुस्तान की निगाहें ईशान किशन की बल्लेबाजी पर जमी हैं. इस मुकाबले के बाद भी ईशान किशन के लिए चुनौतियां कम नहीं होंगी क्योंकि असली मकसद टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जिताना है. तो क्या इस मकसद को पूरा करने के बाद ईशान किशन शादी के बंधन में बंधेंगे?

ईशान को दादा से मिली शादी की इजाजत

दादा अनुराग पांडे के मुताबिक ईशान किशन इस साल शादी करेंगे, उसका तो पता नहीं, लेकिन वो जिससे भी विवाह करेंगे, वो रिश्ता उन्हें खुशी-खुशी मंजूर होगा. दादा के मुताबिक ईशान के बड़े भाई ने भी अपनी मनपसंद लड़की से शादी की है. दादा अनुराग पांडे ने ईशान किशन की गर्लफ्रेंड का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि ईशान किशन ने एक बार कहा कि आपका इंटरव्यू अदिति ने देखा था, वो काफी खुश थी.

कौन है ईशान किशन की गर्लफेंड अदिति?

ये पूछे जाने पर कि अदिति कौन है, दादा जी ने कहा कि वो ईशान की गर्लफ्रेंड है और जयपुर में रहती है. उन्होंने ये भी कहा कि वो एक मॉडल है और मिस इंडिया के कॉन्टेस्ट में दूसरे नंबर पर रह चुकी है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदिति हुंडिया की नेटवर्थ 12 करोड़ रुपये बताई जाती है. उनकी ज्यादातर कमाई मॉडलिंग और विज्ञापनों के जरिए होती है. इसके अलावा वो सोशल मीडिया स्टार भी हैं.

टी20 विश्व कप 2026 के बीच अचानक घर लौटा लॉकी फर्ग्यूसन

वेलिंग्टन, 15 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन T20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच अचानक घर लौट गए हैं. उनके घर लौटने की जानकारी न्यूजीलैंड टीम मैनेजमेंट की ओर से दी गई है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 14 फरवरी को हुए मुकाबले के बाद लॉकी फर्ग्यूसन घर के लिए रवाना हुए. न्यूजीलैंड टीम मैनेजमेंट ने बताया कि लॉकी फर्ग्यूसन अपनी पत्नी एम्मा के साथ अपने पहले बच्चे के जन्म के स्पेशल मौके पर उनके पास रहना चाहते हैं.

कनाडा के खिलाफ नहीं खेलेंगे लॉकी फर्ग्यूसन

लॉकी फर्ग्यूसन के घर लौटने का मतलब है कि वो कनाडा के खिलाफ होने वाले ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में न्यूजीलैंड टीम के साथ उपलब्ध नहीं होंगे. न्यूजीलैंड को कनाडा के खिलाफ

मुकाबला 17 फरवरी को चेन्नई में खेलना है.

पहले बच्चे का स्वागत करने घर लौटे फर्ग्यूसन

टीम के हेड कोच रॉब वॉल्टर के मुताबिक लॉकी फर्ग्यूसन के लिए ये पल उत्साह से लबरेज हैं. हमें भी खुशी है कि वो इस खास मौके पर अपने घर पर होंगे और अपनी पत्नी एम्मा के साथ बच्चे का स्वागत करेंगे.

अब सुपर-8 में वापसी करेंगे फर्ग्यूसन

लॉकी फर्ग्यूसन के घर लौटने के बाद क्या उनकी जगह किसी को टीम में शामिल किया जाएगा? इस सवाल के जवाब में न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वॉल्टर ने कहा कि हम किसी को भी फर्ग्यूसन की जगह टीम में शामिल नहीं कर रहे. प्लान के मुताबिक वो टूर्नामेंट के सुपर-8 स्टेज तक वापस लौट आएंगे. उन्होंने आगे कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हमारे ट्रेवलिंग रिजर्व- बेन सियर्स और कोल मैकोन्ची- तैयार हैं. उन्हें शामिल किया जा सकता है.

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में लॉकी फर्ग्यूसन

लॉकी फर्ग्यूसन के टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अब तक के प्रदर्शन की बात करें तो 3 मैचों में 4 विकेट लेकर वो अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं. इससे पता चलता है कि कीवी टीम के लिए उनका होना टूर्नामेंट में कितना अहम है.

टी20 विश्व कप में धोनी का रिकॉर्ड टूटा

3 मैच पहले ही क्विंटन डिकॉक ने रचा इतिहास

अहमदाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के क्विंटन डि कॉक ने एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. ये कामयाबी उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ 14 फरवरी को खेले मुकाबले में मिली. बड़ी बात ये है कि धोनी का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए डिकॉक ने उनसे 3 मैच कम भी खेले. धोनी का ये रिकॉर्ड बतौर विकेटकीपर टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा शिकार करने से जुड़ा था, जिसे अब क्विंटन डिकॉक ने अपना बना लिया है.

धोनी से आगे निकले डिकॉक

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर 14 फरवरी को खेले मुकाबले में न्यूजीलैंड के ओपनर टिम साइफर्ट का कैच विकेट के पीछे लपकने के साथ ही क्विंटन डिकॉक ने धोनी के रिकॉर्ड को भी

धराशायी कर दिया. वो अब टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कैच और स्टंपिंग मिलाकर सबसे ज्यादा शिकार करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं.

धोनी से 3 मैच कम खेलकर ही डिकॉक ने तोड़ा रिकॉर्ड

भारत के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर रहे एम एस धोनी ने T20 वर्ल्ड कप के अंदर खेले 33 मैचों की 32 पारियों में 32 शिकार किए थे, जिसमें 21 कैच और 11 स्टंपिंग शामिल थी. वहीं क्विंटन डिकॉक ने सिर्फ 30 मैचों में ही धोनी के कायम किए रिकॉर्ड को तोड़ दिया. डिकॉक के T20 वर्ल्ड कप में 33 शिकार हो गए हैं, जिसमें 26 कैच और 7 स्टंपिंग शामिल है.

टी20आई में 100 शिकार करने वाले डिकॉक इकलौते विकेटकीपर

क्विंटन डिकॉक ने टी20 वर्ल्ड कप में तो धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा ही है, इसके अलावा वो मेंस टी20 इंटरनेशनल में इकलौते ऐसे विकेटकीपर हैं, जिन्होंने 100 से ज्यादा शिकार किए हैं. उन्होंने अब तक 103 मैचों में 110 शिकार किए हैं. इस मामले में डिकॉक के बाद दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के जॉस बटलर हैं, जिन्होंने 93 शिकार किए हैं. वहीं 91 शिकार करके धोनी टी20 इंटरनेशनल में तीसरे सफल विकेटकीपर हैं.

न्यूजीलैंड के खिलाफ 14 फरवरी को हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच में धोनी का रिकॉर्ड तोड़ने वाले डिकॉक ने उस मैच में 14 गेंदों का सामना कर 20 रन बनाए. इस पारी में 3 चौके और 1 छक्का शामिल रहा.

क्रीज के बाहर था बल्लेबाज, विकेटकीपर ने की स्टंपिंग

लेकिन आईसीसी के नियम के चलते नहीं दिया गया आउट

कोलंबो, 15 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 22वें मैच में एक बहुत रोमांचक और चौंकाने वाली घटना ने सभी का ध्यान खींच लिया. यह मैच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में आयरलैंड और ओमान के बीच खेला जा रहा था, जहां आयरलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी की. लेकिन दौरान पारी के 8वें ओवर में एक स्टंपिंग ने हर किसी को कंफ्यूज कर दिया. पहले तो ऐसा लगा की बल्लेबाज आउट हो गया है, लेकिन आईसीसी के नियमों ने बल्लेबाज को बचा लिया.

स्टंपिंग के बावजूद आउट नहीं हुआ बल्लेबाज

दरअसल, मैच के 8वें ओवर की पांचवीं गेंद पर ओमान के स्पिनर आमिर कलीम ने लोर्कन

टकर को एक लेंथ गेंद फेंकी, जो लेग स्टंप के बाहर से शुरू होकर आर्म के साथ आगे बढ़ी. लेकिन टकर आगे निकलकर फ्लिक करने की कोशिश में चूक गए और क्रीज से बाहर आ गए. ऐसे में विकेटकीपर विनायक शुक्ला ने गेंद को लेग साइड में शानदार तरीके से कलेक्ट किया, लेकिन थोड़ा फिसल गए. उन्होंने खुद को संभाला और फिर बेल्स उखाड़ दिए. इस घटना के बाद बल्लेबाज साफ आउट नजर आ रहे थे.

सब कुछ ऐसा लग रहा था कि टकर आउट हो गए, क्योंकि वे क्रीज में वापस नहीं लौट पाए थे. लेकिन अंपायर ने तुरंत नोटिस किया कि शुक्ला ने बेल्स उस हाथ से उखाड़े थे जिसमें गेंद नहीं थी. गेंद उनके बाएं हाथ में थी, जबकि उन्होंने दाएं हाथ से बेल्स हटाए. क्रिकेट नियमों के मुताबिक, स्टंपिंग के लिए गेंद को हाथ में रखते हुए बेल्स उखाड़ना जरूरी है, और अगर दोनों हाथ एक-दूसरे से जुड़े नहीं हैं या गेंद अलग हाथ में है, तो यह लीगल स्टंपिंग नहीं मानी जाती.

हाल ही में अंपायर से हुई थी चूक

इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान सीरीज के दौरान भी ऐसी घटना देखने को मिली थी. पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज की गेंद पर कूपर कोनोली स्टंप हो गए थे. विकेटकीपर ख्वाजा नफे ने लेग साइड में गेंद को लपका था और बेल्स गिरा दिए थे. लेकिन गेंद नफे के दाहिने हाथ में थी. तब अंपायर ने ध्यान नहीं दिया था और बल्लेबाज को आउट दे दिया था. हालांकि, वह नॉटआउट थे. लेकिन इस बार अंपायर ने सही फैसला दिया.

वेस्टइंडीज लगातार तीसरी जीत के सुपर-8 में

नेपाल को 9 विकेट से हराया, होप का अर्धशतक, होल्डर ने 4 विकेट लिए

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज लगातार तीन जीत के साथ इस वर्ल्ड कप के सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। टीम ने रविवार को दिन के पहले मैच में नेपाल को 9 विकेट से हराया।

वेस्टइंडीज ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। नेपाल ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 133 रन बनाए। जवाब में विंडीज ने 15.2 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 44 बॉल पर नाबाद 61 रन बनाए। उनके अलावा शिनरोन हेटमायर ने नाबाद 46 और ब्रैंडन

किंग ने 22 रन बनाए। नेपाल के लिए नंदन यादव को 1 विकेट मिला।

नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 47 बॉल पर 58 रन बनाए। सोमपाल कामी 15 बॉल पर 26 रन बनाकर नाबाद रहे। लोकेश बम 13, गुलशन झा और आसिफ शेख 11-11 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जेसन होल्डर ने 4 विकेट झटके। रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, अकील हुसैन और शमार जोसेफ को 1-1 विकेट मिला।

ऐरी टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नेपाल के लिए 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले 2014 में चटगांव में अफगानिस्तान के खिलाफ सुभाष खाकुरेल ने 56 रन बनाए थे।

मेल्लाचेरुवु-हैदराबाद रेल मार्ग की योजना प्रगति पर : उत्तम

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि सूर्यापेट जिले के मेल्लाचेरुवु को हैदराबाद से जोड़ने के लिए रेल लाइन बिछाने की योजना पर कार्य चल रहा है। महाशिवरात्रि के दिन प्रातः चार बजे मेल्लाचेरुवु स्थित ऐतिहासिक श्री इष्ट कामेश्वरी समेत स्वयंभू शंभुलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में विशेष पूजन में भाग लेने के बाद मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मंदिर की बढ़ती प्रसिद्धि और राज्यभर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए बेहतर आधारभूत संरचना की आवश्यकता है।

जिले के तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र के लिए रेल संपर्क को महत्वपूर्ण बताते हुए मंत्री ने कहा कि यह प्रस्ताव उनकी प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा, 'मैं इस परियोजना को साकार करने के लिए संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा हूं। योजना के तहत मेल्लाचेरुवु से हैदराबाद तक दोहरी रेल लाइन और यात्री रेल सेवाएं शुरू करने का प्रस्ताव है, जिससे स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों को सुविधा होगी।' मंत्री ने कहा कि उन्होंने पूर्व में भी केंद्र से रेल संपर्क के लिए प्रयास किए थे और वर्तमान पहल से औद्योगिक विकास को और मजबूती मिलेगी तथा आवागमन सुगम होगा।

उन्होंने मेल्लाचेरुवु से अपने तीन दशक लंबे संबंध का उल्लेख करते हुए कहा कि इस नगर को विकास का केंद्र बनाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि कृष्णा नदी का पानी सिंचाई और पेयजल के लिए मेल्लाचेरुवु और आसपास के गांवों तक पहुंचाना उनकी सबसे संतोषजनक उपलब्धियों में से एक है। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के सहयोग से इस वर्ष महाशिवरात्रि उत्सव और मंदिर विकास के लिए एक करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, ताकि बढ़ती संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उत्तम कुमार रेड्डी ने अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और राज्य की समृद्धि, समय पर वर्षा तथा किसानों की भलाई की कामना की। मंदिर अधिकारियों ने उनका पारंपरिक पूर्णकुंभ से स्वागत किया।

तेलंगाना भर में महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

शिव नाम के जयघोष से गूंज उठा वातावरण

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर राज्यभर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

रविवार तड़के से ही श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचने लगे और वातावरण शिव नाम के जयघोष से गूंज उठा। दर्शन के बाद अनेक भक्त विशेष पूजन और अभिषेक कर रहे हैं।

पर्व अत्यंत भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। राजन्ना सिरिसिल्ला जिले के वेमुलावाड़ा स्थित भीमेश्वर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। भगवान शिव के दर्शन के लिए लगभग दो घंटे का प्रतीक्षा समय बताया गया है। वहां उपस्थित श्रद्धालुओं ने विशेष अनुष्ठानों में भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सरकारी सचेतक आदि शीनिवास ने सरकार की ओर से देवता को रेशमी वस्त्र अर्पित किए। राज्य के विभिन्न शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय भीड़ देखी गई।

वेमुलावाड़ा मंदिर में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने भीमेश्वर स्वामी को रेशमी वस्त्र अर्पित किए

वेमुलावाड़ा, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रसिद्ध तीर्थस्थल वेमुलावाड़ा उत्सवमय रूप में नजर आया। श्रद्धालुओं ने श्री राजराजेश्वर स्वामी तथा संबद्ध भीमेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पहुंचकर भक्ति भाव प्रकट किया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और राज्य सरकार के सचेतक आदि शीनिवास ने मंदिर पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना की। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने राज्य सरकार की ओर से भीमेश्वर स्वामी को रेशमी वस्त्र अर्पित किए। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने करीमनगर महापौर पद को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नगर निगम पर कांग्रेस पार्टी का कब्जा होगा। वेमुलावाड़ा में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सांसद धर्मपुरी अरविंद ने कहा है कि वे निजामाबाद में महापौर की दौड़ से हट रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ण बहुमत न होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। ऐसे में केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार यह कैसे कह सकते हैं कि बहुमत न होने पर भी वे करीमनगर में महापौर पद जीतेंगे? नगर निगमों में महापौर का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से होता है। कांग्रेस सरकार की ओर से हम विकास कार्यों में सहयोग करेंगे। सभी को साथ लेकर महापौर पद जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी महापौर पद हासिल करने के लिए प्रयास करती है, उसी प्रकार वे भी प्रयास करेंगे। महापौर और अध्यक्ष पदों के लिए शिविर राजनीति देखने को मिलेगी

डिप्टी सीएम ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के नाम से विशेष प्रार्थनाएं की

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क अपनी धर्मपत्नी नंदिनी के साथ रविवार को मादिरा स्थित श्री मृत्युंजय स्वामी मंदिर पहुंचे और राज्य की समृद्धि तथा सभी नागरिकों के स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर वे देवी गंगा पार्वती के सान्निध्य में उपस्थित रहे। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विशेष अर्चना की, जिसमें मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों के नाम और गोत्र उच्चारित किए गए। दंपति ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए तथा सत्तारूढ़ प्रशासन पर ईश्वरीय कृपा बनाए रखने की कामना की। वायरा नदी के तट पर स्थित मृत्युंजय स्वामी मंदिर पहुंचने पर उपमुख्यमंत्री और उनकी पत्नी का मंदिर अधिकारियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पुजारियों ने उन्हें पूर्णकुंभ से सम्मानित किया और गर्भगृह तक ले गए। इसके पश्चात दंपति ने रुद्राभिषेक और विशेष पूजन संपन्न किया। अनुष्ठान पूर्ण होने के बाद मंदिर प्रांगण में पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद दिया तथा पवित्र तीर्थ और प्रसाद भेंट किया। महाशिवरात्रि के अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने मादिरा में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और प्रमुख राजनीतिक नेता उपस्थित रहे।

नशे में वाहन चलाने के आरोप में 314 पर कार्रवाई

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने सप्ताहांत पर नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया, जिसके दौरान 314 लोगों को पकड़ा गया। दर्ज मामलों में 140 दोपहिया वाहन, 13 तिपहिया वाहन, 41 चारपहिया वाहन और 2 भारी वाहन शामिल हैं। रक्त में अल्कोहल की मात्रा के आधार पर 157 व्यक्तियों में 36 से 200 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर के बीच स्तर पाया गया, 26 व्यक्तियों में 201 से 300 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर तथा 13 व्यक्तियों में 301 से 550 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर के बीच स्तर दर्ज किया गया। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया कि मद्यपान कर वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में वाहन चलाते हुए घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस धारा के अंतर्गत अधिकतम 10 वर्ष का कारावास तथा जुर्माने का प्रावधान है। पिछले सप्ताह (9 से 14 फरवरी) के दौरान न्यायालयों में मद्यपान कर वाहन चलाने के कुल 212 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 6 व्यक्तियों को सामाजिक सेवा के साथ जुर्माना तथा 206 व्यक्तियों को केवल जुर्माना लगाया गया।

धर्मभिक्षम स्वतंत्रता सेनानियों और कम्युनिस्ट नेताओं के लिए आदर्श : पल्ला

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व विधायक पल्ला वेंकट रेड्डी ने कहा कि पूर्व सांसद बोम्मागानी धर्मभिक्षम स्वतंत्रता सेनानियों और कम्युनिस्ट नेताओं के लिए आदर्श व्यक्तित्व थे। उन्होंने धर्मभिक्षम को केवल एक दल के नेता ही नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले योद्धा के रूप में सराहा। धर्मभिक्षम की 104वीं जयंती के अवसर पर पल्ला वेंकट रेड्डी, पार्टी के राज्य सहायक सचिव ई.टी. नरसिम्हा, राज्य कार्यकारिणी सदस्य बोम्मागानी प्रभाकर तथा यादाद्री भुवनगिरि जिला सचिव दामोदर रेड्डी ने शहर स्थित पार्टी राज्य कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में गीता पानिवाराला संघ के समन्वय सचिव नागभूषणम, उपाध्यक्ष केवीएल, महासचिव सैलू गौड़, आरटीसी के पूर्व कार्यकारी निदेशक दोरनाला वेणु, अखिल भारतीय युवा महासंघ के राज्य अध्यक्ष सैयद वलीउल्लाह कादरी, पोलागानी रवि किशोर सहित कई नेता उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए पल्ला वेंकट रेड्डी ने कहा कि धर्मभिक्षम एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने ताड़ी उतारने वाले श्रमिकों के अधिकारों के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर गीता कर्मिका संघों का गठन कर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि धर्मभिक्षम ने छात्र जीवन से ही अनेक युवाओं को नेतृत्व के लिए प्रेरित किया। ई.टी. नरसिम्हा ने कहा कि विधि की पढ़ाई के दौरान धर्मभिक्षम के विचारों से प्रभावित होकर अनेक छात्रों ने अन्य संगठनों को छोड़कर छात्र महासंघ से जुड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि धर्मभिक्षम केवल कम्युनिस्ट पार्टी ही नहीं, बल्कि सभी दलों के नेताओं के निकट सहयोगी थे। बोम्मागानी प्रभाकर ने धर्मभिक्षम को बहुआयामी प्रतिभा और उत्कृष्ट खिलाड़ी बताया। दामोदर रेड्डी ने विधायक और सांसद के रूप में उनकी सेवाओं को अविस्मरणीय बताया।

भारतीय जनता पार्टी जनजातीय कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध : राव

संत सेवालाल महाराज की जयंती समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि संत सेवालाल महाराज का जीवन भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा के अनुरूप था। वे भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय में राज्य अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष रवि नायक के नेतृत्व में आयोजित संत सेवालाल महाराज की जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को विदेशी प्रभुत्व से मुक्त कराने के संकल्प के साथ-साथ महाराज ने अपना संपूर्ण जीवन प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि सद्गुरु संत सेवालाल महाराज बंजारा समुदाय के आराध्य देव हैं, जिन्हें वे ऐसे देवता के रूप में मानते हैं जो सदैव पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करते रहे। जगदंबा माता के भक्त के रूप में उनकी शिक्षाएं वर्तमान पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक प्रकाश हैं। यही कारण है कि देशभर का जनजातीय समाज उनकी जयंती को बड़े उत्साह से मनाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनजातीय कल्याण के लिए ऐतिहासिक निर्णय नरेंद्र मोदी सरकार ने लिए, जिनमें जनजातीय आयोग और समर्पित जनजातीय मंत्रालय की स्थापना, जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए मुलुगु में सम्मक्का-सरक्का जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना, महाराष्ट्र में सेवालाल महाराज मंदिर का निर्माण तथा जनजातीय कल्याण के लिए रिकॉर्ड धनराशि का आवंटन शामिल है। रामचंदर राव ने तेलंगाना में पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि दोनों ने तांडों के विकास की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि तांडों को ग्राम पंचायत घोषित किए जाने के बावजूद पर्याप्त धनराशि जारी नहीं की गई और कल्याणकारी योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में वर्तमान विकास मुख्यतः केंद्र सरकार की समेकित जनजातीय विकास अभिकरण निधियों के कारण संभव हो पाया है। उन्होंने पुनः दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी जनजातीय समाज के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनके अधिकारों तथा विकास के लिए सदैव उनके साथ खड़ी रहेगी। पार्टी की ओर से उन्होंने राज्य की जनता, विशेषकर बंजारा और अन्य जनजातीय समुदायों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पार्टी के राज्य उपाध्यक्ष कल्याण नायक, राज्य संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तिवारी, राज्य महासचिव वेमुला अशोक सहित अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

3171 स्कूलों को फुटबॉल उपकरण वितरित

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फीफा और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के तत्वावधान में तेलंगाना फुटबॉल एसोसिएशन (टीएफए) ने राज्य के 3,171 स्कूलों में फुटबॉल उपकरण वितरित किए। टीएफए के सचिव जी. पालगुना ने बताया कि यह पहल प्रतिष्ठित 'फुटबॉल फॉर स्कूल्स' कार्यक्रम का हिस्सा है।

इस अभियान के तहत राज्य भर में स्कूली बच्चों के बीच फुटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 19,502 फुटबॉल वितरित किए गए।

वाहन चोर गिरफ्तार, तीन चोरी की बाइक बरामद

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर तीन चोरी की दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। पुलिस ने इस कार्रवाई के साथ तीन मामलों का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद रियाज उद्दीन उर्फ रियाज (39) निवासी आरके नगर, अंबरपेट, हैदराबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बीते 11 फरवरी को ओस्मानिया जनरल अस्पताल में कार्यरत कार्यालय सहायक पी. महेंद्र ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने अपनी हीरो स्प्लेंडर प्लस को अस्पताल परिसर के पार्किंग स्थल पर खड़ा किया था, जिसे अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गया। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी एन. रवि और जासूस निरीक्षक बी. रवि किरण के नेतृत्व में अपराध दल ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और आसपास पूछताछ की। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन वाहन बरामद किए। जांच में पता चला कि आरोपी शराब सेवन और अन्य बुरी आदतों का आदी है तथा ऐशोआराम की जिंदगी जीने के लिए उसने वाहन चोरी का रास्ता अपनाया। उसने 25 नवंबर 2025 को एमजी बस अड्डा पार्किंग क्षेत्र से डुप्लीकेट चाबी की मदद से एक होंडा एक्टिवा चोरी की थी। इसके बाद 1 जनवरी को अफजलगंज स्थित अशोक बाजार से एक अन्य वाहन चुराया। हाल ही में 11 फरवरी को उसने ओस्मानिया अस्पताल परिसर से शिकायतकर्ता की बाइक डुप्लीकेट चाबी से चोरी की थी। गोलकोंडा क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त ने इस सफल कार्रवाई के लिए अपराध दल के अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की सराहना की है तथा उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की है। यह गिरफ्तारी वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण में की गई।

कोत्तागुडेम में कांग्रेस-सीपीआई गठबंधन पर कोई आपत्ति नहीं: केटीआर

संत सेवालाल जयंती समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने कोठागुडेम नगर निगम की राजनीति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बीच यदि कोई समझौता होता है तो उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है। वे शहर में आयोजित संत सेवालाल जयंती समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सिंगरेनी कंपनी के कर्मचारियों के हित में वे कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मिलकर काम करना चाहते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी सिंगरेनी कंपनी को नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी ने किस कारण से गठबंधन स्वीकार किया, यह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन नगरपालिकाओं में भारत राष्ट्र समिति को बहुमत मिला है, वहां कांग्रेस नेता अराजकता फैला रहे हैं तथा उनके पार्षदों को प्रलोभन और दबाव के जरिए प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता पुलिस और असामाजिक तत्वों के माध्यम से उनके नेताओं को धमका रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के पार्षद निडर हैं और राज्य में और अधिक नगरपालिकाओं में जीत हासिल करेंगे। कोत्तागुडेम नगर निगम में महापौर पद को लेकर स्पष्टता आ गई है। कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बीच समझौते के तहत महापौर और उपमहापौर पद ढाई-ढाई वर्ष के लिए साझा किए जाएंगे। पहले ढाई वर्ष महापौर पद कम्युनिस्ट पार्टी के पास रहेगा और उसके बाद कांग्रेस को यह पद मिलेगा। नगर निगम चुनाव में कांग्रेस गठबंधन ने 23 वार्डों में जीत दर्ज की, जबकि कम्युनिस्ट पार्टी को 22, भारत राष्ट्र समिति को 8, भारतीय जनता पार्टी को 1 और निर्दलीय उम्मीदवारों को 6 वार्ड मिले। महापौर और उपमहापौर का चुनाव इस माह की 16 तारीख को होगा।

केसीआर ने लंबाडा तांडों के हितों के लिए 3,146 पंचायतो का गठन किया था

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित तेलंगाना भवन में रविवार को संत सेवालाल महाराज जयंती समारोह आयोजित किया गया। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और संत सेवालाल के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केटीआर ने कहा कि उन्हें सेवालाल जयंती मनाकर प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने जनजातीय समाज के आत्मसम्मान की रक्षा करते हुए उनके साथ न्याय किया। उन्होंने बताया कि के. चंद्रशेखर राव ने लंबाडा तांडों को ग्राम पंचायतों में परिवर्तित किया और उनके लाभ के लिए 3,146 नई ग्राम पंचायतों का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि इन गांवों में अब 3,146 जनजातीय बच्चे सरपंच बने हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय तांडों में प्रत्येक घर तक पेयजल सुविधा पहुंचाई गई। जनजातीय किसानों को पोडू भूमि के पट्टे प्रदान किए गए और एक ही दिन में साढ़े चार लाख एकड़ भूमि उनके नाम की गई। उन्होंने बताया कि जनजातीय बच्चों की शिक्षा के लिए सैकड़ों गुरुकुल विद्यालय स्थापित किए गए। केटीआर ने स्पष्ट किया कि जनजातीय युवाओं के लिए रोजगार में आरक्षण बढ़ाने का कार्य भी के. चंद्रशेखर राव ने ही किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय उद्यमियों के लिए विशेष उद्यमिता कार्यक्रम शुरू किया गया और शासनकाल के दौरान लाखों रुपये की सरकारी सब्सिडी दी गई। उन्होंने बताया कि बंजारा बच्चों को विदेश शिक्षा के लिए छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। प्रत्येक जिले में बंजारा भवनों के लिए भूमि आवंटित कर भवनों का निर्माण कराया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में वे बंजारा समाज के साथ और मजबूती से खड़े रहेंगे। केटीआर ने केंद्र और राज्य सरकारों पर सिंगरेनी कंपनी को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी को बचाने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे।

भटक रहे बाघ को बेहोश कर जंगल में भेजने की तैयारी

हैदराबाद, 15 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट जिले के गांवों में एक सप्ताह से अधिक समय से भटक रहे बाघ से दहशत का माहौल है। लोगों और बाघ दोनों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने उसे बेहोश कर जंगल में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। वन अधिकारियों, पशु चिकित्सकों और वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम बाघ को पकड़ने के प्रयास में जुटी है। पिछले सप्ताह दो बार जाल बिछाकर इंतजार किया गया, लेकिन बाघ हाथ नहीं लगा।

अधिकारियों ने बताया कि आरक्षित वन क्षेत्र में लाइव कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं और टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं।

वन्यजीव जीवविज्ञानी इमरान सिद्दीकी ने बताया कि रासायनिक स्थिरीकरण की प्रक्रिया में विशेष दवाओं की मदद से बाघ को बेहोश किया जाता है, जिससे वह कुछ समय के लिए अचेत हो जाता है। यह तरीका संघर्ष की स्थिति में भटके बाघों को सुरक्षित पकड़ने के लिए उपयुक्त माना जाता है और इससे जानवर को कम से कम तनाव होता है। अभियान के दौरान राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा तय मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। इसमें बाघ की सुरक्षा, टीम की संरचना, उपयोग की जाने वाली दवाएं, सुरक्षा उपाय और रेडियो कॉलर लगाने के बाद उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की पूरी प्रक्रिया शामिल है।

CHANGE OF NAME

I, **PILLA CHILUKAMMA** M/o. Army No.15433269A, Rank: Nk, Name: **Sai Rama Krishna Pilla** UNIT-314 Field Hospital, R/O H.No 4-77 Teruvupalli Yellamanchili Mandal, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-531061. I have changed my Name from **PILLA CHILLUKAMA** to **PILLA CHILUKAMMA** due to incorrect name recorded in the Service Records of my Son. Vide affidavit dated 28-01-2026.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.